THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 42 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.11 2080 सोमवार, 1 मई 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

तेलंगाना के नये सचिवालय का भव्य शुभारंभ

तेलंगाना स्वाभिमान का प्रतीक है सचिवालय

सीएम केसीआर ने नये सचिवालय को देश का पहला इको-फ्रेंडली अद्भुत ढांचा बताया

नये सचिवालय के शुभारंभ पर सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव तथा नये कार्यालय में प्रवेश के बाद फाइल पर अपना पहला हस्ताक्षर करते हुए सीएम।

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने रविवार को कहा कि तेलंगाना राज्य सचिवालय का निर्माण लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप एक अभिनव तरीके से किया गया है। उन्होंने कहा कि नया सचिवालय परिसर तेलंगाना के स्वाभिमान को मजबूत करता है और चमकने के लिए राज्य की प्रतिष्ठा को दर्शाता है। डॉ. बी.आर. अम्बेडकर तेलंगाना सचिवालय भवन के उद्घाटन के अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्य के लोगों को बधाई दी। केसीआर ने दावा किया कि तेलंगाना राज्य, जो कई बलिदानों के बाद शांतिपूर्ण तरीके से हासिल किया गया था, हाल के दिनों में देश के लिए एक रोल मॉडल राज्य और एक संपन्न राज्य के रूप में उभरा है।

सीएम ने कहा कि हमने महात्मा गांधी के रास्ते से एक अलग राज्य के लिए लड़ाई लड़ी और इसे प्राप्त किया। डॉ. अंबेडकर द्वारा लिखित संविधान के अनुच्छेद 3 ने तेलंगाना के निर्माण की सुविधा प्रदान की। नए सचिवालय का नाम डॉ. अम्बेडकर के नाम पर रखा गया है, जो गर्व की बात है।

केसीआर ने प्रसन्नता व्यक्त की कि नए सचिवालय का निर्माण, जिसने कई बाधाओं और आलोचनाओं को पार किया, देश के गौरव के रूप में कम समय में पूरा हुआ तथा लोगों को उपलब्ध हो गया।

उन्होंने कहा कि सचिवालय का निर्माण भावी पीढ़ियों की प्रशासनिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उच्चतम तकनीकी मूल्यों को अपनाते हुए किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नया सचिवालय देश का पहला इको-फ्रेंडली अद्भुत ढांचा है, जो सभी मानकों का पालन करते हुए और कई अनूठी विशेषताओं से युक्त है। कर्मचारियों के लिए सबसे सुखद वातावरण में काम करने के लिए नया सचिवालय बनाया गया है और यह गुणात्मक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करने के लिए सरकार के कामकाज को बहुत प्रभावित करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में सुशासन की निरंतरता को सुनिश्चित करने और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सचिवालय की संरचना की गई है। केसीआर ने कहा कि सचिवालय का नामकरण महान नेता डॉ बी.आर. अम्बेडकर करने के पीछे एससी, एसटी, बीसी, अल्पसंख्यक, महिलाओं और गरीब समुदायों को सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में समान अधिकार सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना शहीद स्मारक और अम्बेडकर की आसमान छूती प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मार्गदर्शक शक्ति के रूप में खड़ी है। उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना राज्य सचिवालय का नाम अंबेडकर के नाम पर रखा गया है, जिसका उद्देश्य लोगों को सुशासन देना और राज्य प्रशासन को मजबूत करके राष्ट्र से प्रशंसा प्राप्त करना है। सीएम ने कहा कि देश के सबसे युवा राज्य के रूप में तथा अन्य राज्यों की तुलना में, तेलंगाना सभी वर्गों के लोगों के लिए कल्याणकारी शासन प्रदान कर रहा है और देश के लिए एक आदर्श राज्य के रूप में खड़ा है। केसीआर ने उम्मीद जताई कि नए सचिवालय से तेलंगाना शासन पूरे देश को प्रेरित करेगा। उन्होंने भरोसा जताया कि फलता-फूलता तेलंगाना आगे भी चमकेगा और हासिल की गई प्रगति दूरदर्शिता के साथ जारी रहेगा।

>14

सांप तो भगवान शंकर के गले की शोभा है

कांग्रेस नेता के बयान का पीएम मोदी ने कुछ ऐसे दिया जवाब

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के कोलार जिले में रविवार (30 अप्रैल, 2023) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीजेपी प्रत्याशी को समर्थन में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कांग्रेस और जेडीएस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि आज जब मैं भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा हूं तो सबसे ज्यादा तकलीफ कांग्रेस को हो रही है इसलिए कांग्रेस की दिनों-दिन मुझसे नफरत और बढ़ गई है। उन्होंने मुझ पर हमला और बढ़ा दिया है।

पीएम मोदी ने इस दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के जहरीले सांप वाले बयान पर भी पलटवार किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग धमकी दे रहे हैं, मोदी तेरी कब्र खुदेगी। अब वे मेरी तुलना सांप से कर रहे हैं और जनता से वोट मांग रहे हैं। सांप तो भगवान शंकर के गले की शोभा है और मेरे लिए देश की जनता ईश्वर का रूप है, शिव का ही स्वरूप है।

कांग्रेस-जेडीएस विकास में रोड़ा

कांग्रेस और जेडीएस पर हमलावर होते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इतनी बढ़ी संख्या में आपका यहां आना आज कांग्रेस और जेडीएस दोनों की नींद उड़ाने वाला है। कर्नाटक के विकास में ये दोनों पार्टियां सबसे बड़ा रोड़ा हैं। कांग्रेस और जेडीएस मिलकर चाहे जितना खेल लें, लेकिन कर्नाटक की जनता उन्हें क्लीन बोल्ड करने जा रही है। मोदी ने कहा कि कर्नाटक का ये चुनाव सिर्फ आने वाले पांच वर्षों के लिए विधायक, मंत्री या मुख्यमंत्री बनाने का नहीं है, ये चुनाव आने वाले 25 सालों में विकसित भारत के रोडमैप की नींव को सशक्त करने का है। अस्थिर सरकार इस तरह के बड़े वीजन पर कभी काम नहीं कर सकती।

2014 से पहले करप्शन था

कांग्रेस के कार्यकाल का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा, 2014 से पहले करप्शन काल में कांग्रेस सरकार के कालखंड में दुनिया भारत से सारी उम्मीदें छोड़ चुकी थी। बीजेपी को दिए आपके एक वोट ने सारी स्थिति बदल दी। आज भारत की प्रतिष्ठा बुलंदी पर है, अर्थव्यवस्था की गति तेज है और दुनिया भारत को ब्राइट स्पॉट बता रही है।

मोदी ने कहा कि भाजपा का संकल्प कर्नाटक को भारत का नंबर वन राज्य बनाने का है इसलिए यहां डबल इंजन की सरकार जरूरी है। जितने दिन यहां कांग्रेस-जेडीएस का गठबंधन रहा, कर्नाटक के विकास पर ब्रेक लग गया। जब यहां डबल इंजन की सरकार बनी तब यहां के विकास ने नई गति पकड़ी। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार आधुनिक कनेक्टिविटी के लिए जो काम कर रही है, वो इस पूरे क्षेत्र में नई संभावनाएं बनाएगी। बेंगलुरू-चेन्नई एक्सप्रेसवे यहां के किसानों और इंडस्ट्री दोनों के लिए नए अवसर बनाएगा, उसपर तेजी से काम चल रहा है।

कांग्रेस को किसानों की चिंता नहीं

पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने कभी भी किसानों की परवाह नहीं की, लेकिन भाजपा सरकार बीज से बाजार तक किसानों के लिए काम कर रही है। केंद्र सरकार पीएम किसान सम्मान निधि के जो पैसे भेजती है, उसमें यहां की बीजेपी सरकार 4 हजार रुपये और जोड़ देती है। इससे कर्नाटक के लाखों किसान परिवारों के बैंक खाते में 18 हजार करोड़ रुपये पहुंचे हैं।

कांग्रेस की आदत गाली देना है

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, वो (कांग्रेस) नफरत से भरे हुए हैं। राहुल गांधी मोहब्बत की दुकान की बात करते हैं मगर उनके पार्टी के अध्यक्ष जहर उगल रहे हैं, वो जहरीले सांप की बात कर रहे हैं। इससे समझ में आता है कि राहुल गांधी किस तरफ जा रहे हैं और उनकी पार्टी किस तरफ जा रही है। राहुल गांधी कुछ ऐसा बोल रहे हैं जिसमें पार्टी विश्वास नहीं करती। कांग्रेस का आदत लोगों को गाली देना है, जिन्हें वो हरा नहीं सकते हैं।

खड़गे पर अपने घरेलू मैदान में कांग्रेस को जिताने का दबाव है

बेंगलुरू, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कर्नाटक विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी, खासकर कलबुर्गी और आसपास के इलाकों में जीत सुनिश्चित करने के लिए दबाव में हैं। एआईसीसी अध्यक्ष बनने के बाद अपने मूल राज्य में यह उनका पहला चुनाव है।

खड़गे के समक्ष पिछले लोकसभा चुनाव में मिली हार का बदला लेने का भी अवसर है। उन्हें बीजेपी उम्मीदवार उमेश जाधव ने 95,452 मतों के अंतर से हराया था।

हार ने दलित वर्ग से आने वाले दिग्गज कांग्रेसी नेता को बुरी तरह प्रभावित किया। ऐसे समय में, जब भाजपा कर्नाटक में एक प्रयोग मोड में है और लिंगायत नेतृत्व को अपमानित करने के आरोपों का सामना कर रही है, खड़गे हैदराबाद-कर्नाटक क्षेत्र के रूप में जाने जाने वाले कल्याण-कर्नाटक क्षेत्र में भगवा पार्टी को करारा झटका देने की रणनीति बना रहे हैं।

यह क्षेत्र में खड़गे के परिवार के लिए प्रतिष्ठा का विषय है। उनके पुत्र और पूर्व मंत्री प्रियांक खड़गे कलबुर्गी जिले के चित्तपुर आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस ने कोली समुदाय के एक प्रभावशाली नेता बाबूराव चिंचनासुर को भाजपा से अपनी पार्टी में लाने में कामयाबी हासिल की है, जो इस क्षेत्र में निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

चिंचनासुर ने 20 सीटों पर भाजपा को हराने का संकल्प लिया है।

>14

सिसोदिया को बेल न मिलने पर कपिल सिब्बल ने सवाल उठाए

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने शराब घोटाला मामले में जेल में बंद दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को बेल न मिलने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा, हाल ही में मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि जो हो रहा है, गलत हो रहा है। बेल न देने का क्या मतलब है? सुनवाई ही नहीं हो रही। आज ही सुप्रीम कोर्ट ने ऑर्डर किया है कि कम से कम उसे सुनो तो सही।

मनीष सिसोदिया के बेल मामले को लेकर कपिल सिब्बल ने आगे कहा कि, एक आदमी पर चार्जशीट फाइल हो गई तो आप उसे अंदर ही रखोगे? इसलिए ऐसा हो रहा है ताकि सरकार ही चल न सके। आपने सरकार के दोनों प्रमुख मंत्रियों को अंदर रखा है और कोई इन्वेस्टिगेशन होना नहीं है। अब आप उन्हें और कितने दिन अंदर रख सकोगे?

बता दें कि बीते शनिवार को मनीष सिसोदिया को न्यायिक हिरासत खत्म होने पर राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया था। जहां कोर्ट ने उनकी हिरासत को 8 मई तक के लिए बढ़ा दिया। ईडी के वकील ने कोर्ट में जानकारी देते इस दौरान बताया था कि सिसोदिया को 9 मार्च को गिरफ्तार किया था और 10 मार्च को रिमांड पर लिया था। तब से वे जेल में ही हैं और उन्हें बेल नहीं मिल पाई है। न्यायिक हिरासत बढ़ाई जाने पर सिसोदिया ने कहा कि मोदी जी जितनी साजिश कर लें, लेकिन केजरीवाल के काम को रोक नहीं पाएंगे दिल्ली में।

पीएम मोदी पर साधा निशाना :

वहीं इन सबके बीच कपिल सिब्बल ने कर्नाटक चुनाव पर दिए अपने बयान में कहा कि, मैं कहूंगा कांग्रेस जीतेगी तो आप बोलेंगे की मैं कांग्रेसी हूं। लेकिन, कर्नाटक में बीजेपी नहीं जीतेगी। उन्होंने कहा कि मैंने कांग्रेस छोड़ी हैं। लेकिन, मैं कांग्रेस की विचारधारा से जुड़ा हूं। इसके अलावा, चुनाव लड़ने के सवाल पर कपिल सिब्बल ने कहा कि मैं कभी चुनाव नही लड़ूंगा और मुझे कोई पद का लालच नहीं है। पीएम मोदी के मन की बात के 100वें एपिसोड पर वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि मोदी जी कभी महिलाओं के मन की बात भी सुन लें। इसके साथ ही पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने पहलवानों का समर्थन करते हुए ट्वीट कर कहा कि इंसाफ के सिपाही हम आपके साथ हैं।

क्या पीएम मोदी को दक्षिण भारत से भी चुनाव लड़ना चाहिए?

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा का चुनाव 10 मई को होगा, लेकिन इससे पहले सभी राजनीतिक पार्टियों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। ऐसे में अगर पीएम मोदी की बात करें तो पिछले चार महीने में प्रधानमंत्री मोदी ने आठ बार कर्नाटक का दौरा किया है। जिसका प्रमुख कारण दक्षिण के राज्यों पर बीजेपी को मजबूत करना है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लेकर सीवोटर द्वारा एक सर्वे किया गया है।

सर्वे में सवाल पूछा गया है, क्या पीएम मोदी को वाराणसी के साथ ही दक्षिण भारत से भी चुनाव लड़ना चाहिए? इस सवाल पर जनता के बीच जाकर सर्वे किया गया। जिसमें चौंकाने वाले नतीजे सामने आए। सर्वे में 48 प्रतिशत लोगों ने 'हां' में जवाब दिया। जबकि 33 प्रतिशत लोग ऐसे भी हैं, जिनका मानना है कि उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए।

महिलाएं नाइट शिफ्ट में ऑफिस में काम कर सकती हैं

दिल्ली श्रम मंत्रालय का आदेश, फैसले से दिक्कत हो तो 30 दिन में दर्ज कराएं आपत्ति

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में कामकाजी महिलाओं के लिए अच्छी खबर है। अब वे नाइट शिफ्ट में भी दफ्तर में काम कर सकती हैं। आप सरकार के श्रम मंत्रालय ने इससे जुड़े ड्रॉफ्ट पॉलिसी को मंजूरी दे दी है। हालांकि, आप सरकार में श्रम मंत्री राजकुमार आनंद ने यह भी स्पष्ट किया है कि दिल्लीवाले अगर फैसले से खुश नहीं हैं, तो 30 दिन के भीतर श्रम विभाग के पोर्टल पर इससे जुड़े सुझाव और आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। समीक्षा में कोई गंभीर आपत्ति नहीं मिलने पर नियम 30 दिन बाद लागू हो जाएगा।

श्रम मंत्रालय ने दिल्ली ऑक्युपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशन रूल्स-2023 यानी दिल्ली व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य से जुड़े हालात नियम-2023 के ड्रॉफ्ट पॉलिसी को मंजूरी दे दी है। इसके तहत, दिल्ली में महिलाएं अब नाइट शिफ्ट यानी शाम 7 बजे से सुबह के 6 बजे तक दफ्तर में काम कर सकेंगी।

कुछ और फैसले भी बेहद जरूरी

मंत्रालय की ओर से कर्मचारियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधा में सुधार के लिए एक और अहम फैसले को मंजूरी दी गई है। संस्थान में कर्मचारी अगर ओवर टाइम काम करता है, तो न्यूनतम मजदूरी के आधार पर प्रति घंटे की दर से दोगुना भुगतान प्राप्त करने का हकदार होगा। संस्थान को कर्मचारियों को ज्वाइनिंग और अनुभव प्रमाण पत्र देना अनिवार्य होगा। नियोक्ता कर्मचारियों को सैलरी स्लिप भी देंगे। प्रवासी श्रमिकों को वर्ष में एक बार यात्रा भत्ता देना होगा।

लंदन में होगी गहनों की सबसे बड़ी नीलामी

इसमें कोहिनूर से पुराना भारतीय हीरा शामिल, यहूदियों से जबरन खरीदे व्यापार पर बनाई थी संपत्ति

लंदन, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। लंदन के किंग स्ट्रीट पर सोमवार को एक बहुत बड़ा ऑक्शन यानी नीलामी होने वाली है। इनमें दुनिया के पुराने गहने बिकने के लिए रखे जाएंगे। ये नीलामी ब्रिटेन का ऑक्शन हाउस क्रिस्टीज करवाने वाला है।

रिपोर्ट के मुताबिक इस नीलामी में दुनिया का सबसे पुराना हीरा 'ब्रोलिटी ऑफ इंडिया' भी शामिल होगा। इसकी कीमत 63 करोड़ रुपये है। नीलामी से आए पैसों को सामाजिक कल्याण के कामों में लगाए जाने की बात कही जा रही है।

ऑस्ट्रिया की महिला के थे नीलाम होने वाले 700 गहने

लंदन में होने वाले इस ऑक्शन को दुनिया की सबसे बड़ी गहनों की बिक्री बताया जा रहा है। इसमें 700 गहने शामिल होंगे। ये गहने हीडी हॉर्टन नाम की एक ऑस्ट्रियन महिला के हैं। जिसकी मौत पिछले साल हो गई थी। हीडी के पति हेलमट हॉर्टन जर्मनी

के एक अरबपति थे। सारे गहने हीडी को उन्हीं से विरासत में मिले थे। हेलमट हॉर्टन पर आरोप हैं कि उन्होंने अपना बिजनेस सेकेंड वर्ल्ड वॉर के दौरान यहूदियों से जबरन खरीदे गए सामानों पर खड़ा किया था।

डेविड डे जोंग नाम के लेखन ने नाजी बिलेनियर्स पर लिखी अपनी किताब में बताया है कि सेकेंड वर्ल्ड वॉर के दौरान यूरोप में यहूदियों से जबरन उनके बिजनेस खरीदे गए थे। ये काम दो फेज में हुआ था। 1938 से पहले और उसके बाद में। दोनों में हेलमट हॉर्टन काफी एक्टिव थे। 1938 से पहले यहूदियों में डर पैदा कर उनके बिजनेस को खरीदा गया और बाद में उन्हें अपने बिजनेस बेचने के लिए मजबूर कर दिया गया था। यहूदी अपनी जान बचाने के लिए बेहद कम दामों में अपने व्यापार, दुकानें और सामान बेचकर जर्मनी छोड़कर चले गए थे।

ब्रिटिश वॉग के मुताबिक 90.8 कैरेट का 'ब्रोलिटी ऑफ इंडिया' हीरा कोहिनूर से भी पुराना माना जाता है। इसका पहला जिक्र 12वीं सदी में हुआ। इतिहासकारों के मुताबिक इसकी पहली मालिक 12वीं शताब्दी में फ्रांस की महारानी एलेनॉर ऑफ एक्वेनटेन को बताया जाता है। माना जाता है कि इस रंगहीन हीरे की उत्पत्ति आंध्र प्रदेश में हुई थी।

कई सालों तक गुमनाम रहने के बाद यह हीरा 1950 में उस वक्त सामने आया जब न्यूयॉर्क के हेनरी विन्सटन ने इसे भारत के किसी राजा से खरीदा। इसके बाद 1971 में इस हीरे को हेलमट हॉर्टन ने खरीद लिया था।

जगन्नाथ पुरी में हो क्या रहा है!

रत्न भंडार की चाबी गायब, फाइलें हो रहीं गुम, विपक्ष ने बनाया बड़ा मुद्दा

भुवनेश्वर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। ओडिशा के जगन्नाथ पुरी मंदिर में कई गतिविधियां संदिग्ध चल रही हैं और प्रशासन पर कई तरह के सवाल भी उठ रहे हैं। अभी तक रत्न भंडार की चाबी गायब का मुद्दा ठंडा भी नहीं पड़ा था, खबर है कि मंदिर की दो अहम फाइलें भी गायब हो गई हैं। कहां गईं, किसी को पता नहीं और तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। इस समय विपक्ष इस मुद्दे को लगातार उठा रहा है, इसी के जरिए पटनायक सरकार को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश है।

सबसे ज्यादा विवाद इस बात को लेकर है कि सरकार ने रत्न भंडार मामले में न्यायिक जांच के आदेश दिए थे। 324 पन्नों की एक विस्तृत रिपोर्ट भी पेश की गई, लेकिन सरकार ने आज तक सार्वजनिक नहीं किया। ऐसे में चाबी का क्या हुआ, वो अभी कहां है, कब तक रत्न भंडार खुल पाएगा, किसी को कोई अंदाजा नहीं। इस असमंजस की स्थिति ने ही विपक्ष को सरकार से ज्यादा खफा कर दिया है और नीयत पर ही सवाल उठने लगे हैं। अभी के लिए सामाजिक कार्यकर्ता दिलीप बराल ने एक हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की है, मांग की गई है कि इस मामले में राज्य सरकार अपना रुख स्पष्ट करे।

कोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिया है कि वो 10 जुलाई तक अपना जवाब दाखिल करें, उसके बाद ही आगे की सुनवाई की जाएगी। अब क्या सरकार जांच की उस रिपोर्ट को सार्वजनिक करती है या नहीं, इसे लेकर कुछ नहीं बताया गया है।

चंद्रमा की मिट्टी में ऑक्सीजन!

वॉशिंगटन, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा अपने आर्टमिस मिशन के जरिए अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर भेजने की तैयारी में है। इस मिशन के जरिए नासा का असली मकसद चंद्रमा की सतह पर अपनी दीर्घकालिक मौजूदगी बनाए रखना है। इस मकसद को वास्तविकता बनाए रखने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी ऑक्सीजन का निर्माण है। ऑक्सीजन का इस्तेमाल सांस लेने के अलावा ट्रांसपोर्टेशन के लिए प्रोपलैंट के रूप में भी किया जा सकता है। इससे चंद्रमा पर पहुंचने वाले अंतरिक्ष यात्रियों को लंबे समय तक रहने और आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

इस बीच हाल में ही एक परीक्षण के दौरान ह्यूस्टन में नासा के जॉनसन स्पेस सेंटर के वैज्ञानिकों ने सिमुलेटेड चंद्रमा की मिट्टी से सफलतापूर्वक ऑक्सीजन निकाली है। चंद्रमा की मिट्टी का अर्थ सतह को ढकने वाली सूक्ष्म सामग्री से है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब चंद्रमा की मिट्टी से ऑक्सीजन को एक निर्यात वातावरण में निकाला गया है। इस ऑक्सीजन की मात्रा इतनी है कि इससे चंद्रमा की सतह पर मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों की एक दिन की आवश्यकता को पूरा किया जा सकता है। इसके अलावा वहां मौजूद दूसरे संसाधनों के उपयोग में भी मदद कर सकता है। इसे इन-सीटू रिसोर्स यूटिलाइजेशन के नाम से जाना जाता है।

नासा की कार्बोथर्मल रिडक्शन डिमॉन्स्ट्रेशन (सीएआरडी) टीम ने डर्टी थर्मल वैक्यूम चैंबर नाम के 15 फुट गोलाई वाले एक स्पेशल गोलाकार चेंबर का इस्तेमाल करके चंद्रमा पर पाए जाने वाली परिस्थितियों का निर्माण किया। इस डर्टी चैंबर कहा जाता है, क्योंकि इसके अंदर अशुद्ध नमूनों का परीक्षण किया जाता सकता है। इसके अंदर का वातावरण चंद्रमा के जैसे होता है। टीम ने सोलर एनर्जी कंसनट्रेटर से गर्मी को सिमुलेट करने के लिए हाई पावर लेजर का इस्तेमाल किया और नासा के कोलोराडो के सिएरा स्पेस कार्पोरेशन द्वारा विकसित कार्बोथर्मल रिएक्टर के भीतर चंद्रमा की मिट्टी को पिघलाया।

कार्बोथर्मल रिएक्टर ऐसी जगह होती है जहां ऑक्सीजन को गर्म करने और निकालने की प्रक्रिया की जाती है। उच्च तापमान का उपयोग करके कार्बन मोनोऑक्साइड या डाइऑक्साइड का उत्पादन करके सौर पैनलों और स्टील जैसी वस्तुओं का उत्पादन करने के लिए पृथ्वी पर दशकों से कार्बोथर्मल रिडक्शन का उपयोग किया जाता है। मिट्टी के गर्म होने के बाद, टीम ने मास स्पेक्ट्रोमीटर ऑब्जर्विंग लूनर ऑपरेशंस नामक उपकरण का उपयोग करके कार्बन मोनोऑक्साइड का पता लगाया।

खाई में गिरी कार, तीन लोगों की मौत

रियासी/जम्मू, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में एक कार के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर जाने से उसमें सवार तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि कार सवार शनिवार रात रियासी कस्बे से कराघ की ओर जा रहे थे, तभी टोटे गांव पहुंचने पर चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिससे यह 100 मीटर से अधिक गहरी खाई में गिर गया। अधिकारी के मुताबिक, कार में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

संबलपुर हिंसा पर अफवाहें फैलाने को लेकर हिरासत में लिए गए 16 लोग रिहा

संबलपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। झारसुगुड़ा ओडिशा के संबलपुर शहर में इस महीने हनुमान जयंती की शोभायात्रा के दौरान हुई हिंसा के बाद सोशल मीडिया पर भड़काऊ संदेश फैलाने के आरोप में हिरासत में लिए गए 16 लोगों को रिहा कर दिया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इन लोगों को चेतावनी देने के बाद रिहा कर दिया गया है और इनसे शपथपत्र लिए गए हैं कि वे भविष्य में ऐसी गतिविधियों में शामिल नहीं होंगे। संबलपुर के पुलिस अधीक्षक बी गंगाधर ने शनिवार को पत्रकारों से कहा, "नफरत भरे संदेश साझा करते पाए गए लोगों से पूछताछ की गई तथा उन्हें आगाह किया गया।

मामूली विवाद में गोली मारकर महिला की हत्या

मुंबई, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। मानखुर्द में मामूली विवाद के चलते हुई फायरिंग की घटना में एक महिला की मौत हो गई। इस घटना के आरोपित सोनू सिंह और उसका बेटा आतिश सिंह फरार हैं। पुलिस उपायुक्त हेमराज सिंह राजपूत ने पत्रकारों को बताया कि मानखुर्द में पड़ोसियों के बीच हुए विवाद की वजह से दो लोगों ने शनिवार रात को फरजाना इरफान शेख पर फायरिंग की थी। पुलिस ने घायल महिला को अस्पताल में भर्ती करवाया, लेकिन रविवार को तडके महिला की मौत हो गई। इस घटना के आरोपित सोनू सिंह और उसका बेटा आतिश सिंह फरार हैं और उनकी तलाश की जा रही है।

पत्नी की हत्या कर किए लाश के दो टुकड़े

अगरतला, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। त्रिपुरा से एक हैरतअंगेज़ घटना सामने आई है। यहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या के बाद लाश के दो टुकड़े कर दिए। इसके बाद लाश के टुकड़ों को बैग में भरकर उसे जंगल में फेंक दिया। महिला की शिनाख्त तनुजा बेगम के रूप में हुआ है, जिसने 8 माह पहले कयेम मिया नामक व्यक्ति से शादी की थी। बताया जा रहा है कि शुक्रवार से वह लापता थी। घंटों की तलाश के बाद वह जिन्दा तो नहीं मिली, मगर उसका शव बरामद हुआ।

बंगाल पुलिस का कॉन्स्टेबल निकला लुटेरा

कोलकाता, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। बंगाल शहर में खुद को पुलिस बताकर एक कारोबारी से लूटपाट के मामले का खुलासा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक अपराधियों ने करीब 17 लाख रुपये लूट लिए थे। शिकायत मिलने के 48 घंटे के भीतर पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक की पहचान होने पर पुलिस की आंखें फटी की फटी रह गईं। पता चला है कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी का पूर्व बॉडीगार्ड था। आरोपी का नाम मोहम्मद शाहजहां है। उसकी उम्र 33 साल है। वह लंबे समय से डीजी के बॉडीगार्ड के तौर पर काम कर रहा है। कोलकाता डिटेक्टिव पुलिस की डकैती दमन शाखा ने आरोपी को सुबह अलीपुर गोपालनगर से गिरफ्तार किया।

गैस रिसाव से 11 लोगों की मौत के बाद अफरा-तफरी

लुधियाना, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब के जिला लुधियाना में ग्यासपुरा में सुबह गैस रिसाव होने की वजह से अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि शहर के ग्यास पूरा एरिया में सुआ रोड पर गैस रिसाव से 11 लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में 3 बच्चे भी शामिल बताए जा रहे हैं। वहीं चार लोगों का इलाज अस्पताल में जारी है। दमकल विभाग के अधिकारी और पुलिस के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और इलाके को सील कर दिया गया है। पुलिस ने यहां से आरती क्लीनिक और एक कन्या दुकान के लोगों को सिविल अस्पताल में पहुंचाया है। शहर के ग्यासपुर एरिया में सितारा सिनेमा के पास गैस रिसाव होने से कई लोग बेहोश हो गए थे। जिस कारण इलाके को सील कर दिया गया है। लोगों को आने-जाने से रोक दिया गया है। गैर रिसाव होने की वजह से कई लोग बेहोश हो गए। इस पूरे इलाके को सील करके जांच शुरू कर दी गई है। आसपास के घरों के लोग घरों में ही बेहोश हो गए हैं जिनको पुलिस तत्काल अस्पताल पहुंचा रही है।

11 लोगों की हुई मौत

बताया जा रहा है कि लुधियाना में ग्यासपुरा में सुबह गैस लीक होने से करीब 11 लोगों की मौत हो गई है। इस हादसे में 3 लोगों के मौत की पुष्टि स्वास्थ्य विभाग की ओर से कर दी गई है। पुलिस इलाके को सील करके लोगों को अस्पताल पहुंचा रही है। वहीं, एसपी ने गैस रिसाव के चलते पांच लोगों की मौत की पुष्टि कर दी है।

एसपी ने दी घटना पर जानकारी

इस पूरे मामले पर एसपी ने बताया कि कम से कम 5 लोगों की मौत की सूचना है। 5-6 लोग गैस रिसाव की वजह से बेहोश हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक बचाव दल को मौके पर बुलाया गया है। डॉक्टरों और एंबुलेंस की एक टीम को भी बुलाया गया है।

एसडीएम लुधियाना ने क्या कहा

लुधियाना गैस रिसाव मामले पर एसडीएम लुधियाना वेस्ट स्वाति ने जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से, यह एक गैस रिसाव का मामला है। एनडीआरएफ की टीम लोगों को निकालने के लिए मौके पर मौजूद है और बचाव अभियान चला रही है। इस घटना में 9 लोगों की मौत हो गई और 11 लोग गंभीर रुप से बीमार हैं।

लोगों को सांस लेने में हो रही दिक्कत

सूत्रों के अनुसार गैस रिसाव के 300 मीटर के एरिया में जो भी व्यक्ति जा रहा है, उसे सांस लेने में दिक्कत हो रही है। इस गैस रिसाव के चलते लोग वापस आ जा रहे हैं और उस इलाके में नहीं जा रहे हैं। पुलिस और सिविल प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं और वहां पर राहत कार्य किए जा रहे हैं। समाजसेवी संस्थाओं के एंबुलेंस भी मौके पर पहुंची हैं और बेहोश हुए लोगों को वहां से हटाने का प्रयास किया जा रहा है। लोगों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है।

सीएम मान ने जताया दुख

पंजाब के सीएम भगवंत मान ने लुधियाना में गैस रिसाव की घटना पर दुख जताया है। सीएम मान ने ट्वीट कर कहा लुधियाना के ग्यासपुरा इलाके में फैक्ट्री से गैस रिसाव की घटना बेहद दुखद है। पुलिस, सरकार और एनडीआरएफ की टीम मौके पर मौजूद है। हर संभव मदद की जा रही है।

गैस रिसाव के कारणों की हो रही है जांच

डिप्टी कमिश्नर सुरभि मलिक ने बताया है कि अभी तक यह कंफर्म नहीं हो पाया है कि गैस कहां से लीक हुई है। इसकी जांच की जा रही है। एनडीआरएफ, पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड व नगर निगम की टीमें जांच कर रही है। सीवरेज से सैंपल लेने के साथ-साथ आसपास के घरों में पड़े केमिकल की जांच की जा रही है। इसके अलावा आसपास के सीसीटीवी कैमरे चेक किए जा रहे हैं ताकि पता चल सके कि कहां पर क्या हुआ है।

भविष्य में स्पेस की सुरक्षा अहम

हमें चाहिए होगा वेपन सिस्टम, बोले आईएएफ चीफ

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। आने वाले दिनों में सेना की आमने-सामने की लाड़ई देखने को नहीं मिलेगी। बल्कि युद्ध का पूरा पैटर्न बदला हुआ देगा। एक्सपर्ट्स इस बात को लेकर पहले ही आगह कर चुके हैं आने वाला समय स्पेस वॉर का होगा। कई विकसित देशों ने इस तकनीक पर काम करना शुरु कर दिया है। वहीं भारतीय वायु सेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी ने बयान जारी कहा कि आने वाले समय भारत को लेटेस्ट वेपन की जरुरत होगी। आईएएफ चीफ ने बताया कि दुनिया के कई विकसित देश अंतरिक्ष डोमेन का प्रभावी ढंग से लागू करने मे लगे हुए है। उनके अनुसार चीन जैसे देश आईसीआर तकनीक यानी अंतरिक्ष के जारिए जवाबी हमले करने की तैयारी कर रहे है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि चीन अंतरिक्ष में तकनीक विकसित कर रहा है, जिसको देखकर अमेरिका भी डरा हुआ है।

भारत को 'एयरोस्पेस पावर' की दिशा में बढ़ना होगा

हाल में ही भारत के चीफ ऑफ डिफेंस ने चीन के अपने समकक्ष के साथ मुलाकात की थी। एक सेमिनार में एयर चीफ मार्शल चौधरी ने बताया कि भारत को मिशन शक्ति की दिशा में तेजी से बढ़ना चाहिए। बता दें कि एंटी-सैटेलाइट (ए-सैट) इंटरसेप्टर मिसाइल का प्रयोग माइक्रोसैट-आर उपग्रह को खत्म करने के लिए किया गया था। अमेरिका और फ्रांस का जिक्र करते हुए एयर चीफ मार्शल चौधरी ने कहा कि इंडियन एयर फोर्स को 'एयर पावर' से 'एयरोस्पेस पावर' की दिशा में बढ़ना होगा।चीन ने पिछले कुछ सालों में अपने सैटेलाइट की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी की है। उसके पास 700 से अधिक सैटेलाइन ऑपरेशनल हैं। वहीं आपकी जानकारी के लिए बता दें कि भारत ते पास कोई अपना एयरोस्पेस सिस्टम नहीं है।

सुबह-सुबह आया भूकंप, रिक्टर स्केल पर 4.0 रही तीव्रता

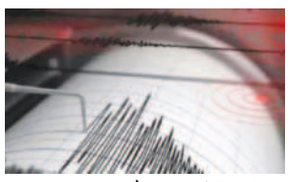

जम्मू, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। कश्मीर में आज फिर से सुबह सुबह धरती में हिली है। आज सुबह 5:15 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.1 मापी गई है। इस भूकंप का केंद्र जमीन से 5 किलो मीटर नीचे था। इससे पहले कल तड़के अफगानिस्तान में भी भूकंप आया था और इसकी भी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.0 मापी गई थी। अफगानिस्तान में भी कल धरती तड़के 2 बजकर 8 मिनट पर कांपी थी। अफगानिस्तान में आए इस भूंकप का केंद्र धरती से 210 किलोमीटर नीचे और फायजाबाद से 97 किलोमीटर साउथ-ईस्ट में था।

घाटी के इन इलाकों में रहा भूकंप का असर

जम्मू-कश्मीर में आज सुबह आए भूकंप के झटके बंदीपुरा, सोपोर, बारामूला और गांदरबल के इलाकों में महसूस किया गया। वहीं इससे पहले प्रशांत महासागर के एक दूरस्थ हिस्से में सोमवार को 7.1 तीव्रता का भूकंप आया था, लेकिन सुनामी का कोई खतरा नहीं था। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप न्यूजीलैंड के उत्तरी द्वीप से करीब 900 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में केर्माडेक द्वीप के पास 49 किलोमीटर की गहराई पर आया था।

असम में भी आए थे भूकंप के झटके

वहीं गुवाहाटी सहित असम के कुछ हिस्सों में भी 17 अप्रैल को दोपहर 3.7 तीव्रता का भूकंप आया था। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की वेबसाइट के मुताबिक, झटका शाम 4 बजकर 52 मिनट पर महसूस किया गया। भूकंप का केंद्र कामरूप जिले में था और यह 10 किमी की गहराई में था। असम के सबसे बड़े शहर गुवाहाटी सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। पूर्वोत्तर उच्च भूकंपीय क्षेत्र में आता है, जिससे इस इलाके में अक्सर भूकंप आते हैं।

रेवाड़ी में पुलिस और किडनैपर्स के बीच मुठभेड़

फायरिंग में पेट्रोल पंप कर्मी को लगी गोली, हालत गंभीर

रेवाड़ी, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के रेवाड़ी में पुलिस और किडनैपर्स के बीच आपसी मुठभेड़ हो गई है। दरअसल, रेवाड़ी के तेजू खेड़ा बॉर्डर पर सुबह करीब 4:00 बजे स्कॉर्पियो सवार किडनैपर्स ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी जिसके बाद पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। इस फायरिंग में एक पेट्रोल पंप के कैशियर को गोली लग गई। जिसके बाद उसे हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। वहीं पुलिस ने पेट्रोल पंप के पास किडनैपर्स को राउंडअप किया, लेकिन वो भागने में कामयाब हो गए। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी डीवीआर को अपने कब्जे में ले लिया।

महाराष्ट्र में इमारत गिरी : चार शव बरामद

ठाणे, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में ठाणे जिले के भिवंडी शहर में ढही दो मंजिला इमारत के मलबे से रविवार को एक और व्यक्ति का शव बरामद किया गया, जिससे इस घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। ठाणे महानगरपालिका (टीएमसी) के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ (आरडीएमसी) के प्रमुख अविनाश सावंत ने बताया कि अब भी 15 लोगों के फंसे होने की आशंका है। अधिकारियों ने बताया कि वलपाड़ा स्थित वर्धमान कंपाउंड में शनिवार अपराह्न करीब पौने दो बजे इमारत के ढहने से 12 लोग घायल हो गए हैं। सावंत ने बताया कि इमारत के भूतल और पहली मंजिल पर गोदाम थे, जबकि ऊपरी मंजिल पर चार परिवार रहते थे। जब ढांचा गिरा तो कुछ मजदूर भूतल पर मौजूद थे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम एवं दमकलकर्मियों समेत विभिन्न एजेंसी के कर्मी बचाव अभियान में जुटे हैं। सावंत ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि रविवार सुबह करीब साढ़े दस बजे एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम ने मलबे से एक व्यक्ति का शव बरामद किया, जिसकी उम्र 35 साल से 40 साल के बीच बताई जा रही है। नारपोली पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक मदन बल्लाल ने बताया कि इससे पहले सुनील पीसा (38) नाम के एक व्यक्ति को रविवार सुबह करीब आठ बजे मलबे से निकाला गया और उसे भिवंडी के इंदिरा गांधी मेमोरियल (आईजीएम) अस्पताल ले जाया गया।

मेरे आसपास इतनी सारी बंदूकें हैं

जान से मारने की धमकी पर सलमान खान

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान जो गैंगस्टर की टारगेट पर हैं और जिन्हें जान से मारने की धमकी मिल रही है ने आखिरकार बताया कि वो कैसे इन सारी चीजों से निपट रहे हैं। 'टाइगर जिंदा है' के अभिनेता को मुंबई पुलिस ने जान के खतरे के कारण वाई प्लस सिक्योरिटी दी है। आप की अदालत कार्यक्रम में अपना अनुभव साझा करते हुए अभिनेता ने कहा कि असुरक्षा से सुरक्षा बेहतर है। मुझे सुरक्षा दी गई है। अब सड़क पर साइकिल चलाना या अकेले कहीं जाना संभव नहीं है। इन सब से भी अधिक अब मुझे ये दिक्कत है कि जब मैं ट्रैफिक में होता हूं तो वहां बहुत ज्यादा सिक्योरिटी होती है। सुरक्षा गार्डों की गाड़ियों के कारण आम लोगों को दिक्कत होती है। वो लोग मुझे लुक भी

देते हैं। पर मेरे प्यारे फैन्स, बहुत गंभीर खतरा है, इसलिए सिक्योरिटी दी गई है। उन्होंने आगे कहा कि मैं वही कर रहा हूं जो करने के लिए कहा गया है। 'किसी का भाई, किसी की जान' सिनेमा में एक डॉयलोग है कि 'उन्हें 100 बार लकी बनना है, मुझे एक बार लकी बनना है' मतलब उन्हें सौ बार भाग्यशाली होने की जरूरत है, मुझे केवल एक बार भाग्यशाली होने की जरूरत है। सलमान ने कहा कि मैं सभी जगह पूरी सुरक्षा के साथ जाता हूं। लेकिन मैं ये भी जानता हूं कि जो होना है वो तो हो कर ही रहेगा, चाहे आप कुछ भी कर लो। लेकिन ऐसा नहीं है कि मैं बिना सुरक्षा के घूमने लगूंगा, ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। मेरे आस पास आज कल बहुत सारे शेरा हैं। मैं इतने सारे बंदूकों से घिरा रहता हूं कि कभी-कभी मुझे खुद भी डर लगता है। अभिनेता को जान से मारने की धमकी मिलने के बाद कुछ दिनों पहले मुंबई पुलिस ने एक नाबालिग को कथित तौर पर धमकी देने के आरोप में हिरासत में लिया था। इस संबंध में पुलिस ने कहा था कि 10 अप्रैल को मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में धमकी भरा कॉल किया गया था। कॉलर, जिसने खुद को राजस्थान के जोधपुर से रॉकी भाई बताया, ने कहा कि वह एक गौ रक्षक (गौ-रक्षक) है। कॉलर ने 30 अप्रैल को सलमान खान को खत्म करने की धमकी दी थी।

एटीएस ने मारा छापा गिरफ्तारी से बचने के लिए 5वीं मंजिल से कूदा युवक, मौत

मुंबई, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे में सनसनीखेज घटना सामने आई है। आतंकवाद-रोधी दस्ते और ठाणे पुलिस ने भिवंडी में एक फर्जी टेलीफोन एक्सचेंज पर छापा मारा। इसे एक इमारत की पांचवी मंजिल पर चलाया जा रहा था। एटीएस के अधिकारियों ने जैसे ही यहां रेड की, हड़कंप मच गया। एक शख्स अधिकारियों को देख बिल्डिंग की पांचवीं मंजिल से कूद गया और उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि फर्जी टेलीफोन एक्सचेंज चलाने के आरोप में पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में लिया है। अधिकारियों के मुताबिक, उन्हें सूचना मिली थी कि गौरी पाडा में एक बिल्डिंग में इस तरीके का काम किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि पुलिस से बचने के लिए युवक ने ऐसा आत्मघाती कदम उठाया। उसके शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

अनुब्रत मंडल की बेटी को नहीं मिली जमानत

14 दिनों की न्यायिक हिरासत

कोलकाता, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। गौ तस्करी मामले में दिल्ली में ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) के कार्यालय में पूछताछ के दौरान टीएमसी नेता अनुब्रत मंडल की बेटी सुकन्या मंडल को गिरफ्तार किया था। रविवार को उसे राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। न्यायाधीश नरेश कुमार लाका ने सुकन्या मंडल को 14 दिन जेल में बिताने का आदेश दिया। उसे 12 मई को फिर से राउज कोर्ट में पेश किया जाएगा। ईडी सूत्रों के मुताबिक सुकन्या मंडल को आज तिहाड़ जेल भेजा जा सकता है। सुकन्या मंडल तिहाड़ के महिला सेल नंबर छह में रहेंगी। उनके पिता अनुब्रत मंडल उनके बगल वाली कोठरी में हैं। यानी सेल नंबर सात में हैं। उन्हें इसके पहले गिरफ्तार किया गया था।

सुकन्या मंडल ने पिता अनुब्रत मंडल से बातचीत की लगाई गुहार

स दिन सुकन्या मंडल के वकील ने जज से अपील की कि उसे कम से कम दस मिनट के लिए अपने पिता और सहेली सुतपा पॉल से बात करने की अनुमति दी जाए। ईडी ने बताया कि अगर तिहाड़ जेल के अधिकारी अनुमति देते हैं तो उन्हें इस मामले में कोई आपत्ति नहीं है। दरअसल, सुकन्या मंडल कल पूछताछ के दौरान ईडी अधिकारियों के सामने रो पड़ी थीं। उन्होंने बार-बार कहा कि उन्हें फंसाया जा रहा है। गाय तस्करी मामले में उसके नाम पर कंपनियां और संपत्तियां बनाई गई थी। वह इसके बारे में कुछ नहीं जानती है। उसने कुछ नहीं किया। वह मानसिक रूप से परेशान है।

गिरफ्तार होने पर फूट-फूटकर रो पड़ी थी सुकन्या मंडल

यहां तक कि वह अपनी सहेली से बात करना चाहती थी। उसने कहा कि वह आवेदन करेगी। गौरतलब है कि जिस दिन सुकन्या मंडल को गिरफ्तार किया गया था, उस दिन उसकी सहेली सुतपा उसे कपड़े देने आई थी। उस वक्त उन्होंने फूट-फूट कर रोते हुए कहा था कि अगर उन्हें भी गिरफ्तार किया जाता है तो कम से कम वे साथ तो हो सकते हैं। उसके बाद आज सुकन्या मंडल के वकील ने कोर्ट में अर्जी दी ताकि उसका मुवक्किल अपनी सहेली से बात कर सके। ईडी सूत्रों के मुताबिक, ईडी सुकन्या मंडल को दोबारा हिरासत में नहीं लेना चाहती थी। बंगाल गाय तस्करी के मामले में टीएमसी के नेता अनुब्रत मंडल की तरह बेटी सुकन्या मंडल भी फिलहाल तिहाड़ जेल में ही रहेंगी। उगौ तस्करी मामले में आरोपी सुकन्या मंडल को रविवार को वर्चुअल मोड के जरिए दिल्ली की एक अदालत में पेश किया गया।

अवैध संबंध के चलते युवक की हत्या, पेट-सीने और सिर पर तलवार से किए आठ से ज्यादा वार

झाबुआ, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। मप्र के झाबुआ जिले में काकनवानी थाना एरिया से प्रेम-प्रसंग के चलते हत्या का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि अवैध संबंध के चलते एक युवक की हत्या की गई है। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए बताया, मृतक नान्तु और आरोपी दीतमल का किसी लेनदेन को लेकर कुछ पैसा बकाया था। इस वजह से अक्सर नान्तु का ग्राम आमली से दितमल के यहां ग्राम छोटी थेथम आया करता था। पुलिस के मुताबिक, नान्तु के अवैध संबंध दितमल की पत्नी से हो चुके थे, जिसका पता दितमल को चल गया था। उसके बाद आरोपी दीतमल ने पत्नी के साथ मिलकर रात दो बजे योजनाबद्ध तरीके से नान्तु भूरिया उम्र 37 साल निवासी आमली को मोटर साइकिल पर ड्रॉप करने के बहाने अपने घर छोटी थेथम ले गया। पेट, सीने और सिर पर तलवार से आठ से ज्यादा वार पति-पत्नी ने मिलकर किए, जिससे नान्तु की मौके पर ही मौत हो गई।

रोकी गई चारधाम यात्रा, केदारनाथ-बद्रीनाथ में भारी बर्फबारी

रुद्रप्रयाग, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तराखंड में एक ओर मौसम की मनमर्जियां जारी हैं तो दूसरी ओर चारधाम यात्रा पर आए श्रद्धालुओं के लिए मौसम बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। धाम में लगातार बर्फबारी हो रही है। बर्फबारी की वजह से धाम में शाम को तापमान माइनस तीन डिग्री तक पहुंच जा रहा है। जिस कारण पैदल मार्ग और धाम में श्रद्धालुओं को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। केदारनाथ और बद्रीनाथ में खराब मौसम के चलते चारधाम यात्रा रोक दी गई है। श्रीनगर पुलिस ने कहा कि श्रीनगर में ठहरने के पुख्ता इंतजाम हैं, यात्रियों को किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। यात्रियों से अपील की गई है कि मौसम ठीक होते ही अपनी यात्रा शुरू कर दें। वहीं, आपको बता दें कि मौसम विभाग ने भी आगामी 3 मई तक चारधाम में बर्फबारी की चेतावनी जारी की है। रुद्रप्रयाग पुलिस-प्रशासन ने भी लोगों से अपील है कि वो मौसम का मिजाज देखकर ही आगे बढ़ें। बाबा केदार के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं से सरकार ने निवेदन किया है कि वो एक मई के बाद का ही अपना रजिस्ट्रेशन कराएं क्योंकि एक मई के लिए करीब 30 हजार लोगों ने बाबा केदार के दर्शन करने के लिए अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। बर्फ से ढका बद्रीनाथ धाम बर्फबारी के बाद केदारनाथ धाम में लगातार तापमान में गिरावट देखी जा रही है, जिससे यहां पर ठंड काफी बढ़ गई है, जिसका असर बुजुर्ग तीर्थयात्रियों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। केदारनाथ धाम में अभी तक चार लोगों की मौत हो चुकी है। इन तीर्थयात्रियों की मौत का कारण ठंड और ऑक्सीजन की कमी के कारण हार्टअटैक आना ही बताया जा रहा है। शाम के समय तो तापमान माइनस 3 डिग्री तक पहुंच रहा है। ऐसे में यात्रियों को कहीं न कहीं दिक्कतें हो रही हैं। अभी तक दो हजार से अधिक यात्रियों का ट्रीटमेंट किया गया है। रुद्रप्रयाग पुलिस अधीक्षक डॉ विशाखा भदाणे ने कहा कि मौसम को देखते हुए यात्रा का संचालन किया जा रहा है। सोनप्रयाग में रजिस्ट्रेशन चेक करने के बाद यात्रियों को आगे भेजा जा रहा है। सुबह चार बजे से गौरीकुंड बैरियर यात्रियों के लिए केदारनाथ धाम जाने के लिए खोला जा रहा है। जिला प्रशासन के मुताबिक बीते पांच दिनों में 70 हजार से ज्यादा तीर्थयात्री बाबा केदार के दर्शन कर चुके है। वहीं यात्रियों की भीड़ के कारण सोनप्रयाग में लंबा जाम लग जा रहा है। धाम में मौसम खराब होने के कारण तीर्थयात्रियों को सुबह 10 बजे तक ही सोनप्रयाग से आगे के लिए भेजा जा रहा है। आपको बता दें कि सोनप्रयाग से ही यात्रियों को शटल सेवा के जरिये गौरीकुंड के लिए भेजा जा रहा है। गौरीकुंड से ही केदारनाथ धाम के लिए 16 किमी की लंबी खड़ी चढ़ाई शुरू होती है। सोनप्रयाग और गौरीकुंड बैरियर सुबह चार बजे खोले जा रहे हैं। गौरीकुंड बैरियर को इन दिनों मौसम खराब होने के कारण दोपहर 12 बजे बंद किया जा रहा है। धाम जाने वाले यात्रियों को सुबह दस बजे से पहले सोनप्रयाग पहुंचकर अपना रजिस्ट्रेशन चेक करवाकर आगे की यात्रा करनी होगी। यदि मौसम खराब रहता है और यात्री दस बजे बाद सोनप्रयाग पहुंचते हैं तो उन्हें यात्रा करने के लिए एक दिन का इंतजार और करना पड़ सकता है।

कर्नाटक में 'वोट फ्रॉम होम' की शुरुआत

मंगलुरु, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक में करीब एक हफ्ते के बाद होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियां सभी पार्टियों के साथ-साथ निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की ओर से भी की जा रही है. कर्नाटक में पहली बार वोट-फ्रॉम-होम के ऑप्शन की घोषणा करने के बाद चुनाव आयोग ने रविवार (30 अप्रैल) से इस अभियान की शुरूआत कर दी है. चुनाव आयोग ने राज्य भर में 80 से अधिक उम्र के बुजुर्गों को और विशेष रूप से दिव्यांग लोगों के लिए अपने घर पर रहकर मतदान करने की व्यवस्था की है. चुनाव आयोग और मतदान एजेंटों की 5 सदस्यीय टीम उनके घर का दौरा करेगी और उनसे मतदान करवाएगी.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 1 मई, 2023 3

सु वि चा र

दुःख आता है तो अटक जाते हैं लोग,
सुख आता है तो भटक जाते हैं लोग!

मंदिर की तर्ज पर बनाए गए नए सचिवालय के गुंबद : तेलंगाना सरकार

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा प्रमुख की टिप्पणियों से उपजे विवाद के बीच, राज्य सरकार ने कहा है कि तेलंगाना राज्य के नए सचिवालय भवन के गुंबद गुजरात के सारंगपुर में हनुमान मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों की तर्ज पर बनाए गए हैं। गुंबदों को निजामाबाद, गोपुरम में काकतीय काल के नीलकंठेश्वर स्वामी मंदिर मंदिर की शैली और वनपर्ती संस्थानम (रियासत राज्य) के राजप्रसादों के डिजाइन और सारंगपुर, गुजरात में हनुमान मंदिर के पैटर्न पर बनाया गया है। विपक्षी भाजपा के इस आरोप के मद्देनजर यह स्पष्टीकरण महत्वपूर्ण है कि नया राज्य सचिवालय भवन निज़ामों की संस्कृति को दर्शाता है। राज्य भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आगामी चुनावों में भाजपा के सत्ता में आने पर गुंबदों को ध्वस्त करने की धमकी तक दे दी है। विवादित बयान देने के लिए चर्चित संजय ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री केसीआर ने एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी को खुश करने के लिए सचिवालय को ताजमहल जैसा मकबरा बना दिया। उन्होंने कहा था कि अगर बीजेपी सत्ता में आती है, तो वह राज्य में निजाम की संस्कृति के प्रतीकों को नष्ट कर देगी। हम राज्य सचिवालय में बदलाव करेंगे, ताकि यह भारतीय और तेलंगाना संस्कृति को प्रतिबिंबित करे। संजय ने शनिवार को यह भी कहा कि अगर तेलंगाना में भाजपा सत्ता में आती है तो नए सचिवालय से प्रशासन काम नहीं करेगा, क्योंकि यह भवन भारतीय संस्कृति को प्रतिबिंबित नहीं करता है। नया सचिवालय, जिसे रविवार को खोला गया है, में 34 गुंबद हैं जो एक विशेष आकर्षण के रूप में सामने आते हैं। अधिकारियों के मुताबिक चार तरह के गुंबद बनाए गए हैं। 'ए' प्रकार के गुंबद 23.6 फीट व्यास के हैं, 'बी' प्रकार के गुंबद 31 फीट, 'सी' प्रकार के गुंबद 21.6 फीट और 'डी' प्रकार के गुंबद हैं जो सबसे बड़े 54.8 फीट व्यास के हैं। ऐसा अनुमान है कि इन गुंबदों के निर्माण में 90 टन तक लोहे का उपयोग किया गया है। मुख्य भवन में ताजमहल और गुलबर्गा गुम्बज की तर्ज पर दो 'बाहुबली' गुंबद बने हैं। अधिकारियों का कहना है कि 34 गुंबद और दो बड़े गुंबदों पर राष्ट्रीय प्रतीक सिंह की आकृति नए सचिवालय का ताज है। 165 फीट की ऊंचाई पर मुख्य गुंबद सचिवालय के आगे और पीछे की तरफ बने हैं। यह पहली बार है जब मुख्य रूप से सरकारी भवनों में आधुनिक संरचनाओं में इतने विशाल गुंबद बनाए गए हैं। मुख्य गुंबदों में से प्रत्येक 82 फीट ऊंचा (लगभग आठ मंजिला) और 52 फीट व्यास का है। ये सचिवालय के मुख्य आकर्षण हैं और भवन के पूर्व और पश्चिम की ओर स्थित हैं। मुख्य गुम्बदों के आंतरिक भाग को स्काई लाउंज की शैली में डिज़ाइन किया गया है। यह अपनी चौड़ी खिड़कियों से आसपास के शहर का दृश्य प्रस्तुत करता है। इन गुंबदों के क्षेत्र को वीआईपी जोन के रूप में डिजाइन किया गया है जहां मुख्यमंत्री महत्वपूर्ण बैठकें करते हैं।

खम्मम यात्रा के दौरान बीमार पड़ी वाईएस शर्मिला

खम्मम, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरटीपी की सुप्रीमो और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी की बहन वाईएस शर्मिला तेलंगाना के खम्मम जिले में भारी बारिश से हुए नुकसान का जायजा लेने के दौरान बीमार पड़ गईं। घटना कोनिजेरला मंडल के तनिकेला गांव में रविवार को हुई। शर्मिला का दौरा फसल के नुकसान का निरीक्षण करने पर केंद्रित था, जिसने इस क्षेत्र के किसानों को बुरी तरह प्रभावित किया है। किसानों से बातचीत के दौरान वह अचानक गिर पड़ी और बेचैनी की शिकायत करने लगी। हालांकि, स्थानीय लोगों की त्वरित कार्रवाई से शर्मिला को इस घटना से उबरने में मदद मिली। ऐसा माना जाता है कि वह लू लगने के कारण बीमार पड़ गई है।

'मन की बात' ने एक क्रांति पैदा की : तमिलिसाई

हैदराबाद, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। तेलंगाना की राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडिया कार्यक्रम 'मन की बात' ने क्रांति पैदा की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में आम लोगों की आवाज और समाज की बेहतरी के लिए काम करने वाले गुमनाम नायकों का उल्लेख किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने 'मन की बात' कार्यक्रम के 100वें एपिसोड को संबोधित किया। इसके बाद कर्नाटक सीएम बसवराज बोम्मई ने टिप्पणी की कि 'मन की बात' कार्यक्रम देश की भावनाओं की अभिव्यक्ति का एक मंच है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि उनका मासिक रेडियो प्रसारण 'मन की बात' देश के लोगों के लिए अच्छाई और सकारात्मकता का अनूठा पर्व बन गया है। अपने मासिक रेडियो प्रसारण के 100वें एपिसोड में पीएम मोदी ने कहा, दोस्तों, 3 अक्टूबर, 2014 (जिस दिन पहला एपिसोड प्रसारित हुआ था) विजयादशमी का त्योहार था और हम सबने मिलकर उस दिन 'मन की बात' की यात्रा शुरू की थी। पीएम मोदी ने कहा, आज 'मन की बात' का सौवां एपिसोड है। आप सभी के हजारों पत्र मिले, लाखों संदेश मिले और मैंने पढ़ने की कोशिश की है, संदेशों को समझने की कोशिश की है।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि चाहे शिक्षा की बात हो या संस्कृति की, चाहे उसके संरक्षण की बात हो या उसके प्रचार-प्रसार की, यह भारत की प्राचीन परंपरा रही है। देश आज इस दिशा में जो काम कर रहा है वह वाकई काबिले तारीफ है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति हो या क्षेत्रीय भाषा में पढ़ाई का विकल्प, चाहे शिक्षा में तकनीकी एकीकरण, ऐसे कई प्रयास आपने देखे होंगे। वर्षों पहले शुरू किए गए कार्यक्रम 'गुणोत्सव और शाला प्रवेशोत्सव' गुजरात में बेहतर शिक्षा प्रदान करने और स्कूल छोड़ने वालों की दर को कम करने के लिए जनभागीदारी का एक अद्भुत उदाहरण बन गया था।

मोदी ने कहा कि कार्यक्रम के माध्यम से उन्होंने कई ऐसे लोगों के प्रयासों को उजागर करने का प्रयास किया है, जो निःस्वार्थ भाव से शिक्षा के लिए काम कर रहे हैं। भारत के सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करने में 'मन की बात' एक माला में धागे की तरह है।

नये सचिवालय के शुभारंभ के बाद पूजा-अर्चना कर मंत्रियों ने अपने-अपने कार्यालयों में प्रदेश किया तथा पद्भार ग्रहण किया। चित्र में वित्तमंत्री टी. हरीश राव, मंत्री तलसानी श्रीनिवास, इंद्रकरण रेड्डी, एस. निरंजन रेड्डी, सत्यवती राठौड़ शामिल हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने राज्य की मुख्य सचिव शांतिकुमारी को उनके नये कार्यालय में पद पर आसीन किया।

एमपी वेंकट ने सीएम केसीआर से रोजाना सचिवालय आने और ड्यूटी करने की मांग की

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव द्वारा रविवार को राज्य सचिवालय भवन के उद्घाटन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, कांग्रेस सांसद कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अब सीएम प्रतिदिन सचिवालय आयेंगे और अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। वेंकट रेड्डी ने मोत्कुर मंडल के तहत कोंडागडापा गांव का दौरा करने के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री, जिन्होंने घोषणा की थी कि 1000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से नए सचिवालय भवन का निर्माण किया जाएगा, उन्होंने 3,000 करोड़ रुपये खर्च किए। उन्होंने डबल बेडरूम हाउस, रिक्त सरकारी पदों को भरने और राज्य के बेरोजगार युवाओं को भत्ता देने जैसे अपने वादों को पूरा करने में विफल रहने के लिए भी मुख्यमंत्री की आलोचना की।

नगर में मौसम की धोखाधड़ी

आषाढ सी बारिश से लोग त्रस्त

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गर्म और उमस भरे अप्रैल के लिए जाना जाने वाला हैदराबाद इस बार अलग-अलग अनुपात में बारिश का अनुभव कर रहा है। इस धोखाधड़ी वाले मौसम में बारिश गर्मियों की तुलना में आषाढ के मौसम के अधिक समान हो रही है। हाल ही की बारिश से पूरा शहर त्रस्त हो गया है। शनिवार रात को हैदराबाद सहित राज्य के कई स्थानों पर हुई तेज वर्षा ने सड़कों पर बाढ ला दी।

इससे कई वाहन बह गये, जिन्हें आज सुबह जीएचएमसी कर्मियों को मिले। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक, हैदराबाद में सामान्य 20.9 मिमी की तुलना में 94 मिमी बारिश हो चुकी है। मौसम विभाग इस अचानक हुई बारिश के लिए पश्चिमी विक्षोभ को जिम्मेदार ठहरा रहा है, यह मौसम की एक घटना है जो भूमध्यसागरीय क्षेत्र से नमी से भरी हवाएं लाती है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि हमने पिछले कुछ वर्षों में इस तरह की बारिश नहीं देखी है। पिछले साल, अप्रैल में केवल कुछ बारिश हुई थी, औसत बारिश केवल 6.2 मिमी थी। रविवार को रात्रि में हुई भयंकर बरसात छुट्टी की मौजमस्ती करने बाहर गये लोगों व जोडियों के लिए भारी पड़ी। कड़कती बिजली से भी भाश्री नुकसान की खबर है। मिली जानकारी के अनुसार हैदराबाद में आखिरी बार भारी बारिश अप्रैल 2015 में हुई थी जब औसत बारिश 97.4 मिमी थी। उसके बाद हर साल हल्की से मध्यम बारिश होती रही। शहर के लिए औसत अप्रैल बारिश के दिन आमतौर पर केवल दो होते हैं, लेकिन इस साल कुल आठ बारिश के दिन देखे गए हैं। लोगों का कहना है कि शहर अप्रैल के आखिरी दिन अधिक बारिश की तैयारी कर रहा है। आईएमडी ने नागरिकों को सुरक्षित रहने और भारी बारिश में बाहर निकलने से बचने की चेतावनी जारी की है।

सचिवालय का नाम अंबेडकर के नाम रखने पर सीएम की सराहना

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रैक्टिसिंग बुद्धिस्ट सोसाइटी ने शहर में बीआर अंबेडकर की 125 फीट की प्रतिमा स्थापित करने और भारतीय संविधान के जनक के नाम पर नए सचिवालय का नामकरण करने के लिए मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की सराहना की।

समाज सचिव केआर रावत ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि स्वतंत्रता सेनानी के नाम पर नए सचिवालय का नामकरण करने के लिए समाज उन्हें धन्यवाद देता है। उन्होंने कहा कि 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती समारोह के हिस्से के रूप में डॉ बीआर अंबेडकरकी 125 फीट की प्रतिमा स्थापित करना एक बड़ी उपलब्धि है।

रावत ने कहा कि ये पहल अंबेडकर विचारधाराओं का पालन करने वाले लोगों को और भी खुश करती हैं। उन्होंने कहा कि अभ्यासरत बौद्ध समाज भगवान बुद्ध से प्रार्थना करता है कि वे आपको अच्छे स्वास्थ्य और ऊर्जा का आशीर्वाद दें ताकि आप इस तरह के अनूठे कार्यक्रम शुरू कर सकें और तेलंगाना के लोगों के कल्याण के लिए और अधिक काम कर सकें।

पंचायत सचिवों की हड़ताल जारी

मंचेरियल, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कनिष्ठ पंचायत सचिवों और आउटसोर्स पंचायत सचिवों द्वारा अपनी नौकरियों को नियमित करने की मांग को लेकर शुरू की गई अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी है। सचिवों में से एक राकेश ने कहा कि उन्हें चार साल पहले नियुक्त किया गया था, लेकिन उनके पदों को अभी तक नियमित नहीं किया गया है। एक अन्य सचिव, प्रतिभा ने खेद व्यक्त किया कि नौकरियों के नियमितीकरण में देरी के कारण वे सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे थे और तुलनात्मक रूप से कम वेतन प्राप्त करके कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। आंदोलनकारी सचिवों ने अपने पदों को तुरंत नियमित करने और सेवा में 4 साल की परिवीक्षा अवधि पर विचार करने की मांग की।

पुलिस ने महबूबाबाद में कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन चलाया

महबूबाबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने रविवार को कस्बे के सुदरैया नगर में घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया। पुलिस ने 15 वाहनों को बिना वैध कागजात के पाया और जुर्माना लगाकर उन्हें छोड़ दिया। उन्होंने बिना अनुमति के शराब बेचने के दो मामले भी दर्ज किए और 30,000 रुपये की भारतीय निर्मित शराब जब्त की। पुलिस ने अवैध शराब का भी मामला दर्ज किया है। सुबह डीएसपी के नेतृत्व में दो सीआई, छह एसआई और 35 पुलिस कर्मियों ने तलाशी अभियान में हिस्सा लिया। पुलिस ने भी हेलमेट पहनने और साइबर क्राइम पर सतर्क रहने पर जोर दिया है। स्थानीय लोगों से भी सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए आगे आने का आग्रह किया।

कोयला टिपर की आरटीसी बस से टक्कर में 40 यात्री घायल

कोत्तागुडेम, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के चुंचुपल्ली मंडल के आनंदखानी इलाके में रविवार को एक तेज रफ्तार कोयला टिपर ने आरटीसी बस को टक्कर मार दी, जिससे कम से कम 40 यात्री घायल हो गए, जिनमें से चार गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना तब हुई जब भद्राचलम डिपो की आरटीसी बस भद्राचलम से आंध्र प्रदेश के गुंटूर जा रही थी। बस में 51 यात्री सवार थे। रुद्रमपुर कोल हैंडलिंग प्लेट से मेन रोड पर आ रहे कोल टिप्पर ने बस को साइड में टक्कर मार दी, जिससे वह पलट गई और बायीं ओर जा गिरी। इस घटना में बस के शीशे, खिड़कियां और अन्य हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए। घायलों को इलाज के लिए कोठागुडेमके सरकारी जिला अस्पताल में भेज दिया गया। घटना को लेकर टू टाउन थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

जीएचएमसी की डीआरएफ टीमों ने नालों से 19 बाइकें बरामद कीं

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आपदा प्रतिक्रिया बल (डीआरएफ) की टीमें, जो शनिवार की तड़के शहर में हुई भारी बारिश के बाद कार्रवाई में जुट गईं, उन्होंने 19 बाइकें बरामद कीं, जो शहर के नालों में बह गई थीं।

जैसे ही शहर में तेज़ हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश हुई, डीआरएफ ने उन क्षेत्रों में राहत उपाय शुरू कर दिए जो बाढ़ से प्रभावित थे और शहर के विभिन्न हिस्सों में बारिश से संबंधित 59 शिकायतों का समाधान किया। इनमें 15 जलजमाव, 25 पेड़ उखड़ने और पेड़ की टहनियां यातायात बाधित करने और 19 शिकायतें नालों में वाहनों के बह जाने से संबंधित हैं। कालासिगुड़ा, लालापेट, लिंगमपल्ली, हकीमपेट (कारवां), टोलीचौक, नल्लाकुंटा, पद्मा राव नगर और सेरिलिंगमपल्ली में सुदर्शन नगर कॉलोनी उन क्षेत्रों में से थे जहां डीआरएफ की टीमों ने शिकायतों पर ध्यान दिया। कैच-गड्ढों को साफ करने, नालों को चोक करने वाले कचरे और निचले इलाकों से पानी निकालने के अलावा, टीमों ने उलझे तारों को भी हटा दिया और पानी के अपार्टमेंट के तहखानों को बाहर निकाल दिया। बारिश थमने के बाद सफाई कर्मचारियों ने रुके हुए पानी के कारण जमा हुए कचरे और गाद को साफ किया और कीट विज्ञान विंग ने इन क्षेत्रों में फॉगिंग शुरू की।

रंगदारी मांगने के आरोप में पांच पूर्व नक्सली गिरफ्तार

भूपालपल्ली, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कलेश्वरम पुलिस ने दो सरपंचों से रंगदारी मांगने के आरोप में पांच पूर्व माओवादियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में वाविला जनार्दन, पुलिगानु सतीश, बीरेली नरसैया, पेडेम राजेंद्रप्रसाद और एलेम समैया हैं। पुलिस ने इनके पास से दो खिलौना पिस्टल, एक कार, चार जिलेटिन की छड़ें, पांच मोबाइल और एक बाइक भी बरामद की है। एसपी जे. सुरेंद्र रेड्डी ने कहा कि पुलिस ने उन्हें वाहन चेकिंग के दौरान पकड़ा जब वे पैसे लेने के लिए कालेश्वरम जा रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्व नक्सलियों ने कलेश्वरम सरपंच को बुधवार को यह दावा करते हुए 50 लाख रुपये का 'दान' सौंपने की धमकी दी थी कि सीपीआई माओवादी पार्टी ने पैसे की मांग की है। एसपी ने कहा कि वी. जनार्दन (50) लगभग 27 वर्षों तक काम करने के बाद 2016 में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने के बाद से भूपालपल्ली शहर में आरएमपी के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने तत्कालीन पीपुल्स वार ग्रुप में शामिल होने से पहले रेडिकल स्टूडेंट यूनियन (आरएसयू) के सदस्य के रूप में भी काम किया था। यह कहते हुए कि वह अपने आत्मसमर्पण के बाद से माओवादियों को इलाज मुहैया करा रहे थे।

इस बीच, उसने अन्य साथियों के साथ 22 अप्रैल को अपने घर पर एक बैठक के बाद आसानी से पैसा बनाने के लिए माओवादियों के नाम पर पैसे ऐंठने की योजना बनाई। इसके एक हिस्से के रूप में, उन्होंने दोनों कालेश्वरम सरपंच से पैसे लेने की कोशिश की।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

आर्या पांडे

माता : अर्चना पांडे
पिता : प्रफुल्ल पांडे

पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर बड़ा हादसा, आजमगढ़ में ट्रैक्टर-ट्राली से टकराई बोलेरो, पांच की मौत

आजमगढ़, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले में बड़ा हादसा हुआ है। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर ट्रैक्टर ट्रॉली और बोलेरो की टक्कर हो गई। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। जबकि एक घायल हुआ है। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, लखनऊ से आ रही बोलेरो की देर रात लगभग 11 बजे पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर ट्रैक्टर ट्रॉली से टक्कर हो गई। इस हादसे में बोलेरो सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक अन्य महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे जिला अस्पताल लाया गया।

बिहार की 'बेशर्म शिक्षा व्यवस्था

परीक्षा में खुलेआम नकल करते हुए छात्रों का वीडियो वायरल

नालंदा, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के नालंदा जिले से छात्रों का एग्ज़ाम देते हुए एक वीडियो वायरल हो रहा है। बरामदे में खड़े होकर और दरी पर बैठकर एक साथ छात्र परीक्षा देते हुए नज़र आ रहे हैं। विद्यार्थियों के परीक्षा देने का यह वीडियो चर्चा का विषय बना हुआ है। लोगों का कहना है कि बिहार के हालात कभी नहीं सुधर सकते, सरकार कोई भी आ जाए। सत्र 2020 से 2023 तक स्नातक पार्ट-3 की परीक्षा का आयोजन पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी ने किया है। बिहार शरीफ (नालंदा) के विभिन्न कॉलेजों में 26 अप्रैल से परीक्षा शुरू हुई है। वहीं वायरल वीडियो के बारे में बताया जा रहा है कि पटेल कॉलेज का है। परीक्षार्थी बरामदे और दरी बिछाकर एक साथ परीक्षा देते हुए नज़र आए थे। वहां मौजूद किसी छात्र ने यह वीडियो बनाया था। वीडियो में साफ तौर पर देख सकते हैं कि सभी परीक्षार्थी वीक्षक के सामने आस-पास परीक्षा में नकल करते हुए लिख रहे हैं। बरामदे में, अलमीरा पर कॉपी रखकर और दरी पर बैठ कर खुलेआम वीक्षक के सामने नकल का यह वीडियो बिहार की बदहला शिक्षा व्यवस्था को साबित करने के लिए काफी है। वहीं इस मामले में महेश प्रसाद सिंह (कॉलेज के प्रिंसिपल) ने गोलमटोल जवाब देते हुए पल्ला झाड़ लिया। कॉलेज के प्राचार्य ने कहा कि वह पटना अपनी पत्नी के साथ इलाज कराने गए हैं।

बिहार के 38 जिलों में 2 दिन तक बारिश का अलर्ट

पटना समेत इन इलाकों में बूंदाबांदी

पटना, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के सभी जिलों में सोमवार को बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। आज पटना समेत कई जिलों में सुबह हल्की बूंदाबूंदी ने मौसम सुहाना कर दिया। कई इलाकों में आसमान में बादल भी दिखे। मौसम विभाग ने एक अप्रैल तक पटना, गया, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, वैशाली, चंपारण, सुपौल, अररिया समेत 38 जिलों में अलर्ट जारी किया है। इन जिलों के एक या दो स्थानों पर हल्की बारिश की संभावना जताई है।

अगले 4 दिनों तक लोगों को गर्मी से राहत

मौसम विभाग की माने अगले 4 दिनों तक गर्मी से राहत मिलेगी। इसमें उत्तर-पश्चिम उत्तर-मध्य, उत्तर-पूर्व बिहार में 2 मई तक बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-मध्य और दक्षिण-पूर्व बिहार में एक मई तक बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वही उत्तर-पश्चिम, उत्तर-मध्य, दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-मध्य बिहार में एक या दो स्थानों पर 3 मई तक बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। 2 मई को बक्सर, भोजपुर, रोहतास, भभुआ, पटना, गया, नालंदा, शेखपुरा, नवादा, बेगूसराय, लखीसराय, भागलपुर, बांका, जमुई, मुंगेर, खगड़िया समेत 19 जिलों में मौसम शुष्क बने रहेंगे। वह 3 मई को पटना, गया, नालंदा, शेखपुरा समेत 14 जिलों में एक या दो स्थानों पर बारिश के आसार हैं।

पिछले 24 घंटे में बक्सर सबसे गर्म जिला रहा

तापमान की बात करें तो बिहार के कई जिलों का तापमान 39.4 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। मध्य रात्रि कुछ इलाकों में बारिश की सूचना मिली। कई इलाकों में अहले सुबह तापमान 23 से 28 डिग्री के बीच दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटे में पटना 38.6 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं गया 37.9 डिग्री, भागलपुर 37.4 डिग्री, मुजफ्फरपुर 34.6 डिग्री और पूर्णिया का तापमान 36.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

'बहू का किसी और से नाजायज रिश्ता

मृतक की मां की शिकायत पर सुपौल पुलिस ने लिया एक्शन

सुपौल, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। डॉअनुराग आर्यन आत्महत्या मामले में नया मोड़ आया है। पहली पत्नी पर प्रेमी के साथ मिलकर डॉ। आर्यन को आत्महत्या करने को मजबूर करने का आरोप लगा है। मामले में मृतक डॉ।आर्यन की मां की शिकायत पर पहली पत्नी सहित तीन पर केस दर्ज किया गया है। सुपौल जिले के त्रिवेणीगंज नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 5 स्थित जेनरल हाई स्कूल के समीप बीते गुरुवार की रात किराये की मकान में दंत चिकित्सक डॉ।अनुराग आर्यन द्वारा आत्महत्या करने का मामले सामने आया था।

निकाय चुनाव में 11 मुस्लिम प्रत्याशियों को

मेयर का टिकट देने पर पहली बार बोलीं मायावती

लखनऊ, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में निकाय चुनाव के बीच प्रचार अभियान तेज होते जा रहा है। बीजेपी के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रचार अभियान की कमान संभाल ली है। दूसरी ओर समाजवादी पार्टी ने हर जिले में अपने नेताओं को एक्टिव कर दिया है। लेकिन इसी बीच बीएसपी चीफ मायावती के बयान से सियासी पारा हाई होता नजर आ रहा है। मायावती ने कहा, यूपी निकाय चुनाव के अन्तर्गत 17 नगर निगमों में मेयर पद के लिए हो रहे चुनाव में बीएसपी द्वारा मुस्लिम समाज को भी उचित भागीदारी देने को लेकर यहाँ

राजनीति काफी गरमाई हुई है, क्योंकि उससे खासकर जातिवादी एवं साम्प्रदायिक पार्टियों की नींद उड़ी हुई है। बसपा प्रमुख ने कहा, बीएसपी 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' की नीति व सिद्धान्त पर चलने वाली अम्बेडकरवादी पार्टी है तथा उसी आधार पर यूपी में चार बार अपनी सरकार चलाई। मुस्लिम व अन्य समाज को भी हमेशा उचित प्रतिनिधित्व दिया। अतः लोगों से अपने हित पर ज्यादा व विरोधियों के षडयंत्र पर ध्यान न देने अपील।

इन सीटों पर दिया टिकट

सपा ने अपने सभी 17 मेयर पद के उम्मीदवारों में से केवल चार मुस्लिमों को टिकट दिया है। जबकि बीएसपी ने 11 मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिया है। सपा ने फिरोजाबाद से मशरुर फातिमा, सहारनपुर से नूर हसन मलिक, अलीगढ़ से जमीर उल्ला खां और मुरादाबाद से सैय्यद रईस उद्दीन को मेयर का उम्मीदवार बनाया है। जबकि मायावती ने पहले चरण के 10 सीटों में से छह मुस्लिम प्रत्याशी उतारे हैं। इसके अलावा दूसरे चरण के सात उम्मीदवारों में से पांच मुस्लिम को टिकट दिया है। पार्टी ने दूसरे चरण में मेरठ, शाहजहांपुर, गाजियाबाद, अलीगढ़ और बरेली से मुस्लिम प्रत्याशियों पर दांव लगाया है। पार्टी के इस फैसले को सपा के कोर वोटर्स में सेंध लगाने की पूरी कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। इस बीच मायावती ने मुस्लिम उम्मीदवार उतारने पर पहली बार प्रतिक्रिया दी है।

बिहार के गया में दिल दहला देने वाला मामला

मां ने 3 बच्चों को फांसी पर लटकाया

गया, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के गया में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां के मगरा थाना इलाके में एक महिला पहले अपने तीन बच्चों को फांसी पर लटकाया इसके बाद उसने खुदकुशी कर ली। इस घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मरने वालों में महिला मालती देवी, 6 साल की जीवा, 4 साल की सलीमा और ढाई महीने का अभिषेक शामिल हैं। एसपी सिटी हिमांशु ने बताया कि हमने शवों को कब्जे में ले लिया है।

आधी रात अचानक एसकेएमसीएच पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री, मच गया हड़कंप, साफ-साफ शब्दों में तेजस्वी यादव ने दे दिया कडे निर्देश

मुजफ्फरपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री तेजस्वी यादव देर रात करीब 12.30 बजे अचानक मुजफ्फरपुर के एसकेएमसीएच अस्पताल पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पूरे अस्पताल का निरीक्षण किया। डिप्टी सीएम ने अस्पताल में मिली खामियों पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि तय किया गया था काम हो लेकिन यहां दिखा कुछ और। उन्होंने वहां मौजूद अधिकारी को जमकर फटकार लगाई। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार सरकार स्वास्थ्य विभाग को बेहतर करने के लिए कटिबद्ध है और इस क्रम में देर रात मुजफ्फरपुर के एसकेएमसीएच अस्पताल में औचक निरीक्षण के लिए अचानक पहुंचे। बिहार के डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री तेजस्वी यादव ने मरीजों से बातचीत भी की। जानकारी लेने के दौरान कई खामियों को देखा वहां कि कमियों को गिनवाई। इस दौरान उन्होंने अस्पताल व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने देर रात एसकेएमसीएच पहुंच कर वार्ड का निरीक्षण किया। इस दौरान जब तक वो रुके रहे वहां हड़कंप मचा रहा। स्वास्थ्य मंत्री और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा कि हमारी सरकार पैसे देती है काम नहीं करेंगे तो कार्रवाई होगी। सरकार काम कर रही है। इस दौरान में भी अस्पताल के अधीक्षक डॉ दीपक कुमार मौजूद रहे। तेजस्वी यादव ने पूरे अस्पताल का निरीक्षण किया और जायजा लिया। तेजस्वी यादव ने साफ-साफ शब्दों में कहा कि बिहार की यह सरकार सुनवाई और कार्रवाई वाली सरकार है और किसी भी सूरत में लापरवाही को बर्दाश्त नहीं करेगी। जो तय है उसका पालन करना ही होगा। सरकार से मरीज के इलाज के लिए तय किए गए सभी एजेंडे पर काम करने के लिए कहा है और इसको जो गंभीरता से नहीं लेंगे कर्रवाई सुनिश्चित है। स्वास्थ्य विभाग की गाइडलाइन्स का अनुपालन नहीं करने और अस्पताल के कार्य में लापरवाही बरतने वाले दोषियों पर कार्रवाई होगी।

बृजभूषण शरण सिंह ने किया अखिलेश यादव का धन्यवाद

कहा- 'कांग्रेस के लोकल नेता भी मेरे साथ'

लखनऊ, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। धरने पर बैठे पहलवानों के आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताते हुए भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष और बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह कहा कि इस्तीफा देना उनके लिए कोई बहुत बड़ी बात नहीं है, किन्तु वह अपराधी बनकर इस्तीफा नहीं देंगे। इसके अलावा उन्होंने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को लेकर बड़ा बयान दिया है। बीजेपी सांसद ने कहा, यूपी की जो अन्य पार्टियां है, जिसमें विशेषकर आपका इशारा सपा है। सपा के नेता अखिलेश यादव हैं वो मुझे बच्चपन से जानते हैं और ज्यादातर पहलवान उत्तर प्रदेश के अंदर वो ऐसे समाज से आते हैं जो समाजवादी विचारधारा से आते हैं। अगर यूपी में दस हजार बच्चे पहलवानी करते हैं तो उसमें आठ हजार ऐसे हैं जो समाजवादी परिवार से हैं और उन सबको पता है कि हमारे नेताजी कैसे हैं।

प्रियंका गांधी का नाम लेकर कही ये बात

बृजभूषण शरण सिंह ने कहा, उत्तर प्रदेश के हर नेता को पता है, कांग्रेस के भी नेता को पता है कि नेताजी कैसे हैं। सबको पता है और सब एक-दूसरे को जानते हैं। देवरिया से लेकर लखीमपुर तक सब एक-दूसरे को जानते हैं कि कौन क्या है। मैं अखिलेश यादव का धन्यवाद करूंगा। जब प्रियंका गांधी बैठकर बिना सोचे समझे आरोप लगा रही हैं और कांग्रेस के लोकल नेता भी मेरे साथ हैं। बृजभूषण ने कहा ,''मैं पूरी तरह से निर्दोष हूं। मुझे सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली पुलिस पर पूरा भरोसा है।

खबर इसी जमाने की है- मां कर्ज नहीं चुका सकी तो उसकी नाबालिग बेटी से शादी रचा ली

सीवान, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पुराने जमाने में ऐसी बातें होती थीं। महाजनों को लेकर बनी कई फिल्मों में लोग ऐसा देखते थे। माना जाता है कि अब ऐसा नहीं होता। इसलिए, दशकों से इस विषय पर फिल्म भी नहीं बनी। लेकिन, चौंकाने वाले शीर्षक की बातें सही हैं। मां ने दो लाख रुपये कर्ज लिए थे। नहीं चुका सकी तो बार-बार तकाजे से तंग आने के बाद बेटी को उसके घर छोड़ आई। कहा कि काम करेगी। लेकिन, अब 11 साल की उस बच्ची की मांगों में सिंदूर है। सिंदूर उस आदमी के नाम का, जिसकी पहली पत्नी से उसे दो बच्चे हैं। पहली पत्नी भी चुप्पी साधे बैठी है। बच्ची की मां भी। थाना-पुलिस भी।

मां और बेटी की बातें भी चौंका रही

11 वर्षीय नाबालिग से 40 साल के विवाहित व्यक्ति की दूसरी शादी का यह मामला सीवान जिले के मैरवा थाना क्षेत्र का है। बच्ची की पहचान उजागर नहीं हो, इसलिए उसकी, उसके गांव की और उससे शादी करने वाले का भी नाम जाहिर नहीं किया जा रहा है। इस हकीकत के सारे किरदारों की बातें अलग-अलग हैं। दोनों की जाति एक है, इसलिए हंगामा मचने की जगह मैनेज करने का खेल चल रहा है। जिस बच्ची की शादी हुई, वह कहती है- "मां ने कर्ज लिया था। कितना यह पता नहीं। मां इनके यहां छोड़ आई।" मां कह रही- "उस गांव में हमारी रिश्तेदारी है। बेटी के साथ हमेशा आती-जाती थी। बेटी की तरह रखकर पढ़ाने की बात कहा तो छोड़ दिया, लेकिन अब उससे शादी कर कर रख लिया है। मैं चाहती हूं कि मेरी बेटी मेरे पास वापस आ जाए।"

गांव वाले बता रहे सच, शादी करने वाले की कहानी अलग

गांव वालों ने बताया कि लड़की मां ने 2लाख कर्ज लिए थे और तकाजे के बाद भी नहीं लौटा पा रही थी। परिवार गरीब है तो इस विवाहित शख्स से कर्ज वापस नहीं कर पाने पर उसकी बेटी को काम के नाम पर रख लिया। फिर उससे शादी रचा ली। शादी की बात फैलने के बाद अब इस शख्स ने गांव के कुछ लोगों को कहा- मैंने गलती कर दी। जो भी सजा मिलेगी, वह मैं भुगतने के लिए तैयार हूं। कुछ लोगों को कहा- "बेटी के नाम पर लाया हूं। जहां जाना चाहे, जा सकती है और रह सकती है।" दूसरी तरफ यह बात भी सामने आ रही कि उसने लड़की से उसकी मां को कॉल करवा कर कहा है कि कि मीडिया में जाओगी तो जीना हराम कर देंगे। उस शख्स की पत्नी से जब लोगों ने पूछा तो जवाब मिला- "हमको कुछ पता नहीं, जो मन में रहा होगा तो किए होंगे।"

पुलिस की ऐसी चुप्पी भी अजूबा

यह खबर जंगल में आग की तरह फैल रही, लेकिन पुलिस को इस केस में भी लड़की वालों की तरफ से आवेदन का इंतजार है। कोई आवेदन नहीं मिलने के कारण आधिकारिक रूप से कुछ जानकारी भी नहीं मिल रही है। इस बारे में जानकारी के लिए मैरवा थानाध्यक्ष को कॉल किया गया तो सरकारी नंबर बंद मिला। एसपी शैलेश कुमार सिन्हा से बातचीत करने की कोशिश की गई तो दूसरी तरफ से कॉल डिस्कनेक्ट कर दिया गया।

रिहाई पर विवाद के बाद क्या आनंद मोहन करेंगे बेटे की सीक्रेट शादी

पटना, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। आईएएस जी कृष्णैया हत्याकांड में बीते 27 अप्रैल को जेल से रिहा होने के बाद बाहुबली आनंद मोहन खुद को और परिवार को किसी भी तरह की लाइमलाइट से दूर रख रहे हैं। अपनी रिहाई के बाद देशव्यापी बहस के बीच आनंद मोहन मीडिया से बात नहीं कर रहे हैं और न ही कोई सार्वजनिक कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे हैं। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में आनंद मोहन के बड़े बेटे चेतन आनंद की शादी 3 मई को होनी है, इसको लेकर काफी चर्चा और सस्पेंस है। आजतक की टीम देहरादून में जब आनंद मोहन के आवास पर पहुंची तो पाया कि वहां मरम्मत का काम चल रहा है। हालांकि, ऑफ-कैमरा बोलते हुए उनके प्रतिनिधि ने कहा कि मीडिया द्वारा बहुत अधिक पीछा करने के कारण अब शादी राजस्थान में हो सकती है। आनंद मोहन 13 अप्रैल को पत्नी लवली आनंद, बेटी सुरभि और छोटे बेटे अंशुमन मोहन के साथ उत्तराखंड आए थे। सीएम पुष्कर सिंह धामी, हरीश रावत और भगत सिंह कोश्यारी समेत उत्तराखंड के कुछ नेताओं से मुलाकात की तस्वीरें भी मोहन के छोटे बेटे अंशुमन ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। आनंद मोहन ने अपने परिवार के साथ 3 मई को बेटे चेतन आनंद की शादी के लिए स्थान तय करने के लिए कुछ जगहों का दौरा किया है। सूत्रों का कहना है कि आनंद मोहन अभी भी पटना में हैं और 30 मई को राजस्थान जाएंगे।

'मुंडी पासी' कर रही शाइस्ता परवीन की मदद

साए की तरफ साथ रहकर सुरक्षा दे रहा अतीक अहमद का गनर

प्रयागराज, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बहुचर्चितउमेश पाल हत्याकांड में फरार चल रही माफिया डॉन अतीक अहमद की पत्नी और लेडी डॉन शाइस्ता परवीन के बारे में पुलिस को महत्वपूर्ण इनपुट मिले हैं। पुलिस के मुताबिक उमेश पाल की हत्या से ठीक पहले शाइस्ता कछार में रहने वाली महिला मुंडी पासी से मिली थी। वहीं उमेश पाल हत्याकांड के बाद यही मुंडी पासी शाइस्ता को पुलिस से बच कर रहने में मदद कर रही है। इसके अलावा पुलिस के पास पुख्ता इनपुट मिले हैं अतीक अहमद का गनर एहतशाम शाइस्ता की सुरक्षा के लिए उसके साथ साए की तरह से रह रहा है। इस इनपुट के आधार पर पुलिस टीमों ने शाइस्ता के साथ ही मुंडी पासी और एहतशाम की भी तलाश शुरू कर दी है। आपराधिक प्रवृति की महिला मुंडी पासी की तलाश में पुलिस ने कछार में कई बार दबिश भी दी है, लेकिन वह अपने घर और ठिकाने से फरार हे। बताया जा रहा है कि मुंडी के खिलाफ करीब दर्जन भर मुकदमे दर्ज हैं और वह जमानत पर बाहर है। उधर, एहतशाम चूंकि खुद उत्तर प्रदेश पुलिस में रह चुका है, इसलिए वह शाइस्ता के साथ रहकर उसे पुलिस से सुरक्षा देने की कोशिश कर रहा है। वह अपने नेटवर्क के जरिए पुलिस की हर हलचल पर भी नजर रख रहा है और शाइस्ता को अपडेट दे रहा है। पुलिस ने बताया कि शाइस्ता के साथ मुंडी पासी और एहतशाम की तलाश में प्रयागराज पुलिस कौशांबी बार्डर तक लगातार दबिश दे रही है। पुलिस ने बताया कि एहतशाम साल 2005 तक प्रयागराज पुलिस में था। चूंकि उस समय अतीक अहमद सांसद था, इसलिए प्रयागराज पुलिस की ओर से उसे सुरक्षा मुहैया कराई गई थी। इसमें एहतशाम भी शामिल था। लेकिन साल 2005 में राजूपाल हत्याकांड के बाद अतीक के साथ ही एहतशाम भी फरार हो गया। बाद में अतीक अहमद तो गिरफ्तार हो गया, लेकिन एहतशाम की फरारी की वजह से उसे प्रयागराज पुलिस ने उसे बर्खास्त कर दिया था। तब से वह अतीक और उसकी परिवार के साथ ही रह रहा है। बताया जा रहा है कि एहतशाम का साथ होने की वजह से ही शाइस्ता अब तक पुलिस से बच निकलने में सफल रही है। वहीं मुंडी पासी की वजह से वह कछार क्षेत्र में आराम से शरण ले पा रही है। बता दें कि हाल ही में मोहम्मद मुस्लिम ने जो अतीक अहमद के बेटे अली और उमर के खिलाफ अपहरण और रंगदारी का केस दर्ज कराया है, उसमें एक आरोपी अतीक का यह गनर एहतशाम भी शामिल है।

गुड़ समझकर फोड़ दिया बम, हैरान कर देने वाला है मामला

बक्सर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के बक्सर से एक चौंकाने वाली घटना सामने आ रही है यहाँ एक महिला की लापरवाही उसको बहुत भारी पड़ गई। गुड़ का ढेला समझकर महिला ने बम को जमीन पर दे मारा। तत्पश्चात, विस्फोट हुआ तथा महिला बुरी तरह से जख्मी गई। धमाके की आवाज सुन महिला के परिवार के लोग एवं आस`-पास के लोगों भी होश उड़ गए। गंभीर हालत में महिला को उपचार के लिए वाराणसी रेफर किया गया है। दरअसल, घटना बक्सर के इटाढ़ी थाना अंतर्गत बाला देवा गांव की है। ग्रामीण रामनाथ राम के घर पर एक बम रखा हुआ था। शनिवार की प्रातः रामनाथ की पत्नी शांति बम को गुड़ का ढेला समझकर छत पर ले गई। फिर बम को तोड़ने लगी। जैसे ही उसने जोरों से बम को तोड़ना का प्रयास तो उसमें विस्फोट हो गया। तेज विस्फोट से पूरा घर हिल गया। विस्फोट की आवाज सुनकर परिवार एवं आस-पास के लोग छत पर पहुंचे।

आनंद मोहन की रिहाई में क्या है नीतीश कुमार का 'ओबीसी प्लस' प्लान

पटना, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। माफिया डॉन से राजनेता बने आनंद मोहन की रिहाई के बाद नीतीश कुमार आरोपों का तो सामना कर रही हे हैं, साथ ही उनके इस कदम में लोग उनकी सियासी दांव की भी चर्चा कर रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि जनता दल युनाइट (जदयू) नेता और बिहार के मुख्यमंत्री दशकों पुराने समीकरण को बदलने की तैयारी कर रहे हैं।

हालांकि, इस बात में भी सच्चाई है कि जमीन पर उनके बेस वोट बैंक में नरेंद्र मोदी के चेहरे के बदौलत भाजपा भी घुसपैठ कर चुकी है। इसके अलावा उनके खांटी लव-कुश समीकरण में से कुश यानी कि कुशवाहा को भी अलग करने के लिए भगवा पार्टी ने दांव चला है। बिहार के सियासी गलियारों में इन दिनों में इस बात की चर्चा है कि नीतीश कुमार कुशवाहा वोट के बिखरने की संभावना को देखते हुए उसकी भरपाई के लिए राजपूत वोटरों को अपने पाले में करने की कोशिश कर रहे हैं। आपको बता दें कि बिहार में दोनों ही जाति का आकार लगभग बराबर है। बीते चुनाव के नतीजों बिहार में महागठबंधन के पास यादव, मुस्लिम, कोईरी, कुर्मी के अलावा ओबीसी और महादलित में शामिल जातियों के कुछ वर्गों का समर्थन प्राप्त है। नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव इस बात से जरूर वाकिफ होंगे कल्याणकारी योजनों और नरेंद्र मोदी के चेहरा के बल पर ओबीसी वोट में अब बीजेपी की मजबूत पैठ बन चुकी है। यही कारण है कि वह बिहार के करीब 6 फीसदी आबादी वाले राजपूत को अपने पाले में करने की कोशिश कर रहे हैं। आनंद मोहन की रिहाई के लिए कानून में संसोधन को इसी दिशा में एक कदम के तौर पर देखा जा रहा है। यह कहना अभी जल्दबाजी होगा कि आनंद मोहन की रिहाई से बीजेपी के लिए राजपूत मतदाताओं का प्रेम प्रभावित होगा या नहीं। लेकिन राजपूत जाति बिहार की करीब 10 लोकसभा सीटों पर मायने रखती है। इन सीटों में आरा, बाढ़, मुंगेर, मोतिहारी, वैशाली, शिवहर, बांका, पूर्णिया और काराकाट शामिल हैं। 2014 के लोकसभा चुनाव के बा, भाजपा ने राज्य भर में राजपूत मतदाताओं के बीच अपने मजबूत समर्थन का सफलतापूर्वक विस्तार किया है। बिहार में अब राजपूत भाजपा के प्रमुख समर्थकों में माने जाते हैं। शायद यही एक वजह है कि बीजेपी को आनंद मोहन कि रिहाई को लेकरन नीतीश कुमार के द्वारा उठाए गए कदम की आलोचना करने में मुश्किल हो रही है। आपको बता दें कि बिहार में नीतीश कुमार से अपनी राह अलग करने के बाद बीजेपी भी हाथ पर हथ धरे नहीं बैठी है। भगवा पार्टी भी कोईरी (कुशवाहा), पासवान, मल्लाह और मांझी जाति को साधने की तैयारी में है। सम्राट चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर और उपेंद्र कुशवाहा को गले लगाकर बीजेपी ने इसके संकेत भी दिए हैं।

इसके अलावा चिराग पासवान और बीजेपी भी एक-दूसरे के लगातार पसंद बने हुए हैं। केंद्र सरकार के द्वारा हाल ही में वाईआईपी के नेता मुकेश सहनी को वाई कैटेगरी की सुरक्षा दी गई है। वहीं, मांझी और अमित शाह की भी बैठक हो चुकी है। ऐसे में नीतीश कुमार ओबीसी के अलावा सवर्ण जाति को एक प्लेटफार्म पर लाने में सफल होंगे या नहीं, यह चुनाव के नतीजे ही तय करेंगे। लेकिन फिलहाल बिहार की राजनीति काफी रोचक होती जा रही है।

पीएम बोले- यह मेरे लिए आस्था-पूजा और व्रत है; जनता के चरणों में प्रसाद की थाल है

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात प्रोग्राम का 100वां एपिसोड पूरा कर लिया। आज का एपिसोड टीवी चैनलों, निजी रेडियो स्टेशनों और सामुदायिक रेडियो सहित एक हजार से अधिक प्लेटफॉर्म पर ब्रॉडकास्ट किया गया। इसके अलावा संयुक्त राष्ट्र के न्यूयॉर्क स्थित हेडक्वार्टर पर भी आज का एपिसोड सुना गया। प्रधानमंत्री ने कहा- 3 अक्टूबर 2014 को विजयादशमी से शुरू हुआ यह त्योहार हम हर महीने मनाते हैं। मन की बात कार्यक्रम नहीं, यह मेरे लिए आस्था,पूजा और व्रत है। जैसे लोग ईश्वर की पूजा करने जाते हैं तो प्रसाद की थाल लाते हैं। मन की बात ईश्वर रूपी जनता जनार्दन के चरणों में प्रसाद की थाल जैसे है।

पीएम की 5 बड़ी बातें...

आज मन की बात का 100वां एपिसोड है। मुझे आप सबकी हजारों चिट्ठियां और संदेश मिले। कोशिश की है कि ज्यादा से ज्यादा चीजों को पढ़ पाऊं देख पाऊं। संदेशों को समझने की कोशिश करूं। कई बार पत्र पढ़ते वक्त भावुक हो गया, भावनाओं में बह गया और संभाला। 100वें एपिसोड पर सच्चे दिल से कहता हूं कि बधाई आपने दी, पात्र आप सभी श्रोता हैं। तीन अक्टूबर 2014 को विजयादशमी के मौके पर हम सबने मिलकर विजयादशमी के दिन मन की बात की यात्रा शुरू की थी। विजयादशमी यानी बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व। यह एक ऐसा पर्व बन गया है, जो हर महीने आता है। हम इसमें सकारात्मकता और लोगों की पार्टिसिपेशन को सेलीब्रेट करते हैं। यकीन नहीं होता कि इसे इतने साल गुजर गए। हर एपिसोड नया रहता है। देशवासियों की नई सफलताओं का विस्तार इसमें मिलता है। देश के कोने-कोने से हर आयु वर्ग के लोग जुड़े। मन की बात जिस विषय से जुड़ी वो जन आंदोलन बन गई। आप लोगों ने बना दिया। जब मैंने तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के साथ मन की बात की तो इसकी चर्चा दुनिया में हुई। मन की बात मेरे लिए दूसरों के गुणों की पूजा का मौका है। मेरे मार्गदर्शक थे लक्ष्मण राव, वो कहते थे कि हमें दूसरों के गुणों की पूजा करनी चाहिए। उनकी इस बात ने मुझे प्रेरणा देती है। यह कार्यक्रम दूसरों से सीखने की प्रेरणा बन गया है। इसने मुझे आपसे कभी दूर नहीं होने दिया। जब मैं गुजरात का सीएम था, तब सामान्य तौर पर लोगों से मिलना-जुलना हो जाता था। 2014 में दिल्ली आने के बाद मैंने पाया कि यहां का जीवन और काम का स्वरूप अलग है। सुरक्षा का तामझाम, समय की सीमा सबकुछ अलग है। शुरुआती दिनों में खाली-खाली सा महसूस करता था। 50 साल पहले घर इसलिए नहीं छोड़ा था कि अपने ही देशवासियों से संपर्क नहीं हो पाएगा। देशवासी सबकुछ हैं और उनसे कटकर नहीं रह सकता था। मन की बात ने मुझे मौका दिया। पदभार और प्रोटोकॉल व्यवस्था तक सीमित रहा। जनभाव मेरा अटूट अंग बन गया।

5. मन की बात ईश्वर रूपी जनता के चरणों में प्रसाद की थाल जैसे

हर महीने मैं देशवासियों के त्याग की पराकाष्ठा देखता हूं। मुझे लगता ही नहीं है कि आपसे थोड़ा भी दूर हूं। मन की बात कार्यक्रम नहीं, यह मेरे लिए आस्था,पूजा और व्रत है। जैसे लोग ईश्वर की पूजा करने जाते हैं तो प्रसाद की थाल लाते हैं। मन की बात ईश्वर रूपी जनता जनार्दन के चरणों में प्रसाद की थाल जैसे है। यह मेरे लिए अध्यात्मिक यात्रा बन गया है। अहम से वयम की यात्रा है। यह तो मैं नहीं, तू ही की संस्कार साधना है। कल्पना करिए कि कोई देशवासी 40-40 साल से निर्जन जमीन पर पेड़ लगा रहा है। कोई 30 साल से जल संरक्षण के लिए

बावड़ी बना रहा है। कोई निर्धन बच्चों को पढ़ा रहा है। कोई गरीबों की इलाज में मदद कर रहा है। कितनी ही बार मन की बात में इनका जिक्र करते वक्त मैं भावुक हुआ। आकाशवाणी के साथियों को इसे दोबारा रिकॉर्ड करना पड़ा।

मन की बात में जिन लोगों का हम जिक्र करते हैं, वे सब हमारे हीरोज हैं, जिन्होंने इस कार्यक्रम को जीवंत बनाया है। आज जब हम 100वें एपिसोड के पड़ाव पर पहुंचे हैं तो मेरी इच्छा है कि एक बार फिर इन हीरोज के पास जाकर उनके बारे में जानें। प्रधानमंत्री ने देशभर में जून 2015 में सेल्फी विद डॉटर कैंपेन शुरू किया था। PM ने कहा- मैंने बेटी बचाओ अभियान हरियाणा से शुरू किया। ये अभियान पूरी दुनिया में फैल गया। जीवन में बेटी का स्थान कितना बड़ा होता है, इस कैंपेन से यह प्रकट हुआ। आज हरियाणा में जेंडर रेशियो में सुधार आया। उन्होंने इस कैंपेन का आइडिया देने वाले हरियाणा के सुनील जगलान से बातचीत की।

साथियों मुझे संतोष है कि मन की बात में हमने नारी शक्ति की प्रेरणादायी गाथाओं का जिक्र किया है। छत्तीसगढ़ के गांव की महिलाओं के स्वच्छता अभियान चलाने वाले स्वसहायता समूह की बात की। तमिलनाडु की आदिवासी समुदाय की टेराकोटा कप बनाने वाली महिलाओं की बात की। वहीं 20 हजार महिलाओं ने वेल्लोर में नाग नदी को पुनर्जीवित किया। मन की बात में जम्मू-कश्मीर की पेंसिल स्लेट का जिक्र करते हुए मंजूर अहमद का जिक्र किया था। वो साथ हैं। साथियों हमारे देश में ऐसे कितने ही प्रतिभाशाली लोग हैं, जो मेहनत के बलबूते ही सफलता के शिखर तक पहुंचे हैं। विशाखापत्तनम के बैंकर मुरलीजी ने आत्मनिर्भर भारत का चार्ट शेयर किया था। बेतिया के प्रमोदजी ने एलईडी बल्ब का काम शुरू किया। मन की बात ही इनके उत्पादों को सामने लाने का माध्यम बना। हमने मेक इन इंडिया के अनेक उदाहरणों से स्पेस स्टार्टअप की चर्चा भी की।आपको याद होगा कि मणिपुर की विजयशांति के कमल के रेशों से कपड़े बनाने का जिक्र किया था। वो आज साथ हैं। मन की बात ने जन आंदोलन ने जन्म लिया और गति पकड़ी। टॉय इंडस्ट्री को फिर से स्थापित करने का मिशन यहीं शुरू हुआ था। स्वान और देसी डॉग्स की मुहिम शुरू की। गरीब छोटे दुकानदारों से मोलभाव ना करने की मुहिम भी शुरू की थी। हर घर तिरंगा मुहिम भी मन की बात ने संकल्प से जोड़ा। ऐसे उदाहरण समाज में बदलाव का कारण बने। प्रदीप सांगवान ने हीलिंग हिमालय शुरू किया। प्रदीप हमारे साथ हैं। हमने स्वच्छ सियाचिन, सिंगल यूज प्लास्टिक पर लगातार बात की। पूरी दुनिया पर्यावरण को लेकर परेशान है। उसमें मन की बात का प्रयास अहम है। यूनेस्को डीजी ने हमसे बात की। यूनेस्को की तरफ से मैं मन की बात पर बधाई देती हूं। भारत और यूनेस्को का इतिहास बहुत पुराना है। एजुकेशन पर यूनेस्को काम कर रहा है। 2030 तक हम हर जगह अच्छी शिक्षा पहुंचाना चाहते हैं। हम संस्कृति को भी बचाना चाहते हैं। आप भारत का इसमें रोल बताइए?

आपसे बात करके खुशी हो रही है। आपने शिक्षा और संस्कृति संरक्षण पर सवाल पूछा है। ये दोनों विषय मन की बात के पसंदीदा विषय रहे हैं। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी या क्षेत्रीय भाषा में पढ़ाई का विकल्प जैसे प्रयास हुए हैं। गुजरात में गुणोत्सव और शाला प्रवेश उत्सव शुरू किए थे। मन की बात में हमने लोगों के प्रयासों को हाईलाइट किया। एक बार हमने ओडिशा में ठेले पर चाय बेचने वाले स्वर्गीय डी प्रकाश राव के बारे में बात की, जो गरीब बच्चों को पढ़ाते थे। झारखंड के संजय कश्यप, हेमलता जी के उदाहरण हमने दिए।

कल्चरल प्रिजर्वेशन के प्रयासों को भी जगह दी। लक्षद्वीप का क्लब, कर्नाटक का कला चेतना मंच... देश के कोने-कोने से मुझे उदाहरण भेजे गए। देशभक्ति पर गीत, लोरी और रंगोली के कम्पटीशन शुरू किए। स्टोरी टेलिंग पर भी मैंने बात की। इस साल हम जी-20 की अध्यक्षता कर रहे हैं। यही वजह है कि एजुकेशन के साथ डायवर्स ग्लोबल कल्चर को समृद्ध करने के लिए प्रयास और तेज हुआ है।

हर एपिसोड में देशवासियों की सेवा और सामर्थ्य ने प्रेरणा दी है

उपनिषदों में कहा गया है- चलते रहो, चलते रहो, चलते रहो। आज हम इसी चरैवेति भावना के साथ मन की बात का 100वां एपिसोड पूरा कर रहे हैं। भारत के सामाजिक ताने-बाने को मजबूती देने में मन की बात माला के धागे की तरह है। हर एपिसोड में देशवासियों की सेवा और सामर्थ्य ने प्रेरणा दी है। एक तरह से मन की बात का हर एपिसोड अगले एपिसोड की जमीन तैयार करता है। यह कार्यक्रम हमेशा सद्भावना,सेवा भावना से आगे बढ़ा है। मन की बात से जो शुरुआत हुई, वह देश की नई परंपरा भी बन रही है। ऐसी परंपरा, जिसमें सबका प्रयास की भावना दिखती है। आकाशवाणी के साथियों को भी धन्यवाद, जो धैर्य के साथ इसे रिकॉर्ड करते हैं, ट्रांसलेटर जो विभिन्न भाषाओं में अनुवाद करते हैं, दूरदर्शन और माई गांव, इलेक्ट्रॉनिक चैनल्स का भी आभार व्यक्त करता हूं।

ऐसे टूट पड़े जैसे गिद्धों का झुंड टूट पड़ता है

मल्लिकार्जुन खरगे पर बीजेपी हुई हमलावर तो बोले सलमान खुर्शीद

मुरादाबाद, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में निकाय चुनाव को लेकर सियासत गरमाई हुई है। सभी दल जोर-शोर से चुनाव प्रचार करने में लगे हुए हैं और जनता के सामने खुद को श्रेष्ठ साबित करने में जुटे हुए हैं। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस नेताओं के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद ने भाजपा नेताओं की तुलना बगैर नाम लिए गिद्धों से कर दी है। शनिवार की रात मुरादाबाद के नागफनी में कांग्रेसी प्रत्याशी हाजी रिजवान के पक्ष में एक जनसभा को संबोधित करने सलमान खुर्शीद पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी को अपने निशाने पर लिया। प्रधानमंत्री मोदी का नाम लिए बगैर कहा कि वो भारत को विश्व गुरु बनाने की बात करते हैं, लेकिन सही मायने में क्या कर रहे हैं, देश के लोग सब जानते है। खुर्शीद अपने भाषण के दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के उस बयान का जिक्र करके सफाई पेश कर रहे थे, जिसमें खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी को टिप्पणी की थी और वो बीजेपी नेताओं के निशाने पर आ गए थे। सलमान खुर्शीद ने कहा कि भाजपा के लोग कांग्रेस के ऊपर ऐसे टूट पड़े, जैसे गिद्धों का झुंड टूट पड़ता है । सलमान खुर्शीद ने कहा कि खरगे जी ने थोड़ी सच्चाई उनके बारे में कह दी तो उन्होंने राहुल गांधी और सोनिया गांधी पर प्रहार कर दिया। सलमान खुर्शीद के मुताबिक,कोई भी सच बात कहने पर गाली दी जाने लगती है। वो गंगा किनारे के रहने वाले हैं, मां गंगा का पानी हिन्दू और मुसलमान दोनों अपने -अपने ढंग से इस्तेमाल करते हैं। मल्लिकार्जुन खरगे ने हाल ही में पीएम मोदी को जहरीला सांप बता दिया था, इसके बाद बीजेपी नेता उनपर हमलावर हो गए थे।

'एथलीट बेटियों को शिकारियों से क्यों नहीं बचाया जा सकता

' महुआ मोइत्रा का बीजेपी पर वार

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शो मन की बात का 100वां एपिसोड प्रसारित होने जा रहा है। इस बीच टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने जंतर-मंतर पर हो रहे पहलवानों के प्रदर्शन को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी से सवाल किए हैं। उन्होंने पूछा है कि भारत की एथलीट बेटियों को शक्तिशाली बीजेपी शिकारियों से क्यों नहीं बचाया जा सकता। इसके अलावा मोइत्रा ने अडानी मामले को लेकर भी सवाल किया कि सेबी अडानी की जांच को सुप्रीम कोर्ट की ओर से तय की गई समय सीमा में पूरा क्यों नहीं कर सकती। भारत के कुछ

पहलवान भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष और बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की मांग करते हुए धरने पर बैठे हैं। बीजेपी नेता पर यौन उत्पीड़न और डराने-धमकाने का आरोप है जिसे लेकर पहलवान उनके इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। लंबे समय से चल रहे इस प्रदर्शन पर पीएम मोदी की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है जिसे लेकर महुआ मोइत्रा ने ट्वीट करते हुए सवाल किया है।

स्मृति ईरानी पर मोइत्रा का हमला

तृणमूल कांग्रेस की सांसद मोइत्रा ने महिला नेताओं पहलवानों के आंदोलन पर चुप्पी बनाए रखने के लिए बीजेपी पर कटाक्ष किया है। मोइत्रा ने केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी पर निशाना साधते हुए भी ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा, 'ओह एंड जस्ट बाई द वे बीजेपी- आपकी नारी ब्रिगेड कहां है? तुम्हारी सास और तुम्हारी बहू? डब्ल्यूएफआई के मुद्दे पर अब चुप्पी क्यों? या महिला एथलीट 'संस्कारी' के लिए खड़े होने के लिए पर्याप्त नहीं हैं?' मोइत्रा ने आगे अडानी मामले पर भी सवाल किया है। उन्होंने मार्केट रेगुलेटर सेबी के अडानी समूह के शेयरों के शेयर बाजार में हेरफेर और नियामक खुलासे में किसी भी चूक की जांच के लिए छह महीने के विस्तार अनुरोध को मजाक बताया है। उन्होंने लिखा, यह एक मजाक है। सेबी इंडिया अक्टूबर 2021 से जांच कर रहा है जब उन्होंने जुलाई के मेरे पत्र का जवाब दिया था। जबकि वे शुरुआत में उल्लंघन देखते हैं (कोई आश्चर्य नहीं)- वे अपने पसंदीदा व्यवसायी की रक्षा के लिए 6 महीने चाहते हैं, ताकि उसे कवर करने के लिए अधिकतम समय मिल सके।

भतीजे को आईस्क्रीम दिलाकर लौट रहे चाचा को कार ने मारी टक्कर, दोनों की मौत

इंदौर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर के पॉश इलाके राणीसती कॉलोनी में एक सड़क हादसे में चाचा और भतीजे की सड़क हादसे में मौत हो गई। चाचा अपने सात वर्षीय भतीजे को आईस्क्रीम दिलाकर लौट रहे थे। तेज रफ्तार कार ने उनके एक्टिवा वाहन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि चाचा की मौके पर ही मौत हो गई,जबकि भतीजे की उपचार के दौरान मृत्यु हुई। जिस कार से टक्कर हुई, वह एक स्टील कारोबारी की है। घटना के समय वह नशे में था। तुकोगंज पुलिस के अनुसार हादसा राणी सती गेट के पास यशवंत निवास रोड पर हुआ। नमकीन कारोबारी संदीप गुप्ता अपनी बेटी और दो भतीजों को आईस्क्रीम दिलाने निकले थे। वे घर के लिए लौट रहे थे तभी तेज गति से चल रही कार ने दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी। कार अजीत लालवानी के नाम से रजिस्ट्रर्ड है। अजीत काफी नशे में था और वही कार चला रहा था। कार चालक को लोगों ने पकड़ कर पुलिस के सुपर्द कर की। टक्कर से संदीप गुप्ता और अद्विक की इस हादसे में मौत हो गई। दो अन्य बच्चे भी घायल हुए है। कार की रफ्तार इतनी ज्यादा थी कि टक्कर मारने के बाद कार आनंदम केंद्र में घुस गई और कार के आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। अजीत कार से निकाला और एक रिक्शा रोककर भागने की कोशिश कर रहा था। लोगों ने उसे रिक्शा से उतारा और तुकोगंज पुलिस को सूचना दी।

आईडीएफसी बैंक की महिला कैशियर से लूटपाट करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

राजगढ़, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। मप्र के राजगढ़ में संपत्ति संबंधित अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए नवागत एसपी वीरेंद्र कुमार सिंह के द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। उसके बावजूद भी शातिर अपराधी पुलिस की आंखों में धूल झोंककर घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। वहीं, पुलिस भी घटना के पश्चात ही एक्शन में नजर आती है। ऐसा ही एक मामला 16 मार्च को राजगढ़ के सबसे बढ़े शहर ब्यावरा नगर में देखने को मिला था। यहां बैंक बंद करवाकर शाम सात बजे के लगभग अपने घर की ओर जा रही आईडीएफसी बैंक की कैशियर शांभवी द्विवेद्वी की स्कूटी को एक बाइक पर सवार दो अज्ञात आरोपियों के द्वारा कट मारकर नीचे गिरा दिया गया था और उनका पर्स छीनकर मौके से फरार हो गए थे। इस पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 167/23 और धारा 379 आईपीसी के तहत मामला दर्जकर विवेचना में लिया था। लगभग एक महीने से अधिक समय तक चली खोजबीन के बाद पुलिस को पता चला कि हिरणखेड़ी गांव निवासी आरोपी मुकेश तंवर और उसका साथी जगदीश सोंधिया ने घटना को अंजाम दिया है, जिन्हें 27 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से महिला का पर्स जब्त किया गया, जिसमें दो एंड्रॉयड मोबाइल फ़ोन और बैंक की चाबियां शामिल थीं। गौरतलब है, लूटपाट और महिलाओं के साथ सार्वजनिक स्थानों पर होने वाले अपराधों पर विराम लगाने के उद्देश्य से राजगढ़ जिले की पुलिस तत्कालीन एसपी के समय से ही एक कैमरा शहर के नाम अभियान चला रही है। जनसहयोग के माध्यम से प्रमुख चौराहे और सार्वजनिक स्थानों सहित आमजन के घरों के बाहर कैमरे लगाए जा रहे हैं। लेकिन उसके बावजूद भी लूटपाट और महिलाओं से छेड़छाड़ जैसे घटनाक्रमों में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला है। आए दिन शातिर अपराधी पुलिस की आंखों में धूल झोकते हुए नज़र आते हैं।

दस साल पहले लिया एडवांस, अब तक नहीं दिया मकान, चार बिल्डर्स पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज

शहडोल, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। शहडोल में ग्रंथपाल के साथ फ्लैट बेचने के नाम पर जालसाजी व धोखाधड़ी करने की शिकायत सामने आने के बाद कोतवाली पुलिस ने शहर के नामी बिल्डर स्वास्तिक एसोसिएट के चार प्रमोटर्स पर धोखाधड़ी के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। इस संबंध में स्थानीय यूनिवर्सिटी में पदस्थ ग्रंथपाल एवं लाइब्रेरी के विभागाध्यक्ष योगेशलाल श्रीवास्तव निवासी न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी ने 20 फरवरी 2012 को स्वास्तिक एसोसिएट के संजय जैन के माध्यम से 44 लाख 90 हजार के एक फ्लैट की बुकिंग छह लाख रुपये देकर कराई थी, जिसकी उन्हें रसीद भी दी गई। इसके बाद एक डीड भी तैयार करके योगेशलाल श्रीवास्तव को दी गई। कुछ समय बीत जाने के बाद जब खरीदार योगेश ने बिल्डर्स से सेल डीड मांगी तो यह कहा गया कि इसके लिए कलेक्टर ने अनुमति लेनी पड़ती है।

आप विधायक अब्दुल रहमान की जा सकती है विधायिकी मारपीट मामले में दोषी करार, क्या कहता है नियम

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। स्कूल प्रिंसिपल को धमकाने और मारपीट के मामले में दोषी करार दिए जाने के बाद आम आदमी पार्टी के विधायक अब्दुल रहमान की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। जिस मामले में उन्हें दोषी ठहराया गया है, उसमें 7 साल तक की सजा का प्रावधान है। वहीं, नियम यह है कि अगर किसी विधायक को दो साल से ज्यादा समय की सजा होती है, तो उनकी विधानसभा की सदस्यता रद्द हो जाती है। यह मामला 14 साल पुराना है। दिल्ली की एक अदालत में अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने मामले को बिना किसी संदेह के सफलतापूर्वक साबित कर दिया है। न्यायाधीश ने कहा, "अभियोजन पक्ष ने आरोपी आसमा के खिलाफ बिना किसी संदेह के आरोपों को सफलतापूर्वक साबित कर दिया है कि उसने एक लोक सेवक के कार्यों में बाधा पहुंचाई।" अभियोजन पक्ष के अनुसार, आसमा ने चार फरवरी 2009 को शिकायतकर्ता को थप्पड़ मारा था, उस वक्त शिकायतकर्ता दिल्ली के जाफराबाद इलाके में स्थित एस।के।वी स्कूल में प्रिंसिपल के पद पर थीं। अब्दुल रहमान दिल्ली के सीलमपुर से

विधायक हैं। मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल ने विधायक और उनकी पत्नी को भारतीय दंड संहिता की धारा 353/506 (पैरा मैं मैं) आर / डब्ल्यू 34 के तहत दर्ज मामले में दोषी ठहराया। असमा को अतिरिक्त रूप से आईपीसी की धारा 332 के तहत आरोपों में दोषी ठहराया गया था। अब्दुल रहमान को इस मामले में सात साल तक की सजा हो सकती है। जिस मामले के तहत उन्हें दोषी करार दिया गया है, उसमें उन्हें सात साल तक की सजा हो सकती है। इस मामले में दोषी करार दिए जाने के बाद आद विधायक की विधायिकी भी जा सकती है। नियमों के मुताबिक, अगर किसी विधायक को 2 साल से ज्यादा की सजा होती है, तो उनकी दिल्ली विधानसभा की सदस्यता रद्द हो जाती है।

हाई कोर्ट में फैसले को देंगे चुनौती

रहमान का कहना है कि उन पर लगाए गए आरोप गलत हैं। उन्होंने कहा कि वह निचली अदालत के फैसले को चुनौती देने के लिए हाई कोर्ट भी जा सकते हैं, अगर जरूरी हुआ तो।

शिकायकर्ता ने क्या कहा

प्रिंसिपल रजिया बेगम का कहना है कि विधायक की पत्नी असमा ने उन्हें थप्पड़ मारा था। विधायक की बेटी को स्कूटर से स्कूल आने की अनुमति नहीं देने पर असमा ने प्रिंसिपल को थप्पड़ मारा था। रजिया बेगम ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ लोगों के साथ रहमान स्कूल में घुस गए और उन्हें जान से मारने की धमकी दी। विधायक और उनकी पत्नी के वकीलों ने तर्क दिया कि रजिया बेगम द्वारा लगाए गए आरोपों को साबित करने के लिए कोई मेडिको-लीगल सर्टिफिकेट (एमएलसी) रिकॉर्ड पर नहीं रखा गया था। उन्होंने कहा कि घटना के एक दिन बाद एफआईआर दर्ज की गई, जो अभियोजन पक्ष की कहानी पर अविश्वास करने का आधार भी है। हालांकि, अदालत ने कहा कि सभी गवाह सरकारी कर्मचारी थे, इसलिए उन्हें एक विधायक के खिलाफ बयान देना मुश्किल हो सकता था। कोर्ट ने दोनों को दोषी करार देते हुए उनके सभी तर्कों को खारिज कर दिया अब इस मामले की सुनवाई 3 मई को होगी।

गोवा में बीजेपी के 11 ईसाई विधायक, एक को छोड़कर सभी कांग्रेस से आए

पणजी, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। गोवा की 40 सदस्यीय विधानसभा में 16 ईसाई विधायक हैं और इनमें ज्यादातर भाजपा के सदस्य हैं। हालांकि नेताओं और लोगों का मानना है कि सभी ईसाई मतदाता भगवा पार्टी के साथ नहीं हैं। उनके अनुसार लोग व्यक्ति को वोट देते हैं, न कि पार्टी को। हालांकि, बीजेपी ईसाई मतदाताओं तक पहुंचने की पुरजोर कोशिश कर रही है, जो तटीय राज्य में राजनीतिक समीकरण बदल सकते हैं। भाजपा के पास अभी 11 ईसाई विधायक हैं। जोशुआ डी सूजा को छोड़कर, बाकी सभी विधायक कांग्रेस से भगवा पार्टी में आए हैं। जोशुआ डी सूजा के पिता, दिवंगत फ्रांसिस डी सूजा, पहली बार 1999 में गोवा राजीव कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार के रूप में विधायक चुने गए थे। बाद में 2002, 2007, 2012 और 2017 में उन्होंने भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा। 2019 में उनकी मृत्यु के बाद, जोशुआ डी सूजा 2019 के उपचुनाव में भाजपा के टिकट पर निर्वाचित हुए। वह वर्तमान में गोवा विधानसभा के उपाध्यक्ष हैं, जो 2022 में दूसरी बार जीते थे। फरवरी 2022 के विधानसभा चुनावों के बाद, भाजपा ने जोशुआ डी सूजा, अटानासियो मोनसेरेट और उनकी पत्नी जेनिफर मोनसेरेट, मौविन गोडिन्हो और नीलेश कैबरल को चुना। पार्टी को निर्दलीय विधायकों एंटोनियो वास और अलेक्सी लोरेंको का भी समर्थन मिला। लोरेंको पूर्व कांग्रेसी हैं, जिन्होंने पार्टी छोड़ दी थी और तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए थे। लेकिन विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने तृणमूल भी छोड़ दी और निर्दलीय चुनाव लड़ा। सितंबर 2022 में, पूर्व मुख्यमंत्री दिगंबर कामत, माइकल लोबो, डेलिलाह लोबो, केदार नाइक, संकल्प अमोनकर, राजेश फलदेसाई, अलेक्सो सिकेरा और रुडोल्फ फर्नांडीस कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हो गए, इससे 40 सदस्यीय राज्य विधानसभा में कांग्रेस के मात्र तीन विधायक रह गए। ईसाई समुदाय के 16 विधायकों में से कांग्रेस विधायक व विपक्ष के नेता यूरी अलेमाओ, कार्लोस अल्वारेस फरेरा और अल्टोन डी कोस्टा, और आप विधायक वेंजी विगास और क्रूज सिल्वा विपक्षी पक्ष में रह गए हैं। आठ विधानसभा क्षेत्रों वाला सलकेते तालुका कभी कांग्रेस का गढ़ हुआ करता था। इस तालुका पर नजर गड़ाए भाजपा ने अपने उम्मीदवारों को चुनने की कोशिश की थी, लेकिन 2022 में नवेलिम निर्वाचन क्षेत्र से केवल एक सीट ही जीत सकी थी। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने चुनाव के बाद कहा था कि जैसे उन्होंने सलकेटे से एक सीट जीती है, अब वे सात अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में पैठ बनाना शुरू करेंगे। दिवंगत मुख्यमंत्री मनोहर परिकर ने भी पैर जमाने के लिए 'मिशन सलामते' की शुरुआत की थी, लेकिन तब कुछ खास नहीं हुआ। सालकेटे ने हमेशा कांग्रेस को सरकार बनाने में फायदा पहुंचाया है क्योंकि उनके अधिकांश उम्मीदवार यहां से जीतते थे। इस तालुका को गोवा की राजनीति में गेम चेंजर माना जाता है।

सूडान से सुरक्षित लौटे पांच हिमाचली, परिजनों की आंखों से छलके खुशी के आंसू

शिमला, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। सूडान में ऑपरेशन कावेरी के सफल ऑपरेशन के बाद हिमाचल प्रदेश के पांच लोग सुरक्षित लौट आए हैं। हमीरपुर के रोहित वर्मा, शिमला की नीकिता ठाकुर, ऊना के दयाल सिंह और कांगड़ा के मनोहर लाल को रेस्क्यू किया गया है। पहले इन्हें सूडान में सुरक्षित केंद्रों तक पहुंचाया गया। पोर्ट सूडान से इन लोगों को सउदी अरब के जेद्दा ले जाया गया। भारत ने जेद्दा में ट्रांजिट प्वाइंट बनाया है। इसके बाद इन्हें हवाई जहाज में स्वदेश लाया गया। बता दें कि सूडान की राजधानी खार्तूम और पड़ोसी क्षेत्रों में सेना और अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स के बीच 15 अप्रैल से संघर्ष जारी है। सड़कों पर लड़ाई के पहले दिन कई विमान क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। भारतीयों को उस हवाई अड्डे से बाहर निकालना संभव नहीं था।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 1 मई- 2023

कानून का कसता शिकंजा

भारतीय कुश्ती महासंघ यानी डब्लूएफआइ के अध्यक्ष और यूपी के गोंडा के रहने वाले सांसद बृजभूषण शरण सिंह कितने ताकतवर है इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विश्व में नाम रोशन करने वाली सात महिला पहलवानों को धमकी और शोषण के आरोपों पर एफआईआर दर्ज कराने के लिए लंबे समय तक जद्दोजहद करना पडा। जब मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा तब कोर्ट के आदेश पर दिल्ली पुलिस ने सांसद के खिलाफ दो प्राथमिकी दर्ज की। बता दें कि बाहुबली सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर लगे आरोपों के बावजूद कोई कार्रवाई नही हो रही थी। इसी से गुस्साई महिला पहलवानों ने आंदोलन का रास्ता चुना। इसके पहले जनवरी में भी दिल्ली के जंतर-मंतर पर इन्हीं पहलवानों ने धरना आंदोलन कर सार्वजनिक रूप से अपना रोष जाहिर किया था। उस समय केंद्रीय युवा और खेल मामलों के मंत्री अनुराग ठाकुर ने जब जल्द ही उचित कार्रवाई सुनिश्चित कराए जाने का आश्वासन दिया तो महिला पहलवानों ने अपना विरोध प्रदर्शन वापस ले लिया था। जब तीन महीने बीतने के बाद भी इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई तो महिला पहलवानों के सब्र का बांध टूट गया, और उन्होंने एक बार फिर दिल्ली के जंतर मंतर पर अपना विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एफआइआर के उनके अनुरोध पर तत्काल सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया और शीर्ष अदालत ने संज्ञान लेकर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर पूछा कि मामला दर्ज क्यों नहीं किया गया है, तब जाकर शुक्रवार को अदालत को प्राथमिकी दर्ज किए जाने की सूचना दी गई। बृजभूषण पर केस दर्ज होते ही आधी रात में पहलवान बजरंग ने कहा कि अब पुलिस धमका रही है कि न खाना आने देंगे न पानी! बहरहाल, पुलिस ने अब जिन शिकायतों पर प्राथमिकी दर्ज करने की बात कही है उनके कानूनी रूप से ठोस आधार थे। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि इस मसले के उठने के बाद भी दिल्ली पुलिस ने कानूनी कार्रवाई शुरू करने में इतना लंबा समय क्यों लगाया? हैरानी की बात यह है कि इस मामले में शिकायत सामने आने पर संवेदनशील तरीके से कार्रवाई करने के बजाय पुलिस की ओर से यहां तक कहा गया कि प्राथमिकी दर्ज करने से पहले आरोपों की जांच करने की जरूरत होगी। पूछा जा सकता है कि क्या पुलिस इस तरह की सभी शिकायतों के मामले में ऐसा ही मापदंड अपनाती है। अगर कानून की नजर में सब बराबर हैं, तो ताकतवर व रसूखदार आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर पुलिस शिथिल क्यों पड जाती है? पुलिस जांच के पैमाने अलग-अलग क्यों हो जाते हैं? इसे तो एक तरह से आरोपी को बचाने की कोशिश और कानून के शासन को सवालों के कटघरे में खड़ा करना ही माना जाना चाहिए? शायद इसीलिए इस मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली और उसके ढीले रवैए को लेकर उंगली उठाई जा रही है। जाहिर है पुलिस की कार्रवाई पद और कद को देख ही की जाती है। बृजभूषण शरण सिंह अगर अपने ऊपर लगे यौन-उत्पीड़न के आरोपों से इनकार कर रहे हैं तो सबसे पहले उन्हें संगठन और अपनी गरिमा का खयाल रखते हुए कोई स्पष्ट फैसला आने तक के लिए अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। इसके साथ ही कानूनी प्रक्रिया में पूरा सहयोग करना चाहिए। लेकिन बृजभूषण सिंह जो कर रहे हैं उसे पूरी दुनिया देख रही है। देखा जाए तो इस समूचे प्रसंग में एक अहम पक्ष यही है कि जिस कद और पद के व्यक्ति के खिलाफ महिला पहलवानों ने यौन उत्पीड़न जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं, उसमें ज्यादा शिद्दत से कार्रवाई की जरूरत है। ताकि वह एक नजीर बन सके। अंतरराष्ट्रीय पटल पर सबसे महत्त्वपूर्ण खेलों के रूप में कुश्ती के क्षेत्र में देश को आगे बढ़ाने की कमान जिस व्यक्ति के हाथ में है, अगर वही यौन उत्पीड़न जैसे जघन्य और शर्मनाक आरोपों के कटघरे में खड़ा है, तो उसके नेतृत्व में इस खेल और इसके खिलाड़ियों के भविष्य की कल्पना की जा सकती है। ऐसे में आज ऐसे कार्रवाई की जरूरत महसूस की जा रही है कि आरोपी के खिलाफ पुलिस और कानून अपना काम ईमानदारी से करे। यदि ऐसा न कर लीपापोती होती है तो फिर लोग अपने बच्चों को खेल के मैदान में उतारने से पहले सौ बार सोचेंगे।

हादसे रोकने के लिए कानून में सुधार जरूरी

रघु ठाकुर

पिछले दिनों इंदौर में एक बावड़ी के धसक जाने से बड़ी दुर्घटना हुई थी, जिसमें प्राप्त जानकारी के अनुसार 40 के आसपास लोग मौत के शिकार हो गये। इस दुर्घटना का कारण एक बावड़ी थी, जिसके पास में बालेश्वर मंदिर था। इस मंदिर को लेकर जो ट्रस्ट बना उसके अध्यक्ष श्री सेवाराम गिलानी और सचिव श्री मुरली कुमार सोमनानी ने अपने धार्मिक आयोजन के लिये बावड़ी के ऊपर गटर डालकर उसे बंद कर दिया और घटना के दिन जो बड़ी संख्या में भीड़ उमड़ी उससे बावड़ी के ऊपर को जो कमजोर ढांचा था फर्श आदि लगे थे वे सभी टूट कर बावड़ी में गिर गये। इस हादसे में 15 सिन्धी परिवारों, 11 पटेल समाज के लोग और कुछ अन्य लोग शिकार हुये। म.प्र. के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह जी ने 2 अप्रैल 23 को कलेक्टरों को वर्चुली संबोधित करते हुये कहा कि कुँये व बावड़ी को चिन्हित कर सूची बनाई जाए और जिन कुओं एवं बावड़ी को बिना भरे बंद कर दिया गया है जैसा कि इंदौर में हुआ उनकी सुरक्षा के लिये बाउंडरी वॉल फेंसिंग या मुंडेर बनवाई जाए। कितनी बावड़ियों और कुंओं की बाउंडरी बन सकेगी या फेंसिंग हो सकेगी यह कहना कठिन है परन्तु प्रदेश की जनता को एक वक्ती संतोष तो मिल ही जायेगा कि मुख्यमंत्री जी चिंता कर रहे और आदेश दे रहे हैं। हालांकि हमारे देश में यह परंपरा जैसी बन गई है कि जब भी कोई हादसा बावड़ी धंसने का या भीड़ में कुंचलकर मरने का हो घटना के तुरन्त बाद सरकार के जिम्मेवार लोग कुछ दिन अपने बयानों से पीड़ित परिवारों के जख्म भरते हैं और फिर कुछ समय बाद मीडिया के शोक पर्व के पूरा होने के बाद उनकी सारी चिन्तायें और आंसू सूख जाते हैं और विषय बदल जाते हैं। ऐसी घटनायें प्रदेश में या देश में प्रथम बार नहीं हुई। कितने बड़े-बड़े मंदिरों की परिक्रमा करने वाले लोग भीड़ की मौत के शिकार हुये। ग्वालियर के पास रतनगढ़ मंदिर के पास का बना नया पुल ही बह गया था और कितने ही लोग जो दर्शन करने के लिये गये थे मौत के शिकार हुये थे। सरकारी खजाने या जनता के पैसे से पीड़ितों के परिवार को मुआवजा दे दिया जाता है परन्तु दुर्घटनाओं की जवाबदारी तय नहीं हो पाती और अपराधियों को दण्ड नहीं मिल पाता। कम से कम मुझे तो स्मरण नहीं है कि ऐसी घटनाओं के लिये जिम्मेवार मंदिर मस्जिद के मुखिया या संस्थाओं के जिम्मेवार लोगों को दण्ड मिला हो। और तो छोड़िये कितने ही निरीह और गरीब लोग सम्पन्न लोगों के बेटों की बड़ी-बड़ी गाड़ियों की रफ्तारों और शराबखोरी के शिकार हो जाते, परन्तु उनके हत्यारे दोष मुक्त हो जाते हैं। जैसे कुछ वर्ष पूर्व डी.सी.एम. के मालिक नंदा ने कार चढ़ाकर सड़क पर सोने वाले अनेक गरीबों को मार दिया था। यहां तक कि कार को रोकने का प्रयास करने वाले एक होम गार्ड के जवान पर भी गाड़ी चढ़ा दी थी परन्तु वह बरी हो गये। हमारा समाज इतना संकीर्णवादी है कि जब नंदा साहब के नाती को जमानत मिली और वह रिहा हुये तो उनके स्वागत के लिये पांच सितारा होटल में एक विशाल पार्टी का आयोजन हुआ और सड़कों पर बड़े-बड़े महंगे-महंगे बैनर और होर्डिंग्स लगाये गये जिनमें लिखा था बैक नंदा याने हत्यारों का स्वागत। ऐसे अनेक प्रकरण देश में हुये हैं जिनमें बड़े लोग या उनके बच्चों ने बेलगाम रफ्तार से गाड़ी चलाकर गरीबों को मार दिया। एक फिल्मी हीरो सलमान खान ने फुटपाथ पर सोते हुये लोगों पर देर रात, नशे में चूर अपनी कार चढ़ा दी थी और गरीब लोग मारे गये थे परन्तु वह अभी भी आजाद है। अभी हाल ही में ग्वालियर प्रवास के समय मुझे एक गरीब व्यक्ति और उसकी पत्नी मिली थी जिसका नाम हरनाम सिंह है। उसका एक ही बेटा था और उसके बेटे उज्जवल के ऊपर 6 मार्च को सुबह जब वह प्रेस्टीज कॉलेज से वापिस आ रहा था उसकी माँ के अनुसार कोई रूचि गुप्ता ने गाड़ी से टक्कर मार दी और फिर उसके ऊपर से गाड़ी निकाल दी। जिससे उज्जवल की मौत हो गई। आश्चर्य की बात है कि लगभग दो माह होने को आया परन्तु पीड़ित माता और पिता को कोई न्याय नहीं मिला। यहां तक कि पुलिस भी केवल टाल-मटोल कर रही है तथा अभी तक किसी अपराधी को पकड़ा नहीं गया। दरअसल ऐसी निरीह हत्यायों के बचाव में व्यवस्था और कानून दोनों काम आते हैं। चूंकि यह हत्यारे बड़े अमीर राजनैतिक रसूख वाले होते हैं इसलिये इनके पैसे और राजनैतिक दबाव में तंत्र बजाय अपराधियों को दण्ड दिलाने के उन्हें बचाने में लग जाता है। अपवाद छोड़कर मीडिया भी गरीबों के पक्ष में देर तक खड़ा नहीं रहता। ऐसी हत्यायों के अपराधियों के लिये भारतीय दंड संहिता की धारा 304 (ए) एक वरदान बन गई। इस धारा में निरूउद्देश्य हत्या, मर्डर विदाऊट इटेंसन का प्रावधान है और इसका लाभ उठाकर ऐसे हत्यारों को काफी राहत मिल जाती है। उन्हें तत्काल जमानत भी मिल जाती है और मामूली सजा या जुर्माना देकर वह बरी हो जाते हैं। ये बड़े परिवारों के हत्यारे अपने अपराध को छिपाने के लिये अपनी गाड़ियों के चालकों को अपराधी बना देते हैं। वैसे वह अनैतिक ताकत के आधार पर उनके ऊपर 304 का मुकदमा दायर करा देते हैं और अपने स्थान पर यदि सजा काटना हो तो गरीब आदमी को सजा काटने के लिये जिम्मेवार बना देते हैं और उसके बदले में उसे 10-20 लाख रूपये दे देते हैं। ड्राईवर जानता है कि वह उनके नाम से जुर्म कुबूल नहीं करेगा तब भी उसे सजा तो मिलेगी ही नौकरी व पैसा भी जायेगा। परन्तु झूठा जुर्म कबुलने या दण्ड स्वीकार करने से थोड़ा सा समय जेल में जायेगा, नौकरी पक्की रहेगी, मालिक का वफादार रहेगा और पैसा भी मिल जायेगा। जो व्यक्ति दुर्घटना के शिकार होते हैं वह तो न इतने सक्षम होते हैं कि घटना की कोई फोटोग्राफी कर सकें और ऐसी घटनायें पूर्व सूचना देकर नहीं घटती है। हमारे देश की न्यायपालिका ने अभी तक इस पहलू पर विचार करके वास्तविक अपराधियों को दण्ड मिले इसका रास्ता नहीं खोजा है और विधायकि का तो सवाल ही नहीं। क्योंकि विधायिका में चुनकर जाने वाले लोग इन अमीरों के चंदे से चुनकर आते तथा उनके मानसिक दास जैसे हो जाते हैं। सरकारों के लिये भी ऐसी हत्यायें कोई मुद्दा नहीं है बल्कि वे तो जनता के खजाने से मुआवजा दे कर यश बटोरते हैं अपराध कोई और करता है दण्ड आम जनता भुगतती है क्योंकि जनता के टैक्स से मुआवजा दिया जाता है।

मेरी राय में अब उपयुक्त समय है जब इस संबंध में कानून सुधार याने धारा 304 (ए) में सुधार पर न्यायपालिका, विधायिका, सत्ता और समाज सभी को विचार करना चाहिये। क्या जिन लोगों ने बावड़ी को बिना भरे मामूली गाटर डाल कर बंद कर दिया और हजारों की भीड़ को आमंत्रित किया क्या वे उद्देश्य पूर्ण अपराधी नहीं है? क्या इस भयानक लापरवाही को जिसने 40-50 लोगों की जान ले ली को सउद्देश्य पूर्व अपराधी नहीं माना जाना चाहिये। जो कार के चालक शराब पीकर 150 कि.मी. प्रतिघंटे की रफ्तार से देर रात में गाड़ियां चलाते हैं उन्हें उद्देश्य पूर्व हत्यारा नहीं माना जाना चाहिये। मेरी राय में धारा 304 (ए) में निम्न सुधार होना चाहिए। (अ) जो बगैर संदेह के निरूद्देश्य घटना हो जिसमें किसी की जान चली जाए। मसलन किसी बस या गाड़ी का अगर अचानक ब्रेक फैल हो जाये और उस ब्रक की भी समुचित समय सीमा में जांच होकर ठीक पाया गया हो तभी उसे 304 (ए) का लाभ मिले।

साथ ही जिन व्यक्तियों ने ब्रेक आदि की जांच कर रपट दी है और यदि झूटी रपट दी है तो उन्हें भी सह अपराधी बनाया जाना चाहिये। (ब) 304 (ब) की भी एक धारा हो जिसमें ऐसे अमीर अपराधियों को वास्तविक अपराध का दंड देने के प्रावधान बनाये जाये। यह भी प्रावधान बनाये जाये कि किसी गाड़ी का ड्राईवर यह स्वीकार करता है कि वह गाड़ी नहीं चला रहा था बल्कि उसका मालिक चला रहा था तो मालिक को 302 में दंडित किया जाये। ड्राईवर के सत्य बयान व बचाव तथा भविष्य के लिये पीड़ित परिवार के साथ-साथ ड्राईवर को भी 5-10 लाख का मुआवजा जो उसके आगामी 5-10 साल के वेतन के बराबर हो देने का नियम बनाया जाए तथा ऐसे ड्राईवर को राज्य पुरूस्कृत भी करें। (स) सरकार कानून बनाकर कार या मोटर साईकिल आदि बनाने वाली कम्पनियों को किसी भी हालत में गति 20-80 कि.मी. प्रतिघंटे नियंत्रित कर सीमित रखने निर्देश निर्देशित करें और 150 - 200 कि.मी. की रफ्तार वाली गाड़ियों पर प्रतिबंध लगायें। यह चंद सुझाव है ऐसे और भी सुझाव हो सकते हैं सरकार को चाहिये कि सार्वजनिक रूप से इस बारे में सुझाव आमंत्रित करें और एक निशचित समय सीमा तात्पर्य अधिकतम 2-3 माह में प्राप्त सुझावों के आधार पर कानून में सुधार करें।

सदियों में होते हैं मधु लिमये जैसे जन नेता

आर.के. सिन्हा

मधु लिमये उन नेताओं में से थे जिनसे कुछ बिन्दुओं पर मतभेद होने पर भी आप उनका सम्मान करना नहीं छोड़ पाते। उनके ज्ञान और सादगी से आप बिन प्रभावित हुए नहीं रह सकते थे । वे एक उद्भट् विद्वान, चिंतक, देश विदेश के राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, ज्वलंत समस्याओं और उसके निदान पर विपुल साहित्य के रचनाकार थे। उनकी बुद्धिमत्ता, प्रखरता, ध्येयनिष्ठा और समर्पण के कारण 25 वर्ष के मधु लिमये को जयप्रकाश नारायण, डॉक्टर लोहिया ने एशियन सोशलिस्ट कॉन्फ्रेंस का सचिव बनाकर रंगून भेजा। 1947 में एंटवर्प मे सोशलिस्ट इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में के रूप में इन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया। मधु लिमये मूल रूप से पुणे के थे। एक मराठी व्यक्ति का बिहार से चार बार चुनाव जीतना अपने आप में अनोखा है। राज्यसभा में ऐसे कई दूसरे नेता हुए हैं, लेकिन लोकसभा में ऐसे उदाहरण कम ही देखे गए हैं। लिमये का बचपन महाराष्ट्र में बीता, उनकी पूरी पढ़ाई भी वहीं से हुई, वो महाराष्ट्र की राजनीति में भी सक्रिय थे। लिमये समाजवादी विचारधारा से आते थे और गोवा लिबरेशन जैसे अनेक आंदोलनों का भी हिस्सा बने थे। लेकिन जब राष्ट्रीय राजनीति में उन्होंने क़दम रखा तो चुनाव लड़ने के लिए बिहार ही चुना। पहली बार वो 1964 में मुंगेर से उप चुनाव जीतकर संसद पहुंचे थे। 1964 में, सोशलिस्ट पार्टी और प्रजा सोशलिस्ट पार्टी का विलय हुआ और यूनाइटेड सोशलिस्ट पार्टी बनी थी। मधु लिमये पहली बार यूनाइटेड सोशलिस्ट पार्टी के टिकट पर लोकसभा गए थे। इस जीत के बाद, वह यूनाइटेड सोशलिस्ट पार्टी के संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष भी बने। मधु लिमये के दिल में बसता था बिहार जहाँ से लोकसभा में पहुंचे थे। उन्हें बिहार के समाज और संस्कृति की गहरी समझ थी। मधु लिमये ने एक बार बताया था कि गर्मियों में बिहारियों को लगातार मीठे आम मिल जाएं तो वह तृप्त हो जाते है। इसी क्रम में वे जर्दालु आम के स्वाद पर बोले। उन्होंने बताया था कि जर्दालु आम का स्वाद और खुशबू अद्वितीय होती है। स्वतंत्रता संग्राम के योद्धा, तीन विदेशी साम्राज्यों ब्रिटिश, पुर्तगाली, नेपाली हुकूमत की बर्बरता के खिलाफ लड़कपन से ही जूझने वाले मधु लिमये सच्चे गांधीवादी थे। उन्हें 1940 में विश्व युद्ध के समय 18 वर्ष की उम्र में अंग्रेज हुकूमत के खिलाफ भाषण देने के कारण एक साल के सश्रम कारावास की सजा मिली। भारत छोड़ो आंदोलन मे 1943 में गिरफ्तार होने पर 1945 में जेल से छूटे। 1955 में गोवा मुक्ति आंदोलन में भाग लेने के कारण 12 वर्ष की सजा सुनाई गई। 1958 में सोशलिस्ट पार्टी के अध्यक्ष बने। उन्होंने नागरिक आजादी के हक में, गैर बराबरी, जुल्म, अन्याय, जातिवाद, सांप्रदायिकता के खिलाफ तथा समाजवादी व्यवस्था की स्थापना में अपनी जिंदगी खपा दी। जन सवालों के लिए संघर्ष करने के कारण 1959 में हिसार (पंजाब) पहुंचे और 1968 में लखीसराय (बिहार) तथा 1970 में मुंगेर, बिहार । भारतीय संसद के इतिहास में मधु जी ने एक और ऐतिहासिक कार्य 1975 में आपातकाल लागू होने के बाद संसद की अवधि 5 साल के स्थान पर 6 साल करने को असंवैधानिक घोषित करते हुए, संसद सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। वे सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी, त्याग, सादगी मितव्ययिता के उच्च मानदंड, के प्रतीक भी हैं। उन्होंने समाजवादी दर्शन, सिद्धांत, विचारों, नीतियों को न केवल गढ़ा उसको अमलीजामा देने, हजारों कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने और उस मार्ग पर चलने के लिए तमाम उम्र अलख भी जगाई। मधु जी की जीवन संगिनी आदरणीय चंपा लिमये के योगदान और त्याग को भी हम कभी भुला नहीं सकते। मधु लिमये के राजधानी के नार्थ एवेन्यू, वेस्टर्न कोर्ट और पंडारा रोड के घरों में शाम को अवश्य ही बैठकी जमती। उसमें दिल्ली यूनिवर्सिटी तथा जेएनएयू के अध्यापक,विद्यार्थी, संपादक और उनके अन्य मित्र हुआ करते थे। उनके घर में आने वाले अतिथियों को चाय चंपा जी ही बनाकर पिलाया करती थीं। गर्मियों में सुराही का पानी पीकर लोग अपनी प्यास बुझाते थे। सन 1995 में मधु जी की मृत्यु के बाद पंडारा रोड का घर खाली कर दिया गया। चंपा जी मुंबई चली गईं अपने बेटे के पास। इस बीच, पंडारा रोड में रहने वाले लिमये जी के नाम पर एक सड़क का नामकरण चाणक्यपुरी इलाके में हुआ। यह बात समझ से परे है। मधु जी के नाम पर जनपथ, पंडारा रोड या लोधी रोड के आसपास ही किसी सड़क का नाम रखा जा सकता था। मधु लिमये चार बार लोकसभा सांसद रहे पर स्वतंत्रता सेनानी और पूर्व सांसद की पेंशन कभी नहीं ली। लेखन कार्य के मेहनताने से ही ज़िंदगी चलाते थे। सिद्धांत से कभी समझौता नहीं किया। दो बार विदेश मंत्री बनने का प्रस्ताव ठुकराया। लोकसभा चुनाव हारने पर राज्यसभा में जाने से इंकार किया। मधु जी को सत्ता का मोह विचलित नहीं कर सका। वे महात्मा गांधी, आचार्य नरेंद्र देव, जयप्रकाश नारायण, डॉ राम मनोहर लोहिया, अच्युत पटवर्धन, युसूफ मेहर अली की परंपरा के वारिस की भूमिका को भी आपने बख़ूबी निभाया। उन्होंने अपने जीवन में न्यूनतम लिया अधिकतम दिया और श्रेष्ठतम जिया। मधु जी के सरकारी निवास में भारत के तीन-तीन प्रधानमंत्री बने नेता चौधरी चरण सिंह, वीपी सिंह और चंद्रशेखर अक्सर सलाह मशवरा करने के लिए आते थे। मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों, संसद सदस्यों, एमएलओ की तो कोई गिनती ही नहीं थी। मधु जी को कला और संगीत की भी गहरी समझ थी। उनके पास भीमसेन जोशी, कुमार गंधर्व, मलिकार्जुन मंसूर,डागर बंधु, जितेंद्र अभिषेकी, गंगूबाई हंगल, यामिनी कृष्णमूर्ति , सोनल मानसिंह, उमा शर्मा जैसे अनेकों कलाकार संगीत की बारीकियों पर चर्चा करने के लिए आया करते थे। मधु जी के घर में सरकारी बैंत का फर्नीचर बिछा रहता था। उनके पास एक पुराने किस्म का एक टेप रिकॉर्डर था। आनंद के हिलोरे लेने के लिए वे अपने मनपसंद कैसेट को लगाकर शास्त्रीय संगीत सुनते थे। कई बार उनके मित्र, अनुयायी उनसे शिकायत करते कि मधु जी बड़ी गर्मी है, हम आपके लिए एयर कंडीशन ला देते हैं, फ्रिज भिजवा देते हैं। परंतु मधु लिमये की प्यास और चाहत कुछ अलग ही थी। उन्होंने लिखा है शेक्सपियर की सभी रचनाओं, महाभारत और ग्रीक दुखांत रचनाओं के साथ मुझे एकांत आजीवन कारावास भुगतने में खुशी होगी। और अगर जीवन के अंत तक मुझे यह अवसर नहीं मिला तो संत ज्ञानेश्वर की रचनाओं को पढ़ने की मेरी प्यास अतृप्त रहेगी। बहरहाल, मधु जी के संघ की सोच से कुछ बिन्दुओं पर मतभेद थे। संघ की भी उनसे कुछ विषयों पर असहमति थी। लोकतंत्र में यह सब सामान्य है और इसका स्वागत होना चाहिए। पर मधु लिमये भारत की राजनीति को अपनी ईमानदारी, ज्ञान और सादगी से प्रभावित करते रहेंगे।

अपने अंतर्ज्ञान का पालन करें

डॉ. माधवी बोरसे

अंतर्ज्ञान यह समझाने में सक्षम हुए बिना कुछ जानना है कि आप तर्कसंगत रूप से उस निष्कर्ष पर कैसे पहुंचे। यह वह रहस्यमय आंत्यभावना या वृत्ति है जो अक्सर पूर्वव्यापी में सही हो जाती है। जब आप अपने विकल्पों को कम कर देते हैं और एक चौराहे पर फंस जाते हैं, तो अपने अंतर्ज्ञान के संपर्क में रहने से मदद मिल सकती है। आप अपने अंतर्ज्ञान को विकसित करने के लिए व्यायाम करके अपने सहज ज्ञान युक्त उपहारों को सर्वश्रेष्ठ बना सकते हैं, यह जानकर कि किस प्रकार की परिस्थितियाँ सहज निर्णयों को बुलाती हैं, और यह जानने के लिए कि आपका अंतर्ज्ञान कैसा महसूस करता है और कार्य करता है। अपनी भावनाओं के बारे में लिखें। अपनी भावनाओं के संपर्क में रहने और अपने सहज पक्ष को अनलॉक करने के लिए एक डायरी रखना एक शानदार तरीका हो सकता है। आप जो कुछ भी महसूस कर रहे हैं या जिसके बारे में सोच रहे हैं उसे लिखें, तर्कसंगतता या अपनी आंतरिक आवाज के बारे में चिंता किए बिना। चेतना लेखन की धारा, या आपके दिमाग में आने वाले पहले शब्द या विचार को केवल लिख देना, आपके अवचेतन मन में क्या चल रहा है, इसके बारे में अधिक जागरूक होने में आपकी मदद कर सकता है। ध्यान आपके शरीर द्वारा आपको भेजे जा रहे सहज ज्ञान युक्त संकेतों के साथ अधिक तालमेल बिठाने में आपकी मदद कर सकता है। अपनी शारीरिक स्थिति के बारे में अधिक जागरूक बनने में मदद करने के लिए कुछ बुनियादी ध्यान तकनीकों का प्रयास करें। ध्यान करने के लिए एक शांत और आरामदायक जगह खोजें जहाँ आप परेशान या विचलित न हों। एक आरामदायक स्थिति में बैठें, अपनी आँखें बंद करें और अपनी श्वास की संवेदनाओं पर ध्यान केंद्रित करें। यदि आपका मन भटकता है, तो धीरे से अपना ध्यान अपनी श्वास पर केंद्रित करें। बॉडी स्कैन करने का प्रयास करें। लेट जाओ, अपनी आँखें बंद करो, और मानसिक रूप से अपने शरीर के प्रत्येक भाग पर बारी-बारी से ध्यान केंद्रित करो, पैर की उंगलियों से शुरू होकर अपने सिर के ऊपर तक जाओ। अपने शरीर के प्रत्येक भाग में होने वाली किसी भी संवेदना से अवगत रहें और किसी भी तनावग्रस्त मांसपेशियों को आराम करने के लिए सचेत प्रयास करें। जब आप कर लें, तो कुछ मिनट के लिए अपने पूरे शरीर पर ध्यान दें। अपनी श्वास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कुछ मिनट निकालें। खुद को विचलित करें। हालांकि यह अतार्किक लग सकता है, व्याकुलता वास्तव में आपको निर्णय लेने में मदद कर सकती है। आपका मस्तिष्क अवचेतन स्तर पर जानकारी को संसाधित करता है, भले ही आप उस पर सक्रिय रूप से ध्यान केंद्रित नहीं कर रहे हों या उसके बारे में सोच रहे हों। यदि आपको निर्णय लेने में कठिनाई हो रही है, तो कुछ समय के लिए कुछ और करें। फिर समस्या पर लौटें, और उस निर्णय के साथ चलें जो सही लगता है। नींद हमारे शरीर और दिमाग को आराम देने और मरम्मत करने के लिए महत्वपूर्ण है, और यह उन सूचनाओं को संसाधित करने में भी मदद करती है जो हम दिन के दौरान लेते हैं। अगर आपको निर्णय लेने में परेशानी हो रही है, तो इसे एक तरफ रखकर कुछ नींद लेने की कोशिश करें। जब आप जागते हैं, तो आप पा सकते हैं कि आपके अंतर्ज्ञान ने आपको निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया है। अपने ज्ञान और सामान्य ज्ञान का प्रयोग करें। यदि आप एक अपरिचित स्थिति में हैं, एक जटिल समस्या को हल करने की कोशिश कर रहे हैं, या एक महत्वपूर्ण निर्णय लेने की आवश्यकता है, तो कुछ शोध करें या अपनी आंत को संभालने से पहले सलाह लें। यदि आप व्यावहारिक ज्ञान, उचित अपेक्षाओं और अपने विकल्पों की समझ के साथ इसका उपयोग करते हैं तो आपका अंतर्ज्ञान आपके लिए बेहतर काम करेगा। परिचित स्थितियों में अपने अंतर्ज्ञान को सुनें। पैटर्न पहचानने में हमारा दिमाग बहुत अच्छा है। यह हमें जल्दी और बिना ज्यादा सोचे-समझे निर्णय लेने की अनुमति देता है। साइकिल चलाते या चलाते समय आपने शायद इस प्रकार के अंतर्ज्ञान का उपयोग किया होगा। एक बार जब आप किसी चीज़ का कुछ बार अभ्यास कर लेते हैं (जैसे भाषण देना, संगीत का प्रदर्शन करना, या कोई खेल खेलना), तो जाने देने की कोशिश करें और अपने नोट्स का हवाला देने, घड़ी को देखने, या सोचने के बजाय अपने अंतर्ज्ञान को हावी होने दें। हर कदम। अपने स्वास्थ्य के बारे में अपनी प्रवृत्ति को सुनें। आप अपने शरीर को किसी और से बेहतर जानते हैं।

नौ मन तेल भी होगा न राधा नाचेगी

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक दिन चाचा की बातें सुन नौ मन तेल वाली कहावत उल्टी पड़ गयी। उन्होंने कहा -'सुनो एक छोटी सी खाद्य तेल कंपनी की दुकान खोल लो।'यह बात कोई और कहता तो मैं हल्के में ले लेता। लेकिन यह बात किसी और ने नहीं खुद मेरे चाचा जी ने कही। वह भी सरकारी। ऊपर से अनुभवी। पशु चिकित्सक अधिकारी हैं। उनके ठप्पे के बिना एक भी मवेशी इधर से उधर नहीं हो पाता। ठप्पों के दम पर उन्होंने कोठी पर कोठी खड़ी कर दी है। जबरन फंसे मोटे-मोटे सोने के छल्लों वाली अंगुलियों से मेज पर सहकारिता संगीत बजाते हुए आगे कहने लगे – 'उससे होगा यह कि मैं मृत मवेशियों की सड़ी गली लाशें मुफ्त में उपलब्ध करवा दिया करूँगा। जब कभी तेल के दाम बढ़ते रहेंगे, हम उनका तेल निकालकर आकर्षक स्टिकर वाले डिब्बे में भरकर बेच दिया करेंगे।' मैं कुछ गम्भीर हुआ और बात को वैयक्तिक धरातल से ऊपर खींचकर राष्ट्रीय धरातल पर ले गया, 'इससे तो देश में स्वास्थ्य का स्तर बहुत गिर जाएगा। लोग बीमार पड़ सकते हैं' वे मुझसे अधिक गम्भीर हो गये। स्वास्थ्य अधिकारी से खिसक कर नेताई मुद्रा में बोले, "स्वास्थ्य स्तर गिरना बुरा है या मरना? मैंने उनके प्रश्न पर विचार किया और बोला, मरना बुरा है। स्वास्थ्य बिगड़ने से एक बार के लिए ठीक हो सकते हैं, लेकिन मरने पर वह संभावना भी नहीं रहती। "तो ठीक है,₹ उन्होंने प्रसन्न होकर कहा, "मात्र स्वास्थ्य का स्तर गिरेगा, मरेंगे तो नहीं न। यही तो देश का निर्माण है। देश का मतलब आर्थिक स्थिति से है। लोग बीमार पड़ेंगे तो अस्पताल जायेंगे। वहाँ से मेडिकल स्टोर। अस्पताल में डॉक्टर, नर्स, कंपाउंडर और उससे जुड़े कर्मचारियों के हाथों में रुपया-पैसा खिलेगा। मेडिकल से दवा कंपनियों में काम करने वाले असंख्य कर्मचारियों का धंधा जोरों से चलेगा। बाजार में रुपया-पैसा नाचने-झूमने लगेगा। देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होने लगेगी।₹ मैं उनके उपाय से बहुत प्रभावित हुआ। मुझे लगा, बात बहुत सही है। देश के विकास यज्ञ में ऐसे खाद्य तेलों का उत्पादन बहुत जरूरी है। तेल अच्छा होगा तो लोग बीमार कैसे पड़ेंगे? बीमार नहीं पड़ेंगे तो अस्पताल, मेडिकल, दवा कंपनी कैसे जियेंगे। स्वस्थ रखने के लिए कोई न कोई मिल जाएगा। बीमार करने वाले भी तो होने चाहिए। लेकिन मैंने एक और शंका व्यक्त की, "कि आजकल लोग बड़े हेल्थ कांशियस हो गए हैं। हर चीज के बारे में गूगल करते हैं और तब जाकर खरीदने की सोचते हैं। तब ऐसे में यह तेल कंपनी खोलकर क्या लाभ होगा?'तुम निरा मूरख हो। बच्चों जैसी बाते करते तुम्हें शर्म नहीं आती। अमा यार गूगल कुछ भी अपने से थोड़ी न बताता है। हम जो वहाँ अपलोड करते हैं वही तो वह हमें बदले में देता है। बाबा आदम के जमाने में आँखों में धूल झोंकना मुश्किल काम था, जबकि गूगल के जमाने में आँखें खुद धूल झोंकवाने के लिए उतावली रहती हैं।

जगजाहिर हुआ कुत्तों का महत्व

रामविलास जांगिड़

आज के भाग-दौड़ भरे जीवन में कुत्ते हर एक व्यक्ति के जीवन में नए उल्लास और उमंग भर रहे हैं। तमाम अंतरराष्ट्रीय मुद्दों से लेकर नितांत निजी क्षणों तक कुत्तों का महत्व जगजाहिर है। कुत्तों के लिए विशेष प्रकार के कार्यालय से लेकर शौचालय तक बने हुए हैं। आजकल शेखी बघारने का संकट विकराल रूप लेता जा रहा है। साथ ही बहुत जटिल और भारी स्टेटस शो बाजी भी एक समस्या है। ऐसे में कुत्ते किसी देवदूत से कम नहीं है। जीवन में कुत्तापना ही सर्वाधिक सुखदाई दिखाई पड़ रहा है। सुबह-सुबह व्यायाम करने की नाटक बाजी में कुत्तों की सवारी करना सबसे महत्वपूर्ण काम हो गया है। आजकल हर एक कुत्ते ने एक शानदार मालिक पाल रखा है। हर एक कुत्ता अपने-अपने मालिक की सवारी करता हुआ नजर आता है। सुबह-सुबह कसरत की नाटक बाजी में कुत्ता एक महत्वपूर्ण सवारी के रूप में काम आता है। इसकी सवारी एक वरदान से कम नहीं है। इसके स्वास्थ्यवर्धक लाभ अनगिनत है। आज के सामाजिक संकट के दौर में तो इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। कुत्ते ही एकमात्र ऐसे उपाय बचे हुए हैं, जिनकी कृपा से सोशल स्टेटस आसमान पर छलांग लगाता दिखाई देता है। आज के वैज्ञानिक शोध भी कुत्ते की सवारी के तमाम लाभों को सिद्ध कर रहे हैं। कुत्ते की सवारी एक बेहतरीन व्यायाम तो है ही, साथ ही इससे शरीर के समूचे अंग-अवयवों की कसरत हो जाती है। जब अच्छा-खासा मालिक अपने निजी कुत्ते की रस्सी थामे सड़क किनारे चलता है, तो कुत्ता उसे एक निश्चित दिशा में खींचता चला जाता है। कुत्ते की ऐसी चलन बाजी एरोबिक व्यायाम है। इससे हृदय, मस्तिष्क एवं रक्त कोशिकाओं के लिए बहुत लाभ मिला है। ठीक साइकिलिंग की तरह ही महत्वपूर्ण है कुत्ता क्लिकिंग! इससे हमारे पैरों, जांघों की मांसपेशियों के साथ पेट, बाजू एवं बुद्धि की भी खासी कसरत हो जाती है। एक बड़ा रुतबा भी कायम होता है। जब कोई अन्य कुत्ता सामने दिखाई देता है तो घरेलू निजी कुत्ता एकदम सरपट दौड़ लगाता है, इससे बंधे मालिक को भी दौड़ना पड़ता है। ऐसा करने से हड्डियां भी मजबूत होती है। नियमित कुत्ता क्लिकिंग से पैरों की मांसपेशियों के साथ पुट्ठों एवं घुटनों के जोड़ मजबूत होते हैं। समाज में मान मर्यादा बढ़ती है। यह पूरे घर परिवार के व्यायाम जैसा होता है। इससे पूरे परिवार के स्टेमिना व रोग प्रतिरोधक क्षमता में आशातीत वृद्धि होती है। सोशल स्टेटस वृद्धि से शरीर ऊर्जा के स्तर में वृद्धि होती है, जो दिन भर के लिए बैट्री चार्ज करने जैसा होता है ।

सोमवार को जरूर करें ये महाउपाय

आत्मविश्वास में होगी वृद्धि और दूर होगी धन से जुड़ी समस्या

हिंदू धर्म में देवों के देव महादेव को प्रसन्न करने के लिए सोमवार का दिन सबसे उत्तम माना जाता है। इस दिन शिव जी के भक्त व्रत रखते हैं और विधि-विधान से पूजा करते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार जो भक्त सच्चे मन से सोमवार के दिन व्रत करता है और भगवान भोलेनाथ की विधिवत पूजा अर्चना करता है उस पर शिव शम्भू के साथ मां पार्वती भी प्रसन्न होती हैं। इसके अलावा अविवाहित लड़कियां यदि सोमवार का व्रत करती हैं, तो उन्हें योग्य जीवनसाथी की प्राप्ति होती है। वहीं ज्योतिष शास्त्र में महादेव को प्रसन्न करने के लिए सोमवार के कुछ उपाय बताए गए हैं, जिन्हें करने से सुख-समृद्धि और सौभाग्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

आइए जानते हैं उन उपायों के बारे में-

शिव जी की पूजा

प्रत्येक सोमवार को प्रातः काल स्नान करके मंदिर जाएं और भगवान भोलेनाथ के साथ माता पार्वती की पूजा करें। इससे शिव जी के साथ माता पार्वती का भी आशीर्वाद प्राप्त होगा और जीवन में सुखों की कमी नहीं होगी।

आर्थिक दिक्क्तों को दूर करने के लिए

यदि आर्थिक तंगी के चलते परेशान रहते हैं तो सोमवार के दिन स्फटिक से बने शिवलिंग की सफेद चंदन से पूजा करें। जो भी भक्त सोमवार को स्फटिक से बने शिवलिंग की पूजा करता है, उसके पास महादेव की कृपा से हमेशा धन का भंडार भरा रहता है।

चंद्र दोष दूर करने के लिए

यदि आपकी कुंडली में चंद्रमा कमजोर है और आपके कष्ट का कारण बन रहा है तो सोमवार के दिन विशेष रूप से भगवान शिव की पूजा करें। भगवान शिव की पूजा करने पर चंद्र दोष संबंधी सभी पीड़ाएं दूर होती हैं।

आत्मविश्वास में वृद्धि के लिए

यदि आपके अंदर आत्मविश्वास की कमी है तो सोमवार के दिन भगवान भोलेनाथ की आराधना करने के साथ ही सफेद, हरा, पीला वस्त्र धारण करें। वहीं प्रातः काल स्नान करके भगवान भोलेनाथ को गंगाजल और अक्षत अर्पित करने से स्वास्थ्य संबंधी समस्या का समाधान हो जाता है।

नवग्रहों के साथ 360 मंदिरों के बीच हैं भगवान नारायण

रुद्रप्रयाग जिले के गुप्तकाशी से महज 3 किलोमीटर पर नारायण कोटी समूह स्थित है। मंदिर मुख्य रूप से भगवान नारायण को समर्पित है, जो कि 360 मंदिरों के बीच घिरा है। हालांकि अब मंदिर समूह में महज 40 मंदिर ही शेष बचे हैं। मंदिर महाभारत के पांडवों से जुड़ा हुआ है, जिसका उल्लेख केदारखण्ड में भी मिलता है। नारायण कोटि मंदिर प्राचीन मंदिरों का समूह स्थापत्य कला का अद्भुत नमूना है। कहा जाता है कि मंदिर का निर्माण 9वीं शताब्दी से पहले हुआ था और समय समय पर आपदाओं के प्रभाव और देखभाल की कमी के कारण जहां पहले 360 मंदिर हुआ करते थे, वहीं अब मंदिर में केवल 40 मंदिर ही शेष हैं।

मंदिर समूहों के साथ मंदिर परिसर में नवग्रह मंदिर स्थित है। इसमें ग्रहों के नाम नक्काशीदार अक्षरों में लिखे गए हैं और ग्रामीणों के साथ-साथ दूर दराज के ग्रामीण नवग्रहों की पूजा और व्रत की शांति के लिए इस मंदिर समूह में पहुंचते हैं।

मंदिर समूह के निकट है भस्मासुर कुंड

स्थानीय जबर सिंह बताते हैं कि मंदिर के नजदीक ही भस्मासुर कुंड स्थित है। मान्यता के अनुसार, भस्मासुर ने भगवान शिव से वरदान लिया था कि जिसके भी सिर में वह हाथ रखेगा वह भस्म हो जाएगा। उससे परेशान होकर भगवान विष्णु ने सुंदरी रूप धारण कर छल से भस्मासुर को नचाया था। जिसके बाद भस्मासुर ने नाचते नाचते अपने ही सिर पर हाथ रख दिया था। वह इसी स्थान पर भस्म हो गया था। बताया कि कुंड से गंगा और यमुना दो जल धाराएं प्रवाहित होती हैं। पहले नारायण कोटी मंदिर समूह में 360 मंदिर हुआ करते थे लेकिन सरकार की लापरवाही के कारण अब मात्र 40 मंदिर ही शेष रह गए हैं।

यहां ऐसे पहुंचें- रोडः नारायण कोटि पहुंचने के लिए आपको केदारनाथ यात्रा मार्ग पर होते हुए गुप्तकाशी पहुंचना होगा और गुप्तकाशी से महज 3 किमी की दूरी पर यह मंदिर समूह गांव के बीच में स्थित है।

एयरः निकटतम जौलीग्रांट एयरपोर्ट।

ट्रेनः निकटतम ऋषिकेश रेलवे स्टेशन।

सुबह आंख खुलते ही ये 6 चीजें दिखना होता है अशुभ

ज्योतिष शास्त्र में प्रातः आंख खुलते ही कुछ चीजों का नजर आना बेहद अशुभ समझा जाता है। ये मनुष्य की बर्बादी का संकेत होती हैं। यदि रोज प्रातः जागने के पश्चात आपको भी ये चीजें सबसे पहले नजर आती हैं, तो इसके पीछे के संकेत को समझना आवश्यक है। यदि नींद खुलते ही आपकी नजर किसी बंद घड़ी पर पड़ती है तो समझ लीजिए आपके जीवन में कोई बड़ी परेशानी दस्तक देने वाली है।

बंद घड़ी

प्रातः आंख खुलते ही आइना नजर आना भी अशुभ होता है। प्रातः आइना दिखना बने बनाए काम बिगड़ने का संकेत देता है।

आइना

प्रातः नींद से जागते ही अपनी परछाई का नजर आना भी अशुभ होता है। इसे अंधकार, मृत्यु, शोक, अस्वीकृति और घृणा का प्रतीक समझा जाता है।

परछाई

प्रातः भगवान की टूटी-फूटी या खंडित मूर्ति नजर आना भी कष्ट बढ़ने का संकेत देती है। ऐसी प्रतिमाएं कभी मंदिर में न रखें।

खंडित मूर्तियां

प्रातः नींद खुलते ही जूठे एवं गंदे बर्तन भी नहीं दिखने चाहिए। यह रिश्तों में उलझन और तनाव बढ़ने का संकेत देते हैं।

जूठे बर्तन

प्रातः नींद से जागते ही किसी हिंसक पशु का देखना भी बड़ा अशुभ होता है। यह निजी एवं पेशेवर जीवन में विवाद पनपने का संकेत होते हैं।

अच्छे दिन आने से पहले व्यक्ति को मिलते हैं ये तीन संकेत

साधु संतों का नजर आना

नीम करोली बाबा के अनुसार साधु संतों का दिखना शुभ माना जाता है। ये इस बात का संकेत है कि उन्हें ईश्वर द्वारा देवदूत के रूप में भेजा गया है। यदि आपको भी साधु संत के दर्शन होते हैं तो इसका मतलब ये है कि आपके जीवन से परेशानियां खत्म होने वाली हैं।

पशु-पक्षी का घर आना

पशु-पक्षी अगर आपके घर पर आए तो इसे भी बहुत अच्छा माना गया है। यदि किसी व्यक्ति के घर पर पशु-पक्षी आ रहे हैं तो इसका अर्थ है कि उन्हें जल्द ही कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

भजन कीर्तन में अचानक से आंसू बहना

यदि भजन-कीर्तन के दौरान आपके आंखों से आंसू बहने लगे तो इसे भी बहुत शुभ संकेत माना जाता है। इसका अर्थ है कि भगवान आपके साथ है और अब आपको दुखों से छुटकारा मिलने वाला है।

ऋषिकेश के इस मंदिर में शिवलिंग पर जल चढ़ाना है मना

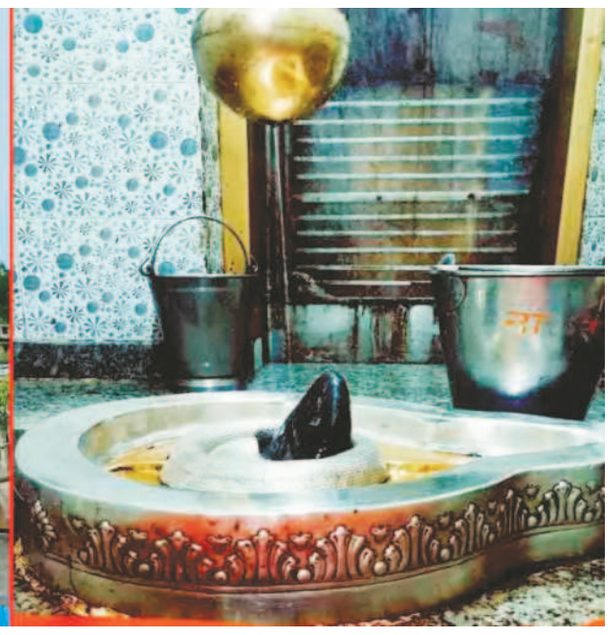

देवभूमि उत्तराखंड में स्थित ऋषिकेश एक पावन तीर्थ स्थल है। यहां जितने सुंदर घाट स्थापित हैं, उतने ही पवित्र मंदिर हैं। हर वर्ष लाखों की संख्या में लोग यहां घूमने व मंदिरों के दर्शन करने आते हैं। वहीं इन सभी मंदिरों के बीच ऋषिकेश का एक मंदिर जिसके बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं काफी प्रसिद्ध है।

इस मंदिर की प्रसिद्धि का कारण यहां स्थापित मरकरी का शिवलिंग है। एक ऐसा शिवलिंग जिसमें किसी को भी जल चढ़ाने की अनुमति नहीं है। लक्ष्मण झूला पर श्री सच्चा अखिलेश्वर नाम से एक मंदिर स्थापित है, जहां यह शिवलिंग है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। सभी श्रद्धालु इस शिवलिंग में जल की जगह फूल अर्पण करते हैं।

ऐसे हुई शिवलिंग की स्थापना

मंदिर के पं. जितेंद्र कुमार मिश्रा बताते हैं कि सालों पहले जब मंदिर में 11.5 फुट के शिवलिंग की स्थापना हुई थी तब नाग साधुओं द्वारा यह बात कही गई थी कि शिवलिंग के साथ जग कल्याण के लिए एक मरकरी का शिवलिंग होना अनिवार्य है। इसी कारणवश बाबा 1008 भगत जी महाराज ने उस 11.5 फुट के शिवलिंग के पास में ही मरकरी के शिवलिंग को स्थापित करने का निर्णय किया। वे बताते हैं कि नागा साधुओं की विद्या और तपोबल से मरकरी को ठोस कर इस शिवलिंग का निर्माण किया गया।

15 दिनों में एक बार होती है महापूजा

इस मरकरी के शिवलिंग में ऊपर से चांदी का लेप किया गया है। शिवलिंग पर जल चढ़ाने की किसी को भी अनुमति नहीं। साथ ही इस शिवलिंग की सफाई के वक्त भी काफी ध्यान रखा जाता है। पं. मिश्रा आगे बताते हैं कि वैसे तो प्रतिदिन ही इस शिवलिंग की पूजा की जाती है, लेकिन 15 दिन में एक बार यहां महापूजा का आयोजन होता है। जिसमें शिवलिंग को सुंदर तरीके से फूलों से सजाया जाता है और काफ़ी सारे फल व मिठाइयां अर्पण की जाती है। अगर आप भी ऋषिकेश घूमने आने वाले हैं तो एक बार इस शिवलिंग के दर्शन जरूर करें।

यदि सम्मान को हमेशा बनाए रखना चाहते हैं तो तुरंत करें इन आदतों का त्याग

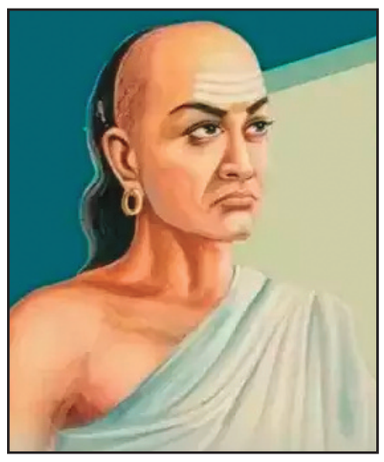

चाणक्य को भारत के महान ज्ञानियों और विद्वानों में से एक माना गया है। इनकी नीतियां आज पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। मान्यता है कि जो भी मनुष्य चाणक्य की नीतियों का अनुसरण करता है। उसका पूरा जीवन सरल और सहज हो जाता है। आचार्य चाणक्य ने अपने जीवन के अनुभवों को नीतिशास्त्र में पिरोया है। जिसे चाणक्य नीति के नाम से जाना जाता है।

चाणक्य ने मानव जीवन से जुड़े हर पहलु पर अपनी नीतियां बनाई हैं। चाणक्य नीति अनुसार मनुष्य को अगर अपना मान सम्मान हमेशा बनाए रखना है तो कुछ आदतों का त्याग तुरंत ही करना बेहतर होता है। तो आज हम आपको अपने इस लेख में चाणक्य की इसी विषय पर बनाई गई नीति के बारे में बात कर रहे हैं तो आइए जानते है।

आज की चाणक्य नीति

चाणक्य नीति कहती है कि मनुष्य को अगर अपना सम्मान बनाए रखना है तो कभी भी बातों को बढ़ा चढ़ाकर नहीं बोलना चाहिए। क्योंकि जो लोग हर बात को बढ़ा चढ़ाकर बोलते हैं वे समाज में मजाक के पात्र माने जाते है। ऐसे में लोग आपका सम्मान भी नहीं करते है। इसलिए व्यक्ति को अपनी इस आदत को तुरंत ही त्याग देना चाहिए।

इसके अलावा जो लोग दूसरों की निंदा करते हैं उन्हें एक न एक दिन अपनी इस आदत की वजह से अपमान का सामना करना पड़ता है।

ऐसे में पीठ पीछे किसी की निंदा यानी बुराई करने की इस बुरी आदत का तुरंत ही त्याग कर दें। जो लोग झूठ बोलते है या फिर झूठ के सहारे सफलता हासिल करते है। ऐसे लोगों को अपमान का सामना करना पड़ता है। इसलिए कभी भी झूठ नहीं बोलना चाहिए। अगर आप सदैव मान सम्मान पाना चाहते हैं तो लोभ से हमेशा ही दूर रहें।

चाणक्य नीति कहती है कि जो लोग लालच करते हैं उनका सुख चैन सब गायब हो जाता है और ऐसे लोग अपमान झेलते है।

एकादशी को देवताओं ने किया था अमृतपान

इस साल 1 मई 2023 को मोहिनी एकादशी है। मोहिनी एकादशी की तिथि 30 अप्रैल को रात 08 बजकर 28 मिनट से शुरू हो गई है। वहीं इसकी समाप्ति 1 मई दिन सोमवार को रात 10 बजकर 09 मिनट पर होगी। उदया तिथि को देखते हुए 1 मई को मोहिनी एकादशी का व्रत रखा जाएगा। मोहिनी एकादशी के दिन व्रत रखने और विधि-विधान से जगत के पालनहार श्री हरि विष्णु की पूजा करने से कष्टों से मुक्ति प्राप्त होती है। मोहिनी एकादशी व्रत की कथा समुद्र मंथन से जुड़ी हुई है। ऐसे में चलिए आज जानते हैं कि इस एकादशी का नाम मोहिनी एकादशी क्यों पड़ा और क्या है इसकी पौराणिक कथा...

मोहिनी एकादशी कथा

पौराणिक मान्यता के अनुसार जब देवताओं और असुरों के बीच समुद्र मंथन किया गया तो उससे अमृत कलश की प्राप्ति हुई।

देवता और दानव दोनों ही पक्ष अमृत पान करना चाहते थे, जिसकी वजह से अमृत कलश की प्राप्ति को लेकर देवताओं और असुरों में विवाद छिड़ गया। विवाद की स्थिति इतनी बढ़ने लगी कि युद्ध की तरफ अग्रसर होने लगी। ऐसे में इस विवाद को सुलझाने और देवताओं में अमृत वितरित करने के लिए भगवान विष्णु ने एक सुंदर स्त्री का रूप धारण किया।

इस सुंदर स्त्री का रूप देखकर असुर मोहित हो उठे। इसके बाद मोहिनी रूप धारण किए हुए विष्णु जी ने देवताओं को एक कतार में और दानवों को एक कतार में बैठ जाने को कहा और देवताओं को अमृतपान करवा दिया। अमृत पीकर सभी देवता अमर हो गए।

जिस दिन भगवान विष्णु ने मोहिनी का रूप धारण किया था, उस दिन वैशाख मास की शुक्ल एकादशी तिथि थी। इस दिन विष्णु जी ने मोहिनी रूप धारण किया था, इसलिए इस दिन को मोहिनी एकादशी के रूप में मनाया जाता है। इस दिन भगवान विष्णु के मोहिनी रूप की पूजा की जाती है।

करण जौहर की तरह सलमान बनना चाहते हैं पिता!

सरोगेसी लॉ के चलते हो रही मुश्किल, शादी पर बोले- मुझ पर घरवालों का बहुत प्रेशर है

सलमान खान ने हाल ही में बताया कि वो पिता बनना चाहते हैं, लेकिन भारतीय कानून के तहत उन्हें इस बात की इजाजत नहीं है। भाईजान ने कहा कि वो बच्चों से बहुत प्यार करते हैं और उन्होंने एक बार बच्चा पैदा करने के बारे में सोचा भी था, लेकिन इंडिया में यह पॉसिबल नहीं है। सलमान ने इस दौरान अपनी शादी के प्लान पर भी बात की और बताया कि उनपर फैमिली का बहुत प्रेशर है। इसलिए वो अपनी जिंदगी के आखिरी प्यार की तलाश कर रहे हैं।

रजत शर्मा के शो आप की अदालत में सलमान ने बच्चे की प्लानिंग के बारे में बात की। उन्होंने कहा- 'अब क्या बोलूं, वो प्लान तो था। बहू का प्लान नहीं, मगर बच्चे का इरादा था। लेकिन अब वो कानून के हिसाब से इंडिया में नहीं हो सकता है। ऐसे में देखेंगे की क्या किया जा सकता हैं।'

मुझे बच्चों का बहुत शौक है- सलमान

सलमान ने फिल्म मेकर करण जौहर के दो बच्चों के पिता बनने पर बात की। उन्होंने कहा- 'मैं भी वही कोशिश कर रहा था, लेकिन अब कानून में शायद बदलाव हो रहा है। उन्होंने कहा 'बच्चों का बड़ा शौक है मुझे, उनसे बहुत प्यार है। लेकिन बच्चे जब आते हैं तो मां भी आती है। मां उनके लिए बहुत अच्छी होती है। वैसे तो हमारे घर में मां ही मां हैं सर। हमारे पास पूरा जिला है, पूरा गांव है। वो सब बच्चे का ख्याल रख लेंगे। लेकिन मेरे बच्चे की असली मां भी मेरी पत्नी होगी।'

आखिरी प्यार की तलाश में हैं सलमान

अपनी शादी के प्लान पर बात करते हुए सलमान ने कहा- 'मेरे ऊपर बहुत प्रेशर आ रहा है। अब तो मेरे माता-पिता भी बोलने लगे हैं। 57 साल का हो गया हूं, अब तो ये है कि जो भी हो सिर्फ एक हो और आखिरी होनी चाहिए। जो बीवी बने। ऊपर वाला चाहेगा तभी ऐसा होगा। पहले कभी मैंने हा किया तो दुसरे ने न किया। कभी इसका उल्टा भी हुआ। लेकिन अब दोनों साइड से न आ रहा है। जब हां हो जाएगी, तब शादी भी हो जाएगी।'

कहीं न कहीं मेरी ही गलती थी और कमी मुझमें ही थी- सलमान

पिछले ब्रेकअप पर बात करते हुए सलमान ने कहा- पहला ब्रेकअप हुआ तो लगा कि उनकी गलती थी,

दूसरी, तीसरी तक भी यही सोच रहा था, लेकिन चौथे ब्रेकअप के बाद खुद पर थोड़ा डाउट हुआ और फिर उसके बाद डाउट और ज्यादा बढ़ता गया। आखिर में साफ हो गया कि कहीं न कहीं मेरी ही गलती थी और कमी मुझमें ही थी। बाकी सब अपनी जगह अच्छी थीं। उनको शायद यह डर था कि मैं उन्हें वो खुशी न दे पाऊं, जो वो चाहती थीं। अच्छी बात ये है कि आज सभी काफी खुश हैं।

धमकियों की वजह से बंदूकों से घिरा रहता हूं

बीते दिनों जान से मारने की धमकियों पर सलमान ने कहा- 'असुरक्षा से बेहतर है सुरक्षा पर ध्यान दिया जाए। मुझे सिक्योरिटी दी गई है। अब सड़क पर साइकिल चलाना या अकेले जाना मेरे लिए संभव नहीं है। मुझे सबसे ज्यादा दिक्कत तब होती है, जब मैं ट्रैफिक में होता हूं। वहां वहुत ज्यादा सिक्योरिटी होती है। गार्ड की गाड़ियों की वजह से आम लोगों को दिक्कत होती है। वो लोग मुझे गलत भी समझते हैं। मगर मेरे फैंस, मेरी जान को बहुत बड़ा खतरा है। इसलिए सिक्योरिटी दी गई है।

भाईजान ने आगे कहा- मैं वही कर रहा हूं, जो मुझसे कहा गया है। मैं हर जगह पूरी सुरक्षा के साथ जाता हूं। मैं ये जानता हूं कि जो होना है वो तो हो कर ही रहेगा, लेकिन ऐसा नहीं है कि मैं बिना सिक्योरिटी के घूमने लगूंगा। मेरे आसपास आजकल बहुत से शेरा हैं। मैं इतने सारे बंदूकों से घिरा रहता हूं कि, कई बार मुझे खुद डर लगता है।

'मास्टर स्पाई' बन विद्युत जामवाल ने अपने हाथ में लिया चार्ज

आईबी 71, गंगा हाईजैक की सच्ची घटनाओं पर आधारित, जिसे 'द हाईजैक दैट नेवर हैपंड' भी कहा जाता है, एक ऐसी फिल्म है जो हर नए एसेट रिलीज के साथ दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ा रही है. फिल्म इंटेलिजेंस ब्यूरो द्वारा संचालित भारत के टॉप सीक्रेट मिशन को उजागर करती है जिसने भारत को 1971 का युद्ध जीतने में मदद की थी. इस फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज़ हुआ है और 1971 के क्लासीफाइड मिशन के बारे में दर्शकों के बीच पहले से ही बड़े पैमाने पर दिलचस्पी पैदा कर चुका है जिसने दर्शकों को और ज्यादा जानने की चाहत के साथ छोड़ दिया है. अब, फिल्म के निर्माताओं ने 'आईबी ऑपरेशन 1: इंटेलिजेंस इन एक्शन' टाइटल्ड एक और वीडियो जारी किया है.

हाल ही में जारी किए गए इस वीडियो में विद्युत जामवाल को इंटेलिजेंस ब्यूरो के एक मास्टर जासूस के रूप में दिखाया गया है, यह वीडियो एक इंटेलिजेंस एजेंट की शार्पनेस पर प्रकाश डालता है, जहां वे हमेशा दुश्मन से दस कदम आगे रहते हैं और दर्शक हैरान रह जाते हैं. प्रोमो के बारे में बात करते हुए, एक्टर-प्रोड्यूसर विद्युत कहते हैं, "इस दिलचस्प स्पेशल प्रोमो के साथ, हम यह दिखाना चाहते थे कि इंटेलिजेंस ब्यूरो हमेशा सतर्क रहता है, चाहे कुछ भी हो. एक जासूस के लिए यह केवल शारीरिक शक्ति ही नहीं बल्कि तेज दिमाग और दुश्मन की हर चाल का अनुमान लगाने की क्षमता के बारे में भी है. आईबी 71 एक ऐसी फिल्म है जो आपको भारत के इंटेलिजेंस ब्यूरो की रोमांचकारी दुनिया की एक झलक देगी."

वहीं निर्देशक संकल्प रेड्डी कहते हैं, "आईबी 71 जासूसी की दुनिया और एक जासूस के साइकोलॉजी में गहरा गोता लगाती है. आईबी 71 के साथ हमारा मकसद हमारे दर्शकों को एक ऐसी यात्रा पर ले जाना है जो यह दर्शाता है कि कैसे इंडियन इंटेलिजेंस ने चालाक चालों के जरिए हमें युद्ध में जीत दिलाई."आईबी 71 को गुलशन कुमार, टी-सीरीज़ फिल्म और रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा प्रेजेंट किया गया है. एक्शन हीरो फिल्म्स प्रोडक्शन में विद्युत जामवाल, अनुपम खेर और विशाल जेठवा लीड रोल्स में हैं और इसे भूषण कुमार, एक्शन हीरो फिल्म्स और रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा प्रोड्यूस किया गया है. विद्युत जामवाल और अब्बास सैय्यद द्वारा प्रोड्यूस, आदित्य शास्त्री, आदित्य चौकसी और शिव चनाना द्वारा को-प्रोड्यूस है. फिल्म का डायरेक्शन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संकल्प रेड्डी ने किया हैं, जिसकी कहानी आदित्य शास्त्री ने लिखी हैं और स्क्रीनप्ले स्टोरीहाउस फिल्म्स एलएलपी ने लिखी हैं. फिल्म 12 मई 2023 को एक थिएट्रिकल रिलीज के लिए तैयार है।

ऋतिक रोशन ने अपने डांस स्टाइल को लेकर किया खुलासा, कह दी यह बड़ी बात

बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन एक्टिंग के साथ-साथ डांस के लिए भी जाने जाते हैं। हर एक डांस स्टाइल में वह माहिर हैं। ऋतिक के डांस स्टाइल और स्टेप्स के दर्शक दीवाने हो जाते हैं। अब अभिनेता ने अपनी डांसिंग स्टाइल के बारे में बात की और पार्टनर डांस स्टाइल सीखने की इच्छा जताई है। अभिनेता का कहना है कि भले ही वह डांस में अच्छे हैं, लेकिन उनका पार्टनर वर्क बहुत खराब है।

बैले डांस के शौकीन हैं ऋतिक

डांस के बारे में बात करते हुए ऋतिक रोशन ने कहा कि जब मैं अकेले डांस करता हूं, तब मुझे आराम महसूस होता है, अच्छा लगता है, लेकिन जब पार्टनर वर्क होता है तो इसमें तालमेल की जरूरत होती है, लेकिन इस हुनर को मैं कभी हासिल नहीं कर पाया। मैं इसे सीखना चाहता हूं। मैं बैले से बहुत प्रभावित हूं।

ये हैं ऋतिक के फेवरेट डांस सॉन्ग

फिल्मों में अपने डांस करने के बारे में बात करते हुए ऋतिक ने खुलासा किया कि मुझे 'गुजारिश' में डांस फॉर्म के लिए ट्रेनिंग लेने का अवसर मिला और यह एक अविश्वसनीय अनुभव था। टेक के दौरान मैं तीन टर्न नहीं ले पाया। इसके बाद हमने दोबारा कोशिश की, फिर यह एक ही टेक में हो गया। ऋतिक ने कहा कि मैंने पूरे करियर के दौरान जिन सिग्नेचर डांस स्टेप्स का लुत्फ उठाया है, उनमें 'बैंग बैंग टाइटल ट्रेक', 'वॉर' का 'घुंघरू' और 'कोई मिल गया' का 'इट्स मैजिक' शामिल हैं।

डांस के लिए करते हैं रिहर्सल

अपने काम के तरीके के बारे में बात करते हुए ऋतिक रोशन ने खुलासा किया कि फिल्मों में डांस सॉन्ग के लिए रिहर्सल करने के लिए वह समय लेते हैं। गाने पर रिहर्सल करने के लिए अक्सर वह एक से दो महीने का समय मांगते हैं। उन्होंने खुलासा किया कि 'मैं ऐसा क्यों हूं' में प्रभु देवा ने उन्हें एक महीने का समय दिया था। ऐसे ही एक फिल्म के दौरान संजय लीला भंसाली ने उन्हें दो महीने का समय दिया था। अभिनेता ने कहा कि यदि आपके पास इच्छाशक्ति है तो आपको बस कड़ी मेहनत करने की जरूरत होती है और आप वह चीज कर लेते हैं।

किच्चा सुदीप की अगली फिल्म का इंतजार हुआ खत्म, अभिनेता इस दिन रिलीज करेंगे मूवी का प्रोमो

साउथ सुपरस्टार किच्चा सुदीप की फिल्मों का फैंस के बीच खूब क्रेज रहता है। 'विक्रांत रोना' के बाद से लगातार फैंस अभिनेता से उनकी नई फिल्म पर अपडेट मांग रहे थे, जिस पर अभिनेता ने कहा था कि वह तीन फिल्मों पर काम करने जा रहे हैं, जिसकी घोषणा बहुत जल्द ही करेंगे। अब अभिनेता ने अपनी आने वाली फिल्म के बारे में फैंस को अपडेट दिया है। अभिनेता ने ट्विटर पर पोस्ट साझा करते हुए जानकारी दी कि वह अपनी अगली फिल्म के बारे में एक जून को खुलासा करेंगे।

इस दिन होगा प्रोमो शूट

किच्चा सुदीप ने हाल ही में तीन फिल्में साइन की हैं। इन फिल्मों की घोषणा अभी बाकी है। इनमें से एक फिल्म का प्रोमो जून में लॉन्च होगा। इस बारे में जानकारी देते हुए अभिनेता ने पोस्ट साझा किया और लिखा कि यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि तीन फिल्मों में से एक का प्रोमो शूट 22 मई से शुरू होगा। एक जून को लॉन्च होगा। एक सक्रिप्ट और एक शैली, जिसने मुझे उत्साहित किया है। यह एक ऐसी फिल्म है, जिसका मुझे इंतजार है।

अभिनेता ने लिया था ब्रेक

किच्चा सुदीप की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'विक्रांत रोना' के बाद ब्रेक लिया था। ब्रेक के बारे में जानकारी देते हुए अभिनेता ने बताया था कि उन्होंने सीसीएल में अपने परिवार और क्रिकेट मैच के लिए काम से ब्रेक लिया है। उन्होंने खुलासा किया था कि उन्हें तीन फिल्मों की सक्रिप्ट पसंद आई हैं, जिन्हें उन्होंने साइन कर लिया है।

किच्चा सुदीप की 46वीं फिल्म

दरअसल, फैंस किच्चा सुदीप की 46वीं फिल्म का अपडेट पाने के लिए ट्विटर पर #Kichcha46 ट्रेंड चला रहे थे, जिसके बाद अभिनेता ने लंबा नोट साझा किया था। उन्होंने बताया था कि ब्रेक पर होने के बावजूद वह फिल्मों की सक्रिप्ट के लिए लगातार मेकर्स के साथ बातचीत कर रहे थे। तीन सक्रिप्ट्स को उन्होंने अंतिम रूप दे दिया है। फिल्म की शूटिंग शुरू होने की तैयारी भी चल रही है। फिल्म से संबंधित टीमें इसके लिए दिन रात काम कर रही हैं। फिल्म के बारे में जल्द ही घोषणा की जाएगी।

'17 साल पहले मुझे लॉन्च करने वाले इस पागल जीनियस अनुराग वासु को धन्यवाद : कंगना

कंगना रनौत के फिल्म इंडस्ट्री में 17 साल पूरे हो चुके हैं। बॉलीवुड क्वीन ने इस खास मौके पर डायरेक्टर अनुराग बासु के साथ अपनी पुरानी यादें शेयर की हैं। अनुराग बासु के साथ एक पिक्चर शेयर करते हुए कंगना ने बताया कि कैसे अनुराग लाइफ इन मेट्रो की शूटिंग के दौरान उन्हें इंस्ट्रक्शन दिया करते थे।

कंगना ने अपनी फिल्म मेट्रो लाइफ के 17 साल पूरे होने पर एक इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की है। इस स्टोरी के साथ कंगना ने एक पिक्चर भी शेयर की। जिसमें कंगना अनुराग बासु के साथ सोफे पर बैठी नजर आ रही हैं। तस्वीर में अनुराग फिल्म के सेट पर कंगना को कुछ समझाते हुए नजर आ रहे हैं। दरअसल

ये तस्वीर लाइफ इन ए मेट्रो के सेट की है। इस फिल्म के जरिए कंगना को अनुराग ने मौका दिया था। इस तस्वीर को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने शानदार कैप्शन भी दिया है।

इस इंस्टा स्टोरी में कंगना ने अनुराग वासु को टैग करते हुए लिखा, '17 साल पहले 28 अप्रैल 2006 को मुझे लॉन्च करने वाले इस पागल जीनियस अनुराग वासु को धन्यवाद, ये मेट्रो सेट (2006) में उनकी और मेरी एक तस्वीर है, इस तरह उन्होंने मुझे ट्रेनिंग दी.... 'तू चुप कर' ट्रेनिंग के दौरान उनका फेवरेट डायलॉग है... हा हा आई लव यू अनु... हर चीज के लिए धन्यवाद। उन्होंने ये भी कहा, मुझे बताया गया था कि अभिनेत्रियों की 4-5 साल की शेल्फ लाइफ होती है... खैर, मैंने कल फिल्म के 17 साल पूरे कर लिए हैं...'।

बता दें, लाइफ इन ए मेट्रो को अनुराग बसु ने डायरेक्ट किया था। फिल्म में कंगना के अलावा धर्मेंद्र, नफीसा अली, शिल्पा शेट्टी, के के मेनन, शाइनी आहूजा, इरफान खान, कोंकणा सेनशर्मा और शरमन जोशी भी अहम किरदार में नजर आए थे। कंगना ने 2006 में आई थ्रिलर गैंगस्टर से बॉलीवुड में डेब्यू किया था।

अर्जुन रामपाल ने अब तक गर्लफ्रेंड गैब्रिएला से क्यों नहीं की शादी, जबकि होने वाला है दूसरा बच्चा ?

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन रामपाल, फिल्म इंडस्ट्री में एक अलग पहचान रखते हैं. वो अपनी पर्सनल से लेकर प्रोफेशनल लाइफ को लेकर काफी सुर्खियों में रहते हैं. अर्जुन कपूर को लेकर फिल्मी गलियारों में एक बार फिर चर्चा शुरू हो गई है, क्योंकि उनकी गर्लफ्रेंड गैब्रिएला डेमेट्रिड्स दूसरी बार मां बनने जा रही हैं. हाल ही में गेब्रिएल ने अपने बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए बताया कि अर्जुन के घर में एक बार फिर से नन्हा मेहमान आने वाला है. अर्जुन की गर्लफ्रेंड गैब्रिएला ने अपने इंस्टाग्राम पर बेबी बंप के फोटोज शेयर किए हैं. जिसमें वो काफी ग्लैमरस लुक में नजर आ रही हैं.

कब से डेट कर रहे हैं?

अर्जुन रामपाल और गैब्रिएला के रिलेशनशिप को तकरीबन 5 साल हो गए हैं, दोनों एक दूसरे को साल 2018 से डेट कर रहे हैं. हालांकि अब तक इन दोनों ने शादी नहीं की है, अर्जुन के साथ गैब्रिएला अब अपने दूसरे बच्चे को जन्म देने जा रही हैं. बिना शादी दूसरी बार मां बनने को लेकर कुछ यूजर्स रामपाल और गैब्रिएला को ट्रोल भी कर रहे हैं. अर्जुन और गैब्रिएला का पहला बेटा साल 2019 में हुआ, जिसका नाम आरिक है. इसके अलावा अर्जुन की पहली शादी से उन्हें दो बेटियां भी हैं, माहिका और मायरा.

अब तक क्यों नहीं की गर्लफ्रेंड से शादी?

5 साल से डेट करने और दूसरे बच्चे का स्वागर करने जा रहे कपल रामपाल और गैब्रिएला ने अब तक शादी क्यों नहीं की है?

लोगों के मन में ये बड़ा सवाल है. ये सवाल उस समय भी उठा था जब गैब्रिएला ने अर्जुन के पहले बेटे को जन्म दिया था. इसे लेकर एक इंटरव्यू में अर्जुन ने बताया था कि उन्हें शादी करने की जरूरत महसूस नहीं होती. शादी एक बड़ा कदम है और मैं जानता हूं कि लोग मेरे फैसले को लेकर अलग-अलग तरीके से जज करते हैं, लेकिन मैं इसकी परवाह किए बिना अपनी जिंदगी की खुशियों को एन्जॉय करना चाहता हूं।

अर्जुन रामपाल की पहली शादी

गर्लफ्रेंड से शादी के बारे में पूछने पर अर्जुन ने कहा था कि वह पहले से शादीशुदा हैं, चूंकि गैब्रिएला से उनका दिल जुड़ा हुआ है और उनके रिश्ते को कोई कागज के टुकड़े की जरूरत नहीं है. आपको बता दें कि अर्जुन की पहली शादी साल 1998 में मेहर जेसिया से हुई था. शादी के 21 साल बाद दोनों ने तलाक लेने का फैसला किया, उस वक्त अर्जुन अपनी गर्लफ्रेंड गैब्रिएला डेमेट्रियडस के साथ रिलेशनशिप में आ चुके थे।

पोन्नियिन सेलवन की शूटिंग के दिन याद कर भावुक हुए विक्रम, बोले- किरदार निभाते वक्त खुद को भूल गए थे हम

फिल्म 'पोन्नियिन सेलवन 2' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। रिलीज के साथ ही फिल्म का दर्शकों के बीच खूब क्रेज देखा जा रहा है। फिल्म को अच्छी समीक्षाओं के साथ यूजर्स की सकारात्मक प्रतिक्रिया भी मिली है। इस बीच फिल्म के मुख्य अभिनेता विक्रम ने 'पोन्नियिन सेलवन 2' और इसके किरदारों के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि फिल्म के सभी स्टार अपने-अपने किरदार निभाते हुए पूरी तरह खुद को भूल गए थे।

फिल्म पर क्या बोले विक्रम?

मणिरत्नम के निर्देशन वाली 'पोन्नियिन सेल्वन' के दूसरे भाग में ऐश्वर्या राय बच्चन, जयम रवि, कार्ति और त्रिशा जैसे कई बड़े सितारे हैं। इन सितारों के बारे में बात करते हुए सुपरस्टार विक्रम ने कहा कि 'पोन्नियिन सेल्वन 2' में हर एक किरदार बहुत अच्छा है। इन भूमिकाओं को निभाने वाले कलाकार बड़े सितारे हैं, लेकिन उन्होंने किरदार को निभाते हुए हमेशा अपनी कला को ऊपर रखा और खुद की छवि को भूल गए।

सेट पर सभी एक बराबर

विक्रम ने कहा कि जब आप किसी सेट पर जाते हैं तो आपकी छवि बड़ी या छोटी होती है और सभी आपको उसी तरह से ट्रीट करते हैं। आपके साथ जिस तरह से व्यवहार किया जाता है, आप उसे मान लेते हैं, लेकिन जब आपके पास इस तरह की फिल्म होती है, जहां हर कोई हीरो या हीरोइन है तो आपके साथ अलग व्यवहार नहीं होता, इसलिए सेट पर हम सब एक बराबर थे। हम सब जब सेट पर गए थे तो अपनी छवि को भूल गए और किरदारों में डूब गए।

सभी कलाकारों के साथ अच्छे रिश्ते

विक्रम ने सभी कलाकारों के बारे में भी बात की। विक्रम कहा कि सेट पर उन्होंने सभी साथी को करीब से जाना है। उन्होंने कहा कि ऐश्वर्या राय बच्चन और उनके पति अभिषेक बच्चन के साथ उनकी अच्छी दोस्ती हो गई है। वह रवि और कार्ति के अभिनय से प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि कार्ति बहुत होमवर्क करते हैं। अपना किरदार निभाने के लिए बहुत मेहनत करते हैं, इसलिए उन्हें कार्ति की फिल्में देखना पसंद है।

बढ़िया व फास्ट अंग्रेजी पढ़ने के लिए जरुरी टिप्स

इंग्लिश रीडिंग कॉम्प्रेहेंशन, भारत में ली जाने वाली विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसमें मैनेजमेंट एंट्रेंस - टेस्ट्स CAT, XAT और CMAT, NDA या CDS जैसी रक्षा परीक्षाएं, CSAT और SSC जैसी सरकारी नौकरी की परीक्षाएं शामिल हैं।

इंग्लिश रीडिंग स्किल्स में सुधार के पावर टिप्स

नियमित और व्यापक रूप से पढ़ें – पढ़ना आपको अलग-अलग लेखन शैलियों, स्वरों और दृष्टिकोणों से अवगत कराता है, जिससे आपके समझने के कौशल में इजाफा होता है। रोजाना कम से कम एक अंग्रेजी अखबार या पत्रिका पढ़ने की आदत डालें और विभिन्न विधाओं की किताबें और लेख पढ़ें।

संरचना को समझें – एक पैसेज में आमतौर पर एक परिचय, एक बॉडी और एक निष्कर्ष होता है। पैसेज की संरचना को समझने से आपको मुख्य विचार और सहायक विवरणों को जल्दी से पहचानने में मदद मिलेगी।

वोकैब्युलरी सुधारें - यदि आपको पैसेज में आने वाले शब्दों के मतलब नहीं पता होंगे तो उसे समझ पाना मुश्किल है। प्रतिदिन नए शब्द सीखने की आदत डालें और अपने डेली कम्युनिकेशन में उनका उपयोग करें।

ग्रामर स्किल्स बढ़ाएं – वाक्यों और पैराग्राफों के अर्थ को समझने के लिए अच्छा ग्रामर स्किल महत्वपूर्ण है। नियमित रूप से इंग्लिश ग्रामर के नियमों को पढ़ना और अभ्यास करना सुनिश्चित करें।

बेहतर रीडिंग के 3 पावर टिप्स

इस विषय पर लिखी गई अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'हाउ टु रीड बेटर एंड फास्टर' में लेखक नॉर्मन लुईस पढ़ते समय शब्दों को जोर से पढ़ने या चुपचाप होंठों को हिलाने, अनावश्यक रूप से बार-बार शब्दों या वाक्यों को पढ़ने, और कुछ विशेष शब्दों पर बहुत अधिक समय लगाने से बचने का सुझाव देते हैं। वे टेक्स्ट को जल्दी पढ़ कर समझने के लिए पॉइंटर का उपयोग करने, ब्लॉक में पढ़ने और पैसेज पढ़ने के लिए निर्धारित समय को कम करने, प्रमुख बिंदुओं की पहचान करने, मानसिक सारांश बनाने, स्वयं से प्रश्न पूछने जैसे सुझाव देते हैं।

1) पढ़ते समय बुदबुदाए नहीं

2) एक-एक शब्द अलग-अलग नहीं पढ़ें, दो-दो, तीन-तीन या चार-चार शब्दों को एक साथ पढ़ने का प्रयास करें

3) कहीं भी अटकें नहीं, आगे बढ़ते रहें

विभिन्न प्रकार के प्रश्नों को हल करने के टिप्स

1) डायरेक्ट प्रश्न

ये सबसे सरल प्रकार के प्रश्न होते हैं, जहां उत्तर पैसेज में स्पष्ट रूप से पाया जा सकता है। ये प्रश्न तथ्य आधारित या किसी स्पेसिफिक जानकारी से समबन्धित हो सकते हैं। इनका उत्तर देने के लिए, आपको पैसेज में प्रासंगिक वाक्य या पैराग्राफ को ढूंढना होगा और उसे ध्यान से पढ़ना होगा।

2) मुख्य विचार सम्बन्धी प्रश्न

मुख्य विचार सम्बन्धी प्रश्न आपको पैसेज के केंद्रीय विषय या विषय की पहचान करने के लिए कहता है। इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए, आपको पूरे गद्यांश को पढ़ने और सबसे महत्वपूर्ण विचार या विषय की पहचान करने की आवश्यकता होती है।

3) प्राथमिक उद्देश्य सम्बन्धी प्रश्न

ये प्रश्न पैसेज के उद्देश्य की पहचान करने के लिए कहते हैं। इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए, आपको लेखक के लहजे, परिप्रेक्ष्य और तर्क को समझने की आवश्यकता होती है।

4) अनुमान, धारणा और निष्कर्ष आधारित प्रश्न

अनुमान, धारणा और निष्कर्ष तीनों में फर्क होता है। इन प्रश्नों के लिए आपको दी गई जानकारी से निष्कर्ष निकालने के लिए अपने एनालिटिकल और तार्किक कौशल का उपयोग करने की आवश्यकता होती है। इसके लिए, आपको पैसेज को ध्यान से पढ़ना होगा, लेखक के तर्क की पहचान करनी होगी।

5) पैराफ्रेज प्रश्न

पैराफ्रेज प्रश्न आपको मुख्य विचार या गद्यांश में उल्लिखित किसी विशेष विवरण को दोहराने के लिए कहते हैं। इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए, आपको गद्यांश में प्रासंगिक वाक्य या पैराग्राफ की पहचान करने और इसे अपने शब्दों में फिर से लिखने की आवश्यकता है।

6) शीर्षक चुनने सम्बन्धी प्रश्न

शीर्षक चुनने सम्बन्धी प्रश्न का उत्तर देने के लिए, आपको पैसेज या पैराग्राफ के मुख्य विचार की पहचान करने की आवश्यकता है और उस जानकारी का उपयोग उस शीर्षक का चयन करने के लिए करें जो पैसेज या पैराग्राफ का सबसे अच्छा सारांश देता है।

राजा कृष्णदेवराय थे असली ऑलराउंडर : विजयनगर साम्राज्य खड़ा करने वाले राजा के जीवन से बड़े सबक

'राजा राजनीतिक होता है, लेकिन देश स्थायी' – तेलुगु भाषा में कहें तो ' , ', अर्थात 'राजुवु राजकीयम, देशमवु पातुकियांग उनडाली'। ये शब्द इतिहास में राजा कृष्णदेवराय – जो महान विजयनगर साम्राज्य के शासक थे – ने कहे थे, जो 16वीं शताब्दी के दौरान दक्षिण भारत के सबसे शक्तिशाली और समृद्ध साम्राज्यों को नियंत्रित करते थे। राजा कृष्णदेवराय सबसे शक्तिशाली और सफल शासकों में से एक थे। वे अपनी मिलिट्री विक्ट्री, एडमिन्सिट्रेटीव स्किल्स और सांस्कृतिक संरक्षण के लिए याद किए जाते हैं। प्रोफेशनल्स और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वालों के लिए उनका जीवन बहुमूल्य शिक्षा प्रदान कर सकता है।

राजा कृष्णदेवराय के जीवन से 4 बड़े लेसन

उनका जन्म 18 जुलाई, 1471 को हम्पी में हुआ था, जो अब भारतीय राज्य कर्नाटक में है। वह राजा तुलुवा नरसा नायक और रानी नगला देवी के पुत्र थे। कृष्ण देव राय अपने बड़े भाई की मृत्यु के बाद 1509 में सिंहासन पर बैठे। उनके शासन के तहत, विजयनगर साम्राज्य अपने चरम पर पहुंच गया और इसके क्षेत्र का विस्तार दक्षिण भारत के अधिकांश हिस्से तक हो गया।

*** पहला लेसन - स्ट्रैटेजिक थिंकिंग और प्लानिंग**

कृष्णदेवराय के जीवन की प्रमुख सीखों में से एक रणनीतिक सोच और योजना का महत्व है।

वे एक कुशल सैन्य नेता थे जो सावधानीपूर्वक प्लान्ड और एग्जीक्यूटेड अभियानों के जरिए विजयनगर साम्राज्य का विस्तार करने में सक्षम थे। वे खुफिया जानकारी एकत्र करने, कूटनीति और मित्र देशों की सेना के उपयोग के महत्व को समझते थे। उदाहरण के लिए, पड़ोसी बहमनी सल्तनत के लिए कृष्णदेवराय की नीति ले सकते हैं, जिसके तहत उन्होंने शैडो बहमनी राजशाही को अस्तित्व में रख राज्यों के बीच शक्ति संतुलन को अस्थिर करने का प्रयास किया।

उन्होंने उड़ीसा के गजपतियों और बहमनी सल्तनत को हराया और उम्मात्तूर और शिवगंगा के विद्रोही प्रमुखों को अपने अधीन किया। उन्होंने पुर्तगालियों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखे, जो उस समय खुद को भारत में व्यापारियों और उपनिवेशवादियों के रूप में स्थापित कर रहे थे।

यूनिक लर्निंग – कॉम्पिटिटिव बिजनेस चलाने, करिअर आगे बढ़ाने और प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए ये सभी आवश्यक कौशल हैं।

*** दूसरा लेसन - कड़ी मेहनत और दृढ़ता**

कृष्णदेवराय कड़ी मेहनत और दृढ़ता के साथ राज करते थे। कई चुनौतियों और बाधाओं का सामना करने के बावजूद, कृष्णदेवराय ने कभी हार नहीं मानी और अपने लक्ष्यों की दिशा में काम करना जारी रखा। वह अपनी प्रजा के लिए एक महान प्रेरणा थे और उनके अथक प्रयासों के लिए लोग उन्हें आज भी याद करते हैं। कृष्णदेवराय युद्धकाल ना होने पर भी घंटों घुड़सवारी और वर्जिश करते रहते थे। क्यों? ताकि दृढ़ता में कमी न आ जाए।

यूनिक लर्निंग – सबसे चतुर वह है जो हमेशा अधिक प्रयास करने और सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करने को तैयार है, भले ही इस वक्त सब ठीक लगे।

तीसरा लेसन – प्रशासनिक कौशल

कृष्णदेवराय अपने प्रशासनिक कौशल के लिए जाने जाते थे। वह समाज के सभी वर्गों के लिए लाभकारी नीतियों को लागू करके एक स्थिर और समृद्ध राज्य बनाए रखने में सक्षम थे। शासन की एक कुशल प्रणाली बनाकर, जो साम्राज्य की वृद्धि और विकास के लिए आवश्यक थी, उन्होंने प्रजा का दिल जीता। उन्होंने विवाह शुल्क जैसे गलत करों को समाप्त कर दिया। राजस्व बढ़ाने के लिए, उन्होंने कुछ क्षेत्रों में वनों की कटाई का आदेश देते हुए नई भूमि को खेती के लायक बनाया।

यूनिक लर्निंग – जिस तरह से उन्होंने अपने राज्य को संभाला और नियंत्रित किया, उसे अध्ययन करने से किसी भी स्थिति में प्रभावी ढंग से प्रबंधन और योजना बनाने का विजन मिल सकता है।

*** चौथा लेसन – कला और संस्कृति के संरक्षक**

कृष्णदेवराय कला और संस्कृति के संरक्षक थे। उन्होंने कला, संगीत और साहित्य के विकास से साम्राज्य के भीतर एकता और साझा संस्कृति की भावना को बढ़ावा देने में मदद की। अपने शासनकाल के दौरान, कृष्णदेवराय ने प्रसिद्ध कवि तेनाली रामकृष्ण सहित कई प्रसिद्ध विद्वानों और कवियों को अपने दरबार में आमंत्रित किया। साहित्य के कई प्रमुख कार्य उनके शासनकाल के दौरान लिखे गए थे। कृष्णदेवराय स्वयं भी एक प्रतिभाशाली कवि और लेखक थे, और उन्हें तेलुगु और कन्नड़ में कई कार्यों का श्रेय दिया जाता है। यह कला के लिए रचनात्मकता और प्रशंसा को बढ़ावा देने के महत्व को दर्शाता है, जो किसी भी व्यक्ति के लिए महत्वपूर्ण कौशल हैं।

अब स्कूल किताबों पर नहीं वसूल कर पाएंगे मनमानी कीमत, हरियाणा सरकार लाएगी नीति

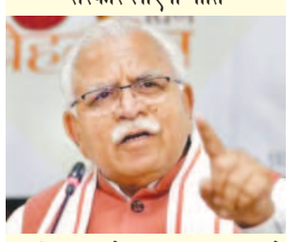

सीएम मनोहर लाल खट्टर ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार निजी स्कूलों को छात्रों को मनमाने ढंग से किताबें बेचने से रोकने के लिए एक नीति लागू करेगी. हरियाणा सरकार स्कूली किताबों की मनमानी बिक्री रोकने के लिए एक नीति लाने पर विचार कर रही है. सरकार के इस कदम से अभिभावकों को राहत बड़ी राहत मिलेगी. सीएम मनोहर लाल खट्टर ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार निजी स्कूलों को छात्रों को मनमाने ढंग से किताबें बेचने से रोकने के लिए एक नीति लागू करेगी. सीएम ने कहा कि नई नीति किताबों की गुणवत्ता तय करने के साथ-साथ किताबों के दाम भी तय करेगी.

मनमानी कीमत पर वसूलने पर लगेगी रोक

सीएम मनोहर लाल खट्टर ने यह ऐलान फरीदाबाद में जिला जनसंपर्क एवं शिकायत निवारण समिति की बैठक में शिकायतों की सुनवाई के दौरान किया. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 14 शिकायतों को रखा गया था, जिनमें से 12 शिकायतों का निस्तारण किया गया है. निजी स्कूलों द्वारा अभिभावकों से किताबों की अधिक कीमत वसूले जाने की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने माध्यमिक शिक्षा निदेशक अंशज सिंह से बात की.

सीएम ने उन्हें अभिभावकों के आर्थिक नुकसान को रोकने के लिए एक नीति बनाने के निर्देश दिया है. साथ ही मुख्यमंत्री ने निजी स्कूलों द्वारा निर्धारित स्लैब के अनुसार फीस वसूलने के आदेश भी जारी किए गए.

चेक शर्ट में मिलेगा स्टाइलिश लुक खरीदने से पहले रखें इन बातों का ध्यान

गर्मियों के मौसम में फैशन का काफी ध्यान रखा जाता है। लड़कियों के पास तो स्टाइलिश और ट्रेंडिंग दिखने के कई ऑप्शन होते हैं। उनके लिए गर्मियों के मौसम में कई तरह के आउटफिट भी आते हैं, जो काफी ट्रेंडिंग लगते हैं। पर, अगर बात करें लड़कों की तो उनके लिए ज्यादा खास ऑप्शन नहीं होते। जबकि हर लड़के के लिए उसके कपड़े सबसे अहम होते हैं। इसके बावजूद भी लड़के अपने आउटफिट का चयन करने से पहले ज्यादा सोचते भी नहीं हैं।

आज के लड़कों को चेक की शर्ट पहना काफी पसंद होता है। पर, उन्हें ये समझ नहीं आता कि किस तरह की शर्ट पहन कर वो हैंडसम दिख सकते हैं। ऐसे में आपके इस संशय को आज हमारा ये लेख दूर करने में मदद करेगा। आज हम आपको बताएंगे कि कैसी शर्ट पहनकर आप हैंडसम दिख सकते हैं। इसके लिए बस आपको शर्ट खरीदते वक्त कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

रंग का रखें खास ध्यान

चेक की शर्ट खरीदते वक्त उसके रंग का खास ध्यान रखें। चेक की शर्ट के कलर कॉम्बिनेशन को अपनी स्किन के रंग के हिसाब से ही चयन करें।

अगर आप पर ज्यादा ब्राइट रंग अच्छे नहीं लगते हैं तो इनसे दूरी बनाएं। वरना इसे पहन कर आप अजीब दिखेंगे।

कपड़े पर दें ध्यान

अगर आप चेक की शर्ट खरीद रहे हैं तो उसके कपड़े पर खास ध्यान दें। शर्ट के लिए ऐसा फैब्रिक चुनें जो बंद बटन के साथ-साथ खुले पर भी अच्छा लगे।

पैटर्न को न भूलें

शर्ट खरीदते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि छोटे चेक स्मार्ट लुक देते हैं तो वहीं बड़े चेक्स के शर्ट कैजुअल लुक के लिए परफेक्ट होते हैं।

बेस्ट लगता है ये पैटर्न

अगर आप इस तरह से चेक की शर्ट का चयन करेंगे तो आपको लुक आदि अलग और स्टाइलिश लगेगा। जो लोग हमेशा प्लेन या लाइनिंग वाली शर्ट पहनते हैं, उन्हें ये चेक वाली शर्ट जरूर ट्राई करनी चाहिए।

सीआरपीएफ ने ग्रुप बी और सी के 212 पदों पर निकाली भर्ती

एससी, एसटी और महिलाओं को मिलेगी फीस में छूट

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने ग्रुप बी और ग्रुप सी के 212 पदों की भर्ती निकाली है। सीआरपीएफ द्वारा जारी भर्ती नोटिफिकेशन के मुताबिक, रेडियो ऑपरेटर, क्रिप्टो, टेक्निकल और सिविल विभागों में सब-इंस्पेक्टर के कुल 51 पदों पर भर्ती की जानी है। इसी तरह टेक्निकल और ड्राफ्ट्समैन विभाग में असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर के 161 पदों पर भर्ती होगी। आवेदन की आखिरी तारीख : 21 मई 2023

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन

सब-इंस्पेक्टर (रेडियो ऑपरेटर) : किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से मैथ्स, फिजिक्स या कंप्यूटर साइंस के साथ ग्रेजुएट होना चाहिए।

एसआई क्रिप्टो : मैथ्स और फिजिक्स में ग्रेजुएशन की डिग्री।

एसआई टेक्निकल और सिविल : सम्बन्धित ट्रेड में बीई/बीटेक पास।

एएसआई : 12 वीं पास। सम्बन्धित क्षेत्र में डिप्लोमा जरूरी।

एज लिमिटः एसआई पदों के लिए उम्मीदवारों की उम्र आवेदन की आखिरी तारीख यानी 21 मई 2023 को 30 वर्ष से कम होनी चाहिए। जबकि एएसआई पदों के लिए अधिकतम आयु सीमा 25 वर्ष है।

एप्लीकेशन फीसः आवेदन के दौरान उम्मीदवारों को 200 रुपये फीस का भुगतान ऑनलाइन माध्यमों से करना होगा।

ऐसे करें आवेदन

सीआरपीएफ द्वारा विज्ञापित सब-इंस्पेक्टर और असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर के पदों पर भर्ती के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार ऑफिशियल भर्ती पोर्टल rect.crpf.gov.in पर उपलब्ध कराए जाने वाले ऑनलाइन अप्लीकेशन फॉर्म के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे।

सरकारी नौकरी

मप्र कर्मचारी चयन बोर्ड ने टीचर्स के 8720 पदों पर निकाली भर्ती

मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड ने हाई स्कूल चयन परीक्षा के तहत शिक्षकों के पदों पर भर्ती के लिए आवेदन मांगे हैं। जो भी उम्मीदवार इन पदों पर आवेदन करना चाहते हैं, वे MPESB की ऑफिशियल वेबसाइट esb.mp.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।

इस भर्ती के तहत राज्य के शिक्षा और आदिवासी विभाग में खाली पदों को भरा जाएगा। इनमें हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू, मैथ्स, जूलॉजी, फिजिक्स, केमेस्ट्री, हिस्ट्री, पॉलिटिकल साइंस, जियोग्राफी, इकोनॉमिक्स, सोशियोलॉजी, कॉमर्स, एग्रीकल्चर और होम साइंस सहित कई विषयों के लिए वैकेंसी मौजूद है।

कुल पदों की संख्या : 8720

खास तारीखें : आवेदन की आखिरी तारीख : 06 जून 2023

एज लिमिट : न्यूनतम आयु सीमा : 21 वर्ष सामान्य पुरुष : 40 वर्ष

महिला और अन्य कैटेगरी : 45 वर्ष , सिलेक्शन प्रोसेस : रिटन एग्जाम द्वारा।

गुजरात हाईकोर्ट ने डिस्ट्रिक्ट जज के 57 पदों पर निकाली भर्ती

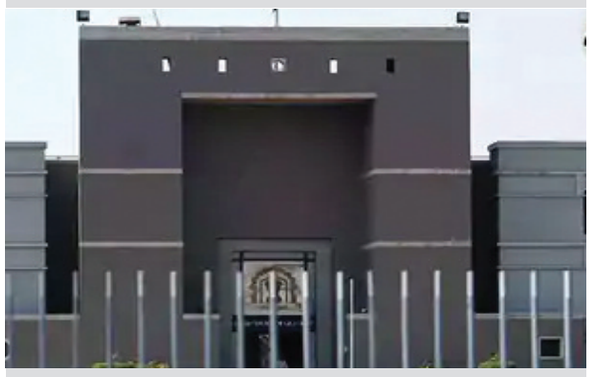

गुजरात हाईकोर्ट ने डिस्ट्रिक्ट जज के पद पर ऑनलाइन आवेदन निकाले हैं। अगर आप हाईकोर्ट में नौकरी पाना चाहते हैं, तो ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट hc-ojas.gujarat.gov.in पर जाकर इस नौकरी के लिए 5 मई तक आवेदन कर सकते हैं।

डिस्ट्रिक्ट जज के पद पर नियुक्ति के लिए प्रीलिम्स एग्जाम 11 जून को करवाया जाएगा। मेन्स रिटन एग्जाम और वाइवा टेस्ट 16 जुलाई और सितंबर 2023 में होगा। इस भर्ती अभियान के तहत डिस्ट्रिक्ट जज के 57 पदों पर नियुक्ति की जाएगी।

एज लिमिट

उम्मीदवारों की उम्र 35 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए। हालांकि एससी, एसटी, सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों के लिए अधिकतम उम्र 48 साल है।

ऐसे करें आवेदन

ऑफिशियल वेबसाइट hc-ojas.gujarat.gov.in पर जाएं।

एप्लिकेशन फॉर्म फिल करें और सभी जरूरी डिटेल्स भरें। फीस भरकर फॉर्म सबमिट कर दें। आगे की जरूरत के लिए एक प्रिंट आउट लेकर रखें।

लाजबाव लगेगा दूल्हा, जब इन बातों का ध्यान रखकर सिर पर सजेगा सेहरा

हर किसी की जिंदगी में उसकी शादी का दिन काफी अहम होता है। इस दिन के लिए लोग महीनों पहले से शादी की तैयारियां शुरू कर देते हैं। होने वाली दुल्हनें अपनी शादी के ट्रेंडिंग आउटफिट के लिए बाजार से लेकर सोशल मीडिया साइट्स तक सब खंगाल देती हैं। वहीं आज के समय में दूल्हे भी अपनी शादी में जलवा बिखेरने के लिए पहले से तैयारी करने लगते हैं। दूल्हे के लुक में सबसे अहम उनका सेहरा होता है।

आपने एक गाना तो सुना ही होगा, दूल्हे का सेहरा सुहाना लगता है... हर दूल्हा चाहता है कि उसे देखकर लोग यही गाएं, यही कहें। पर, क्या आपको पता है कि सेहरा खरीदते वक्त आपकी थोड़ी सी लापरवाही आपके लुक को खराब कर सकती है। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसी बातें बताएंगे जिनको ध्यान में रखकर आपको अपनी शादी का सेहरा तलाशना चाहिए। ताकि आप अपने वेडिंग लुक में एक दम कमाल के लगें।

ऐसे सेहरे हैं ट्रेंड में

अगर आप अपनी शादी में रॉयल लुक अपनाना चाहते हैं तो राजस्थानी पगड़ी एक बेहतर विकल्प है। अगर रंग की बात करें गोरे या गेंहुए रंग के लोगों पर लाल, पीले जैसे रंगों को ले सकते हैं। सांवले रंग पर मैरून, गुलाबी जैसे शेड्स की पगड़ी ज्यादा जचती है।

इसके साथ ही आप अपनी सिंपल कॉटन या सिल्क की रंग-बिरंगी पगड़ी के साथ स्टोन या मोती का ब्रॉन्च भी लगा सकते हैं। इससे दूल्हे का लुक और भी शाही लगेगा। ये देखने में काफी रॉयल लगता है।

फूल या मोती की लड़ी वाले सेहरे काफी क्लासी लगते हैं। आप इसे लाइट रंग के आउटफिट के साथ पहन सकते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

अगर आप फूलों से सजा सेहरा कैरी करने का सोच रहे हैं तो ध्यान रखें कि इसके फूल एकदम ताजा हों। ये फूल काले नहीं पड़ने चाहिए। अपने सेहरे के साइज का खास ध्यान रखें। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो ये पूरे समय खिसकता रहेगा। इससे आपका लुक भी खराब हो सकता है। अपने सेहरे का रंग अगर आप दुल्हन के आउटफिट से मैच करेंगे तो ये काफी अच्छा लगेगा। फोटोज में भी ये काफी अच्छा लगता है।

अप्रैल में विदेशी निवेशकों ने की रिकॉर्ड शेयरों की खरीदारी, 11,631 करोड़ का किया निवेश

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। विदेशी निवेशकों ने अप्रैल महीने में इस साल का सबसे ज्यादा निवेश किया है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने अप्रैल में 2023 में भारतीय इक्विटी में 11,631 करोड़ रुपये की अधिकत्तम खरीदारी की है। यह लगातार दूसरा महीना है, जब विदेशी निवेशकों ने पैसा निवेश किया है। आईटी सेक्टर के तकनीकी दिग्गजों में बड़े पैमाने पर बिकवाली होने के बावजूद विदेशी निवेशकों ने दिलचस्पी दिखाई है। सेंसेक्स और निफ्टी 50 दोनों ने अप्रैल में लचीला प्रदर्शन दिखाया है। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने अप्रैल 2023 में 11,631 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी। यह कर्ज और कर्ज-वीआरआर उपकरणों में किए गए निवेश से कई गुना अधिक है, जो उक्त महीने में 806 करोड़ रुपये और 1,235 करोड़ रुपये है।

126 करोड़ रुपये की बिक्री

विदेशी निवेशकों ने 126 करोड़ रुपये के शेयर बेंचे हैं। एनएसडीएल डाटा के मुताबिक, अप्रैल में विदेशी निवेशकों द्वारा मजबूत खरीदारी की गई है। भारतीय बाजार में मोटे तौर पर एफपीआई का निवेश लगभग 13,545 करोड़ रुपये है, जिसमें इक्विटी, कर्ज, कर्ज-वीआरआर आदि शामिल है।

पिछले दो महीने से बढ़ रहे खरीदार

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के चीफ इंवेस्टमेंट एक्सपर्ट डॉ। वीके विजयकुमार ने कहा कि ऐसा लगता है कि एफपीआई ने हाल के दिनों में भारत में अपनी निवेश रणनीति बदल दी है। इस साल के शुरुआत में निवेशक स्टॉक सेल कर रहे थे, लेकिन पिछले दो महीने से खरीदार बढ़ रहे हैं। अप्रैल में सेंसेक्स लगभग 2,121 अंक या 3.60 फीसदी बढ़ा है, जबकि निफ्टी 50 अप्रैल महीने में 705 अंक या 4.06 फीसदी से अधिक बढ़ा है। शुक्रवार को सेंसेक्स की नवीनतम रीडिंग 61,112.44 463.06 अंक या 0.76 फीसदी और निफ्टी 50 149.95 अंक या 0।84 फीसदी बढ़कर 18,065 पर है। 28 अप्रैल इस महीने का आखिरी कारोबारी दिन है। मार्च महीने में, इक्विटी बाजार में 7,936 करोड़ रुपये के प्रवाह के साथ एफपीआई भी खरीदार थे। विजयकुमार ने कहा कि रुपया इस साल फरवरी के अंत में डॉलर के मुकाबले 82.94 के निचले स्तर को छू गया था, वह अब डॉलर के मुकाबले 81.75 हो गया है।

जनवरी में सबसे ज्यादा हुई सेल

साल-दर-साल एफपीआई भारतीय इक्विटी में 14,579 करोड़ रुपये के साथ शुद्ध विक्रेता हैं। 2023 का सबसे अधिक बिकने वाला महीना जनवरी है जहां 28,852 करोड़ रुपये की बिक्री की है, जबकि फरवरी में एफपीआई ने 5,294 करोड़ रुपये की बिकवाली की दर्ज की थी।

अब ट्विटर पर आर्टिकल पढ़ने के लिए देने होंगे पैसे

एलन मस्क का ऐलान- मीडिया पब्लिसर्स को चार्ज लेने की मिलेगी अनुमति

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। एलन मस्क ने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर पर शनिवार को बड़े बदलाव करने का ऐलान किया है। उन्होंने ट्वीट करते हुए बताया कि अब मीडिया पब्लिसर्स को अगले महीने से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आर्टिकल पढ़ने के लिए यूजर्स से चार्ज लेने की अनुमित मिलेगी। इस फीचर के रोल आउट होने के बाद ट्विटर यूजर्स को आर्टिकल पढ़ने के लिए मंथली सब्सक्रिप्शन लेना पड़ेगा। वहीं, जो यूजर को कभी-कभार आर्टिकल पढ़ना चाहते हैं उन्हें प्रति आर्टिकल के हिसाब से चार्ज देना पड़ेगा। एलन मस्क ने इसे मीडिया ऑर्गेनाइजेशन और पब्लिक के लिए एक बड़ी जीत बताया।

कंटेंट क्रिएटर्स ट्विटर के जरिए कमा सकते हैं पैसा

ट्विटर ने ऑफिशियल अकाउंट से ट्वीट करते हुए बताया कि 'दुनियाभर के क्रिएटर्स अब साइन अप कर सकते हैं और ट्विटर पर कमाई कर सकते हैं। आज ही अप्लाई करने के लिए सेटिंग में मोनेटाइजेशन पर टैप करें।' हालांकि, इसके जरिए वही क्रिएटर्स पैसा कमा पाएंगे जिनके अकाउंट में कम से कम 500 फॉलोअर्स हों। वहीं अकाउंट वैरिफाइड होने के साथ ही पिछले 30 दिन से एक्टिव हो।

दुनिया भर के कंटेंट क्रियेटर्स का समर्थन करें

ट्विटर के ट्वीट पर कमेंट करते हुए एलन मस्क ने कहा कि दुनिया भर के कंटेंट क्रियेटर्स का समर्थन करें! कई लोगों की इनकम का ये एक प्रमुख स्रोत है। उन्हें आपके लिए बढ़िया कंटेंट बनाने के लिए अधिक समय देने में प्रोत्साहित करता है।

कंटेंट क्रिएटर्स के लिए मोनेटाइजेशन प्रोग्राम कैसे काम करेगा?

एलन मस्क ने 14 अप्रैल को ट्वीट करते हुए कहा था कि 'अपने फॉलोअर्स को लॉन्गफॉर्म टेक्स्ट से लेकर घंटों लंबे वीडियो तक किसी भी मटेरियल का सब्सक्रिप्शन ऑफर करने के लिए अप्लाय करें। सेटिंग्स में बस मोनेटाइजेशन पर टैप करें। मोनेटाइजेशन से की गई कमाई का कोई भी हिस्सा अगले 12 महीनों तक ट्विटर नहीं लेगा। हालांकि एंड्रॉएड और आईओएस 30% फीस वसूलता है। ये चार्ज क्रिएटर की इनकम से डिडक्ट हो जाएगा। वेब पर चार्ज 8% के करीब है।पहले साल के बाद, 'आईओएस और एंड्रॉएड फीस 15% तक कम हो जाएगी। इसके अलावा ट्विटर वॉल्यूम के आधार पर उसके ऊपर एक छोटी फीस जोड़ देगा। ट्विटर आपके काम को प्रमोट करने में भी मदद करेगा।'मस्क ने कहा- हमारा गोल क्रिएटर की समृद्धि को मैक्सिमाइज करना है। किसी भी समय, आप हमारे प्लेटफॉर्म को छोड़ सकते हैं और अपने वर्क को अपने साथ ले जा सकते हैं। ईजी इन, ईजी आउट।'

ट्विटर ने बिना सब्सक्रिप्शन वाले कई यूजर्स को लौटाया ब्लूटिक

ट्विटर ने 21 अप्रैल को उन सभी के ब्लू टिक हटा दिए थे, जिन्होंने ट्विटर ब्लू का सब्सक्रिप्शन नहीं लिया था। हालांकि, इसके दो दिन बाद 23 अप्रैल को ट्विटर ने उन लोगों के ब्लू वैरिफिकेशन बैज लौटा दिए जिनके 1 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स थे। ब्लू टिक दोबारा मिलने वालों में कुछ ऐसे लोगों के नाम भी शामिल है जिनकी मौत हो चुकी है। इनमें सुशांत सिंह राजपूत, इरफान खान, ऋषि कपूर जैसे नाम शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट में दायर सेबी की अर्जी पर अडानी समूह ने दिया रिएक्शन

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। अडानी समूह जनवरी से ही काफी चर्चा में बना हुआ है। हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के बाद से ही इस पर तरह-तरह के आरोप-प्रत्यारोप के बीच बाजार नियामक सेबी ने भी देश के सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था और हाल ही में इस मामले की जांच के लिए और 6 महीने का वक्त मांगा है।अब इसी मामले पर अडानी समूह के एक प्रवक्ता ने कहा कि सेबी 25 जनवरी, 2023 को एक विदेशी शॉर्ट-सेलर द्वारा अडानी समूह पर लगाए गए आरोपों के अलावा और भी कई तथ्यों की जांच कर रही है। इसमें इस रिपोर्ट के जारी होने की तारीख से पहले और बाद की मार्केट एक्टिविटीज की भी जांच की जा रही है। इस विस्तृत जांच के लिए सेबी के साथ अडानी समूह पूरी तरह सहयोग कर रहा है।अडानी समूह ने कहा कि हम इस जांच के फैसले का स्वागत करते हैं क्योंकि इसके जरिए सभी मामलों को सुना जाएगा और सभी को अपना पक्ष रखने का वक्त मिलेगा। हम सभी नियम, कानून और नियामकीय बातों से बंधे हुए हैं और मानते हैं कि सत्य की जीत होगी। हम सेबी के साथ-साथ पूरी तरह सहयोग कर रहे हैं और उन्हें अपना पूरा सपोर्ट दे रहे हैं। हम सभी कानूनों का पूरी तरह से अनुपालन कर रहे हैं और नियम और कानूनों के बल पर हमें विश्वास है कि सत्य की जीत होगी।अडानी समूह ने ये भी कहा है कि सुप्रीम कोर्ट के सामने दायर सेबी के आवेदन में किसी भी कथित गलत काम का निष्कर्ष नहीं बताया गया है। सेबी के आवेदन में केवल शॉर्ट-सेलर की रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों का हवाला दिया गया है, जो कि अभी भी जांच के दायरे में हैं। अडानी ने अपने बयान में कहा है कि हम मीडिया से अनुरोध करेंगे कि वह इस समय गैरजरूरी अटकलों से बचें। सेबी और सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ समिति का काम पूरा होने और अपने नतीजे पेश होने का इंतजार करें।

भारत बना यूरोप का सबसे बड़ा ईंधन सप्लायर

इस आपदा से निकला सुनहरा अवसर?

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्वी यूरोप में साल भर से भी ज्यादा समय से जारी जंग ने पूरी दुनिया पर असर डाला है। खासकर अर्थव्यवस्था औ व्यापार के मामले में नए समीकरण उभर कर सामने आए हैं। यह संकट एक तरफ कई देशों के लिए खाने-पीने की चीजों की कमी का कारण बना है, दूसरी ओर कुछ देशों को फायदा भी हुआ है। भारत की ही बात करें तो जारी संकट के बीच अपना देश यूरोप के लिए ईंधन का सबसे बड़ा सप्लायर बनकर उभरा है।

रूस से बढ़ी भारत की खरीदारी

न्यूज एजेंसी एएनआई ने एनालिटिक्स फर्म केपलर के डेटा का हवाला देते हुए एक ताजी खबर में कहा है कि अप्रैल महीने के दौरान यूरोप के लिए भारत रिफाइंड ईंधनों का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा है। यह बदलाव ऐसे समय हुआ है, जब भारत एक तरफ रूस से रिकॉर्ड मात्रा में कच्चे तेल की खरीद कर रहा है।

इस कारण बढ़ी भारत पर निर्भरता

पिछले साल फरवरी में रूस ने अपने पड़ोसी देश यूक्रेन पर हमला किया था। उसके बाद से अब तक पूर्वी यूरोप में जंग जारी है। इस हमले के कारण अमेरिका और यूरोप की कई प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं ने रूस के ऊपर आर्थिक पाबंदियां लगाई हैं, साथ ही रूस के साथ व्यापारिक ताल्लुकात कम किए हैं। यूरोप ईंधन के मामले में रूस पर निर्भर रहता आया है। बदले हालात में यूरोप ने रूस से रिफाइंड ईंधनों की खरीद बंद की है तो अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत पर उसकी निर्भरता बढ़ी है।

हर रोज औसतन 3.60 लाख बैरल खरीद

केपलर के आंकड़ों के अनुसार, यूरोप ने अप्रैल महीने के दौरान भारत से हर दिन औसतन 3.60 लाख बैरल से ज्यादा रिफाइंड फ्यूल की खरीद की। यह आंकड़ा सऊदी अरब से की गई औसत खरीद से ज्यादा है। रिफाइंड फ्यूल उन पेट्रोलियम उत्पादों को कहा जाता है, जिन्हें कच्चे तेल के परिशोधन के बाद तैयार किया जाता है। डीजल व पेट्रोल जैसे पारंपरिक ईंधन इसके उदाहरण हैं।

आईडीबीआई बैंक ने 3645 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया

हर शेयर पर देगी इतने रुपये का डिविडेंड

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। आईडीबीआई बैंक ने शनिवार को कहा कि उसने वित्त वर्ष 2023 में लगभग 3,645 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने प्रति इक्विटी शेयर 1 रुपये के डिविडेंड की सिफारिश की है। आईडीबीआई बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि उसके बोर्ड ने नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड की चुकता शेयर पूंजी के 0.01 फीसदी की अतिरिक्त हिस्सेदारी के विनिवेश को मंजूरी दे दी है। इसके साथ एनएसडीएल की चुकता शेयर पूंजी के 11.11 फीसदी तक बैंक की हिस्सेदारी का कुल विनिवेश है।पिछले वित्त वर्ष में आईडीबीआई बैंक ने लगभग 24,941.76 करोड़ रुपये की कुल आय हासिल की है, जबकि वित्त वर्ष 2022 में ये 22,981.80 करोड़ रुपये थी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति	
सूर्य-	मेष में
चंद्र-	सिंह में
मंगल	मिथुन में
बुध-	मेष में
गुरु-	मेष में
शुक्र-	वृष में
शनि-	कुंभ में
राहु-	मेष में
केतु-	तुला में

लग्नारंभ समय	
मेष--	05-00 बजे
वृष--	06-44 बजे
मिथुन..	08-44 बजे
कर्क...	10-57 बजे
सिंह...	13-08 बजे
कन्या..	15-15 बजे
तुला...	17-21 बजे
वृश्चिक.	19-31 बजे
धनु.....	21-44 बजे
मकर..	23-51 बजे
कुंभ...	01-41 बजे
मीन ..	03-19 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् -**1945**, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु-**ग्रीष्म**
महावीर निर्वाण संवत् -**2549**,हिजरी सन् -**1444**
कलियुग अवधि-**432000**
सूर्योदय- 05-54 सूर्य अस्त- 18-32
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् -**5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -**1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- एकादशी - **22 -09** तक उपरान्त द्वादशी
मास - वैशाख शुक्ल पक्ष , सोमवार **May 01**
नक्षत्र - पूर्वाफाल्गुनी - **17- 50** - तक उपरान्त उ.फाल्गुनी
योग - ध्रुव - **11 - 43** - तक उप - व्याघात
करण- वणिज - **09 - 23** - तक उप- विष्टि
विशेष:- मोहिनी एकादशी व्रत सर्वे
व्रत -त्योहार - भद्रा - **09-23** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:27 से 09:02 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		
अमृत	05:54 - 07:27	शुभ
काल	07:27 - 09:02	अशुभ
शुभ	09:02 - 10:38	शुभ
रोग	10:38 - 12:13	अशुभ
उत्पात	12:13 - 13:49	अशुभ
चंचल	13:49 - 15:24	शुभ
लाभ	15:24 - 16:59	शुभ
अमृत	16:59 - 18:32	शुभ

रात का चौघड़िया		
चंचल	18:32 - 19:59	शुभ
रोग	19:59 - 21:24	अशुभ
काल	21:24 - 22:49	अशुभ
लाभ	22:49 - 00:13	शुभ
उत्पात	00:13 - 01:38	अशुभ
शुभ	01:38 - 03:02	शुभ
अमृत	03:02 - 04:27	शुभ
चंचल	04:27 - 05:54	शुभ

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
दोस्त आपका परिचय किसी ख़ास व्यक्ति से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेगा। आज आपके पास अच्छी खासी रकम होगी और इसके साथ ही मानसिक शांति भी रहेगी। आपकी अत्यधिक ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह अनुकूल परिणाम लाएंगे और घरेलू तनाव कम करेंगे।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
गर्भवती माताओं के लिए विशेष देखभाल का दिन। धन लाभ आपकी उम्मीद के अनुरूप नहीं रहेगा। व्यक्तिगत मामलों को सुलझाने के लिए अपने दृष्टिकोण में उदार रहें, लेकिन अपनी ज़ुबान पर क़ाबू रखें ताकि उन लोगों को ठेस न पहुँचे जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,
आज आप ऊर्जा से लबरेज रहेंगे- आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे समय में ही कर पाएंगे, जितना समय आप आमतौर पर लेते हैं। अगर आप घर से दूर रहकर नौकरी या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका पैसा और समय बर्बाद करते हैं।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
थोड़े से तनाव और मतभेद की वजह से आप चिड़चिड़े और बेचैन हो सकते हैं। ख़र्चा बढ़ेगा लेकिन आय में वृद्धि आपके ख़र्चों का ध्यान रखेगी। परिवार के सदस्यों के प्रति आपका दबंग रवैया बेकार की बहसें ही शुरू करेगा और आलोचना का कारण भी बन सकता है।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज शांत-तनाव मुक्त रहें। आप शानदार नए विचारों के साथ आएंगे जो वित्तीय लाभ लाएंगे। ऐसे लोगों से दूर रहें जो आपको बुरी आदतों से प्रभावित कर सकते हैं। प्रेम संबंधों में जबरदस्ती करने से बचें। व्यावसायिक साझेदार सहायक व्यवहार करते हैं और आप लंबित कार्यों को पूरा करने के लिए मिलकर काम करते हैं।

कन्या — टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,
स्वास्थ्य आज उत्तम रहेगा। आज आपका कोई भाई-बहन आपसे पैसा उधार ले सकता है। हालांकि आप उनकी यह इच्छा पूरी करेंगे, लेकिन इससे आपकी आर्थिक तंगी और बढ़ सकती है। अपने घर के वातावरण में बदलाव करने से पहले सुनिश्चित करें कि आपके पास सभी की स्वीकृति है।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
अपनी ऊर्जा वापस पाने के लिए पूरा आराम करें। संपत्ति के सौदे फलीभूत होंगे और शानदार लाभ देंगे। दिन के उत्तरार्ध में आप आराम करना और अपने परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताना पसंद करेंगे। बेवजह का शक और शक रिश्ते को खराब कर देता है।

वृश्चिक — लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,
छोटी-छोटी बातों को अपने दिमाग पर हावी न होने दें। आपका पैसा कहां खर्च हो रहा है, इस पर आपको नजर बनाए रखने की जरूरत है, नहीं तो आने वाले समय में आपको दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अगर बातचीत और चर्चा ठीक नहीं चलती है- आप अपना आपा खो सकते हैं।

धनु — ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे
पीने और खाने में सावधानी बरतें। लापरवाही आपको बीमार कर सकती है। अटकलों से लाभ होगा। अपने दृष्टिकोण में उदार बनें और अपने परिवार के सदस्यों के साथ अच्छे प्यार भरे पल बिताएं। आपकी लव लाइफ कुछ ऐसा ही रहने वाला है। आज आपने जो काम किया है, उसके लिए आपको पहचान मिलेगी।

मकर — मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी
फ़ायदेमंद दिन है और आप किसी लंबी बीमारी से राहत पा सकते हैं। आज के दिन आपको शराब या ऐसी किसी भी वस्तु का सेवन करने से बचना चाहिए, क्योंकि जहरीली अवस्था में आप अपना सामान खो सकते हैं। अपने सामाजिक जीवन की उपेक्षा न करें।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,
स्वास्थ्य कुछ मानसिक दबावों के बावजूद ठीक रहेगा। आज सिर्फ बैठने के बजाय-क्यों न किसी ऐसी चीज़ में शामिल हो जाएं- जिससे आपकी कमाने की शक्ति में सुधार हो। भावनात्मक जोखिम आपके पक्ष में रहेगा। कुछ के लिए शादी की घंटी बजती है जबकि अन्य कमाने के नए विचारों का लाभ उठाएं जो आज आपके दिमाग में हैं। इस राशि के जातक काफी दिलचस्प होते हैं।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
पारिवारिक समस्याओं को अपनी पत्नी से साझा करें। एक-दूसरे को फिर से खोजने और एक प्यार करने वाले पोषण करने वाले जोड़े के रूप में पुनः पुष्टि करने के लिए कुछ समय व्यतीत करें। आपके बच्चे भी घर में खुशी और शांति सद्भाव के स्पंदनों को महसूस करेंगे।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

मेटा के सीईओ ने शेयर की अपनी डिजाइनिंग स्किल

3डी प्रिंटिंग के जरिए खुद तैयार की बेटी के लिए ड्रेस, कहा- मुझे सिलाई सीखनी है

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग डिजाइनिंग और 3डी प्रिंटिंग के जरिए कपड़े बनाना सीख रहे हैं। उन्होंने रविवार (30 अप्रैल) को सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक और इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इसके बारे में जानकारी दी।मार्क जुकरबर्ग ने खुद से तैयार की हुई ड्रेस की कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा 'मुझे चीजें बनाना पसंद है और हाल ही में लड़कियों के साथ मिलकर 3डी प्रिंटिंग ड्रेस बनाना शुरू किया है। पिछले कुछ महीनों के प्रोजेक्ट...(और हां, मुझे सिलाई सीखनी है)'।जुकरबर्ग ने जो तस्वीरें शेयर की हैं उसमें उनकी बेटी 3डी प्रिंटिंग से तैयार की हुई ड्रेस पहने हुए दिखाई दे रही हैं।इससे पहले जुकरबर्ग ने पिछले साल 3डी प्रिंटिंग के जरिए तैयार किए गए एक सूट की तस्वीर शेयर की थी। उस समय उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म में लिखा था 'मैक्स के सूट के पहले पीस की 3डी प्रिंटिंग पूरी की।मार्क जुकरबर्ग एक महीने पहले 24 मार्च तीसरी बेटी के पिता बने हैं, जिसका नाम उन्होंने ऑरेलिया रखा। इसके अलावा जुकरबर्ग की 5 साल की दूसरी बेटी 'अगस्त' और 7 साल की पहली बेटी 'मैक्सिमा' है।मार्क जुकरबर्ग और उनकी पत्नी प्रिसिला चॉन साल 2003 से साथ हैं। दोनों की मुलाकात हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में हुई थी। इसके बारे में उन्होंने सितंबर 2010 में फेसबुक के जरिए एक साथ होने की घोषणा की थी और साल 2012 में दोनों शादी के बंधन में बंध गए।

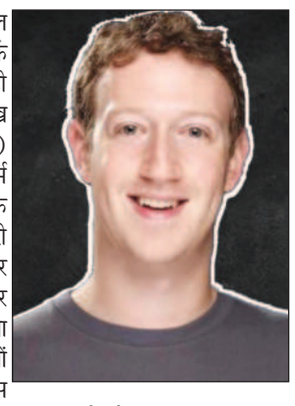

चिप बनाने वाली क्वालकाम तक पहुंचा छंटनी का प्रकोप

बीस फीसद लोगों की जाएगी नौकरी

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। अर्थव्यवस्था के सुस्त पड़ने की आशंका तेज होने के साथ ही दुनिया भर में छंटनी की रफ्तार बढ़ गई है। अपने कर्मचारियों को नौकरी से बाहर का रास्ता दिखाने वाली कंपनियों में अब एक और बड़ा नाम जुड़ने वाला है। खबरों में बताया जा रहा है कि चिप बनाने वाली मल्टीनेशनल कंपनी क्वालकॉम आने वाले दिनों में छंटनी का ऐलान कर सकती है।बिजनेस टुडे की एक खबर में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि कंपनी 3 मई को छंटनी से जुड़ा ऐलान कर सकती है। क्वालकॉम 3 मई को अपना तिमाही परिणाम जारी करने वाली है। खबर के अनुसार, चिप मैन्यूफैक्चरर कंपनी मार्च तिमाही के परिणाम के साथ-साथ अपने कर्मचारियों की छंटनी करने की जानकारी भी सार्वजनिक कर सकती है।बताया जा रहा है कि क्वालकॉम अपने 5 फीसदी कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखा सकती है। मामले से जुड़े सूत्रों का यह भी दावा है कि प्रस्तावित छंटनी की सबसे ज्यादा मार मोबाइल डिवीजन पर पड़ने वाली है। मोबाइल सेगमेंट में कंपनी करीब 20 फीसदी कर्मचारियों को काम से निकाल सकती है।मौजूदा प्रतिकूल आर्थिक परिस्थितियों से सबसे ज्यादा असर दुनिया भर की टेक कंपनियों पर हुआ है। लगभग सभी टेक कंपनियों की बिक्री पिछले कुछ महीनों के दौरान कम हुई है और इससे उनका राजस्व प्रभावित हुआ है।

सरकार ने कर दिया ऐलान

आईटीआर भरते वक्त इन फॉर्म का रखें ध्यान, कोई भी गलती पड़ेगी भारी

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करना हर उस शख्स की जिम्मेदारी है, जिसकी इनकम टैक्सेबल है। इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने वाले लोगों को अलग-अलग इनकम टैक्स स्लैब के हिसाब से टैक्स दाखिल करना होता है। अलग-अलग इनकम के लिहाज से टैक्स स्लैब भी अलग-अलग हैं। इसके साथ ही लोगों को इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल करने के लिए अलग-अलग फॉर्म का भी इस्तेमाल करना पड़ता है। ऐसे में इनके बारे में जानकारी होना काफी जरूरी है। आइए जानते हैं। वहीं पुराने और नए टैक्स सिस्टम के बीच स्विच करने के लिए आईटीआर-1 और आईटीआर-4 में कुछ बदलाव किए गए हैं। आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए अतिरिक्त शर्तें आईटीआर 1 और आईटीआर 4 में पेश की गई हैं। इनमें पिछले वित्तीय वर्ष में कारोबार से 60 लाख से अधिक का कारोबार, पेशे से पिछले वित्तीय वर्ष में 10 लाख रुपये से अधिक का कारोबार और पिछले वित्तीय वर्ष में टीडीएस काटा गया आदि शामिल है।वहीं 50 लाख रुपये तक की कुल आय वाले व्यक्ति आईटीआर-1 का उपयोग कर सकते हैं, जबकि आईटीआर-4 व्यक्तियों, हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ) और व्यवसायों से कमाई करने वाली फर्मों के लिए है।

सोमवार के बावजूद आज इन शहरों में बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। अप्रैल का महीना समाप्त हो गया हैं। आज से मई का महीना शुरू हो गया है। छुट्टियों के कैलेंडर के मुताबिक मई में कुल 11 दिन बैंक बंद रहेंगे। इन छुट्टियों की शुरुआत एक मई से ही हो रही है। मई के पहले दिन सोमवार को कई रीजनल त्योहार और मजदूर दिवस होने के कारण देश के अलग- अलग शहरों में बैंक बंद रहेंगे। बता दें, आरबीआई की ओर से बैंकों की छुट्टियों का कैलेंडर जारी किया जाता है। इसके मुतबाकि ही देश के अलग-अलग इलाकों में निजी और सरकारी बैंक बंद रहते हैं। मजदूर दिवस के अलावा बुद्ध पूर्णिमा, रवींद्रनाथ टैगोर जयंती के साथ कई अन्य महत्वपूर्ण त्योहार भी इसी महीने में पड़ रहे हैं।

1 मई को मजदूर दिवस होने के साथ महाराष्ट्र डे भी है। इस वजह मुंबई के साथ बेलापुर, बेंगलुरु, चेन्नई, गुवाहाटी, **हैदराबाद** , इंफाल, कोच्चि, कोलकाता, नागपुर, पणजी, पटना और तिरुवनंतपुरम में बैंक की छुट्टी होगी। 5 मई को बुद्ध पूर्णिमा है और इस मौके पर चंडीगढ़, देहरादून, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, रायपुर, अगरतला, आइजोल, बेलापुर, भोपाल, रांची, शिमला और श्रीनगर में बैंकों में अवकाश रहेगा। 9 मई को रवींद्रनाथ टैगोर जयंती है और इस मौके पर कोलकाता में बैंक बंद रहेंगे। सिक्किम राज्य की स्थापना के अवसर पर राजधानी गंगटोक में बैंक बंद रहेंगे। वहीं, 22 मई को महाराणा प्रताप जयंती के चलते शिमला में बैंकों का अवकाश रहेगा।

शनिवार और रविवार की छुट्टी

इन छुट्टियों के अलावा 13 मई और 27 मई को दूसरे और चौथे शनिवार के कारण पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे। इसके अलावा 7, 14,21 और 28 मई को रविवार होने के कारण देश में राष्ट्रीय स्तर पर बैंकों की छुट्टी रहेगी।

आम पर भारत-पाकिस्तान की यारी

चूसकर या काटकर खाने के नफा-नुकसान; रात को खाने के बाद आम न खाएं

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एक्सक्लूसिव डेस्क)। किस्सा नवाबों के शहर लखनऊ का है। वहां एक बुजुर्ग चचा आम के बड़े शौकीन थे। जहां जाते, खास तौर से आम का जिक्र लेकर बैठ जाते। पूरे चौमासे उनको कुछ और सूझता ही नहीं था। एक बार उनसे किसी ने पूछ लिया कि चचा दिन में कितने आम खाते हैं? वो बोले- एक बार में एक दाढ़ी, न कम न ज्यादा। अब लोगों को समझ नहीं आ रहा था कि भला कोई दाढ़ी के पैमाने से आम कैसे खा सकता है। किलो भर या दर्जन भर का मामले का तो जिक्र ही नहीं है।

ऐसे में चचा ने खुद लोगों की उलझन को दूर करते हुए कहा कि आम की बाल्टी के सामने उकड़ू बैठ जाता हूं और तब तक आम खाता हूं, जब तक आम की गुठली और छिलके का ढेर दाढ़ी न छूने लगे। यही था उनके 'एक दाढ़ी आम' खाने का तरीका।

लखनऊ के नवाबी किस्सों के जानकार हिमांशु बाजपेयी ने अपनी किताब 'किस्सा-किस्सा लखनउवा' में आम के इस रोचक इतिहास को सहेजा है।

फिलहाल, आम के मीठे मौसम ने दस्तक दे दी है। बाजार में हरे-भरे अमियां यानी टिकोले नजर आने लगे हैं जो हमारे घर तक खट्टी चटनी और आम पन्ना या दाल में डूबकर पहुंच चुकी हैं। अब तो आम का सब्ज रंग पीला भी बाजार के ठेलों तक आ गया है। ऐसे में आम के तमाम किस्सों-कहानियों से लेकर इसे खाने के सही तरीके को जान लेना जरूरी है। किस वक्त, कौन सा आम खाना सही है। ब्लड प्रेशर या डायबिटीज में आम खाने के क्या फायदे-नुकसान हैं। आम का ही जादू है कि उसे खाने लंगड़े भी बनारस की ओर चल पड़ते हैं। वैसे 'लंगड़ा' खुद भी एक किस्म का आम है और खाने वाले बताते हैं कि इसका स्वाद बहुत खास है। तभी तो आम को 'खास' फल का दर्जा दिया जाता है। वैसे 'आमखास' भी खुद में भी आम की एक वैराइटी है।

बात जब आम की आती है तो भारत और पाकिस्तान मिलकर चीन से मुकाबला करते नजर आते हैं। खास बात यह भी है कि तमाम मुद्दों पर तकरार के बावजूद भारत और पाकिस्तान दोनों का राष्ट्रीय फल आम ही है। आम को मूल रूप से भारतीय उपमहाद्वीप से निकला फल माना जाता है। भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश का आम देसी और ज्यादा स्वादिष्ट माना जाता है।

साल 1968 में पाकिस्तानी विदेश मंत्री सैय्यद शरीफुद्दीन पीरजादा चीन के दौरे पर गए। उस वक्त तक चीन के लोग आम के स्वाद से अनजान थे। पाकिस्तानी मंत्री ने सोचा कि आम की मिठास से रिश्तों में गर्माहट लाई जा सकती है। वो अपने साथ देसी आम की 50 पेटियां चीन ले गए। चीनी नेता माओ के सामने आम पेश किया गया। माओ को यह पिलपिला फल देखने में बहुत ज्यादा नहीं भाया। उन्होंने इसे चखा भी नहीं। सारी पेटियों को चीनी कम्यूनिस्ट पार्टी के कॉमरेडों तक भेज दिया गया। जो उस वक्त सांस्कृतिक क्रांति के नाम पर राजनीतिक विरोधियों का दमन कर रहे थे। बस यहीं से आम कॉमरेड्स के लिए माओ के प्यार का प्रतीक बन गया।

फिर क्या था नकली प्रोडक्ट बनाने में उस्ताद चीन ने आम की कई किस्में विकसित कर लीं। जो देखने में भारत-पाकिस्तान के आम से ज्यादा मनभावन लगते थे, लेकिन स्वाद में सिफर थे। कहते हैं कि जो दिखता है, वही बिकता है। दूसरा, चीन के पास दुनिया भर में व्यापार का एक मजबूत सिस्टम था। जिसके दम पर चीन के आम ने दुनिया के बाजार से भारत-पाकिस्तान के देसी आमों के वर्चस्व को खत्म कर दिया।

आम के मौसम में किसी रिश्तेदार के यहां जा रहे हों, शादी के बाद बहू घर आ रही हो या बेटी बिदा होकर जा रही हो; साथ में आम का थैला या टोकरा होता ही है। गर्मी के मौसम में लेन-देन के लिए आम को बेहतर विकल्प माना जाता है। जब बात दो देशों के रिश्ते की हो तो यहां भी 'मैंगो डिप्लोमेसी' काम करती है।

पड़ोसी देश बंग्लादेश के रंगपुर का 'हरिभंगा' आम काफी फेमस है। बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना लगभग हर साल पीएम मोदी और बंगाल की सीएम ममता बनर्जी को ये आम भेजती हैं। पिछले साल बांग्लादेश से 26 क्विंटल आम आया था।

आम के सहारे चीनियों का दिल जीतने वाले पाकिस्तान ने भी 'मैंगो डिप्लोमेसी' में हाथ आजमाया। लेकिन यहां उसे मुंह की खानी पड़ी। कोरोना महामारी के दौर में पाकिस्तान ने 32 देशों को चौसा आम भेजा। कोरोना संक्रमण को देखते हुए अमेरिका, चीन, श्रीलंका, नेपाल, कनाडा और मिस्र ने पाकिस्तानी आम को लेने से इनकार कर दिया। फ्रांस जैसे कुछ देशों में पाकिस्तानी आम रख तो लिया। लेकिन इस पर कोई प्रतिक्रिया या शुक्रिया नहीं आई। इसे पाकिस्तान में बेइज्जती के तौर पर देखा गया।

4 हजार साल पुराना है आम का इतिहास

आम की उत्पत्ति भारत में हुई है। इसका इतिहास कम से कम 2 हजार ईसा पूर्व यानी आज से 4 हजार साल पहले का है। प्राचीन धार्मिक ग्रंथों में भी आम का खूब उल्लेख मिलता है। कहते हैं कि हनुमान जी ने अशोक वाटिका के जिस हिस्से पर सबसे ज्यादा चोट की थी, वह 'आम्रकानन' यानी आम का ही बाग था। 'कामसूत्र' में तो आम की तुलना खूबसूरत महिला से की गई है। तो कालिदास ने इसे वसंत का हथियार बताया है, जो लोगों को अपने रंग-रूप और स्वाद से घायल कर देता है। गौतम बुद्घ को भी आम काफी पसंद थे। वैशाली की नगरवधू 'आम्रपाली' से वे आम के बाग में ही मिले थे।

क्या आपको पता है कि देश भर में आम की दसियों हजार किस्में उगाई और खाई जाती हैं। खास बात तो यह है कि इनमें से

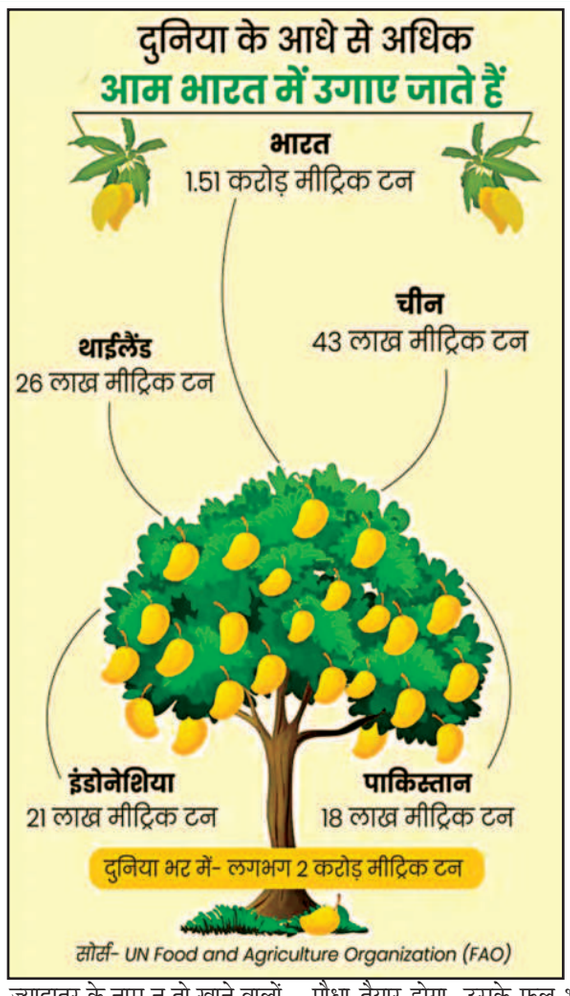

ज्यादातर के नाम न तो खाने वालों को और न ही उगाने वालों को पता है।

आम को मोटे तौर पर दो वर्गों में बांटकर देख सकते हैं। पहला है- कलमी और दूसरा- बीजू।

मान लीजिए, दशहरी आम के किसी पेड़ से लगाकर एक कलमी तैयार किया जाए तो वह पौधा भी आगे चलकर दशहरी आम ही देगा। लेकिन अगर दशहरी या किसी भी कलमी आम की गुठली को सीधे माटी में दबा दें, कलमी न बनाएं तो वह अलग किस्म का आम हो जाएगा। जिसे आम बोलचाल की भाषा में बीजू कहते हैं।

अब इस बीजू की गुठली से जो पौधा तैयार होगा, उसके फल भी पहले वाले बीजू से स्वाद और रंग रूप में थोड़े अलग होंगे।

इस तरह आम की 1500 के करीब जानी-पहचानी वैराइटी के अलावा दसियों हजार बीजू किस्मे भी खाने को मिल जाती हैं।

आम के फायदे

आम एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर है, जो उम्र बढ़ाने वाले फ्री रेडिकल्स से बचाता है। आम में मौजूद विटामिन ए और सी मजबूत इम्यूनिटी के लिए जरूरी हैं। आम में एमाइलेजिस नाम के 8 पाचक एंजाइम पाए जाते हैं, जो पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद हैं। आम में पाया जाने वाला न्यूट्रासिटिकल कोलेस्ट्रोल लेवल को कम करता है। आम में मिलने वाले मैग्नीशियम और पोटैशियम ब्लड प्रेशर लेवर को कंट्रोल करते हैं। इसमें पाया जाना वाला विटामिन सी और कोलेजन बालों को हेल्दी रखता है।

क्या डायबिटीज के मरीज आम खा सकते हैं?

आम का ग्लाइसेमिक इंडेक्स 55 और ग्लाइसेमिक लोड 8 होता है। डॉक्टर का कहना है कि 55 या उससे कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले फूड को लो या नॉर्मल शुगर लेवल का माना जाता है। इसे डाइबिटिक पेशेंट भी खा सकते हैं। यह आंकड़ा बताता है कि आम खाना डायबिटीज के मरीजों के लिए सेफ है। हालांकि डायबिटिक पेशेंट्स सीमित मात्रा में ही आम खाएं तो बेहतर है।

वैसे तो आम दिन के किसी भी वक्त खा सकते हैं। लेकिन रात को खाने के बाद ऐसा करने से बचना चाहिए, क्योंकि इस स्थिति में शुगर लेवल तेजी से बढ़ने की आशंका होती है। आम खाने से पहले इसे कुछ देर के लिए पानी में भिगो दें तो इसमें मौजूद एक्ट्रा फाइटिक एसिड निकल जाता है। आम की ऊपरी सतह पर कई तरह के पैरासाइट और बैक्टीरिया हो सकते हैं, ऐसे में पानी में भिगोने से आम साफ हो जाता है। साथ ही ऐसा करने से इसकी ताजगी भी बढ़ जाती है।

आयुर्वेदाचार्य ने गिनाए आम के अनेक फायदे

आम में बीटा केराटिन, फाइबर, फोलेट, आयरन, विटामिन ए, सी और ई के साथ कैल्शियम और जिंक जैसे पोषक तत्व बहुत मात्रा में पाए जाते हैं। आम सेहत के लिए काफी लाभकारी हो सकता है। कच्चा आम जो खट्टा और अम्लीय होता है, वह मल भेदक, कफ-वात को दूर करता है। पका हुआ मीठा आम कषाय रसयुक्त होता है। यह बल और वीर्य वर्धक होता है। साथ ही हृदय के लिए भी हितकर होता है।

आम तो आम, अमराई का भी अपना महत्व

मैदानी भारत के लगभग हर गांव के खत्म होते ही अमराई शुरू हो जाती है। अमराई यानी आम के बाग। आम की मिठास से इतर अमराई का भी अपना महत्व रहा है। बुद्ध और आम्रपाली की प्रसिद्ध मुलाकात भी एक अमराई में ही हुई थी। जिसके बाद नगरवधू कहलाने वाली आम्रपाली सन्यासिनी हो गई। आम में जब बौर या मंजरी लगती है; तो पूरी अमराई एक मादक खुश्बू से महक उठती है। यही वजह है कि किसी मतवाले को देख 'बौरा गए हो' कह देने का चलन है।

गांव में कहावत मशहूर है कि 'जो आम का चोर, वही खास का चोर'। यानी पेशेवर चोर बनने की शुरुआत भी अमराई से आम चुराकर की जा सकती है। आम के स्वाद का जादू ऐसा है कि इसके लिए कोई भी किसी भी तरह का गुनाह कर ले। अभी केरल से खबर आई जहां एक पुलिसवाले को दुकान से एक पेटी आम चुराने के जुर्म में अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा। जेल गए सो अलग। फ्लैट में रहने वाली पीढ़ी अमराई के सुख से वंचित हो चुकी है। लेकिन गनीमत है कि आम अभी भी शहरों के फ्लैट में बाकायदा पहुंच रहा है।

आम को चूसकर या काटकर खाने का सवाल आपको भी परेशानी में डाल देता होगा। मसलन, गूदे वाले जर्दालू, दशहरी और चौसा काटकर खाए जाते हैं तो सुकुल, सुदीन और गौरजीत जैसे रसीले रेशेदार आम चूसे जाते हैं। ऐसे में अगर कोई चौसा को चूसने की कोशिश करेगा तो कपड़े खराब होंगे और सुकुल, सुदीन, गौरजीत को काटने की कोशिश में आम बर्बाद होगा।

बिहार में कराते हैं आम की महुआ से शादी

सिर्फ आम ही नहीं बल्कि उसकी लड़की और पत्ते भी हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में गहरा असर रखते हैं। आम के पल्लव का इस्तेमाल कलश में रखने के लिए किया जाता है। इसकी पत्तियों से बंदनवार बनाए जाते हैं। बिहार में शादी से पहले आम और महुए का प्रतीकात्मक ब्याह कराया जाता है। वहां हर गांव में आपको कहीं न कहीं आम और महुआ के पेड़ साथ में दिख जाएंगे।

लखनऊ से 15 किलोमीटर दूर काकोरी नाम का कस्बा है। यहीं एक गांव है- दशहरी। जो दशहरी आम आज दुनिया को अपना दीवाना बना रहा है, वह यहीं से निकला। जिस कलमी पेड़ से दशहरी की शुरूआत हुई आम का वह पेड़ आज भी मौजूद है। गांव वालों का कहना है कि ये पेड़ 200-300 साल पुराना हो सकता है। राज्य सरकार ने भी इसे विरासत का दर्जा दिया है।

मलयालम का 'मान्न' बना अंग्रेजों का 'मैंगो'

अंग्रेजी में आम को 'मैंगो' कहते हैं। लेकिन यह नाम भी अंग्रेजों में भारत की मलयालम भाषा से कॉपी किया। आम के नाम में ही इसके भारत से निकलने और दुनिया भर में फैलने की कहानी छिपी है।

हुआ कुछ यों कि साल 1498 में पुर्तगाली व्यापारी वॉस्को डिगामा केरल के तटीय इलाके में पहुंचे। वहां से वो मसालों के साथ आम भी ले गए। केरल में आम को 'मान्न' कहा जाता है। जिसे पुर्तगालियों ने 'मान्नोव' कहा। पुर्तगाली व्यापारी जहां-जहां गए वे अपने साथ आम लेते गए। इस तरह आम अमेरिका से लेकर यूरोप तक फैल गया। अंग्रेजों को पुर्तगाली उच्चारण में थोड़ी दिक्कत आती थी। इसलिए उन्होंने इसे 'मैंगो' कहा शुरू कर दिया। इस तरह दुनिया घूम कर भारत का 'मान्न' 'मैंगो' बनकर लौट आया।

1 लाख रुपए किलो बिकता है ये आम

जापान का मियाजकी दुनिया का सबसे महंगा आम माना जाता है। एक किलो मियाजकी आम की कीमत 1 लाख रूपए तक होती है। मध्य प्रदेश के जबलपुर के एक किसान ने भी इस आम की खेती शुरू की है। इस आम के लिए एक सीजन पहले ही बुकिंग करानी होती है।

ओबीसी वोटर्स भाजपा का टारगेट

प्रकाश मुनि से मिले माथुर, बंद कमरे में प्रमुख नेताओं के साथ बैठक की, बड़े बदलाव का इशारा भी

रायपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी में पिछले 3 दिन से प्रदेश के बीजेपी के छोटे-बड़े नेताओं ने बंद कमरों में बैठक की है। खासकर केदार कश्यप, ओपी चौधरी और पवन साय के साथ संगठन को लेकर माथुर ने गुप्त चर्चाएं की हैं। इसके बाद वक्त मिला तो माथुर सीधे पहुंचे कबीर पंथ के धर्म गुरु प्रकाश मुनि के पास। यहां माथुर के साथ प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, डॉ रमन, ओपी चौधरी, पवन साय मौजूद रहे। गुरु से आर्शीवाद के साथ बंद कमरे में सियासी चर्चाएं भी होने की बात सामने आई।

सूत्रों की मानें तो ये मुलाकात ओबीसी वर्ग को साधने की कवायद का एक बड़ा कदम है। पिछले चुनावों में ओबीसी समुदाय के वोट ने तख्ता पलट में अहम भूमिका निभाई थी। प्रदेश प्रभारी बनाए जाने के बाद माथुर प्रदेश के किसी धर्म समुदाय के प्रमुख से पहली बार मिले। प्रकाश मुनि को पूजने वाले प्रदेश के ज्यादातर ओबीसी समुदाय के लोग हैं। जाहिर है गुरु के आर्शीवाद को पार्टी चुनावी वरदान के रूप में भी देखेगी। हालांकि कभी गुरू प्रकाश मुनि खुले तौर पर किसी पार्टी का

समर्थन या विरोध नहीं करते, मगर चुनावों में इनके प्रभाव को ऐसे समझिए कि अमित शाह भी रायपुर में जब चुनावी दौरे पर आए तो इनका आर्शीवाद लेना नहीं भूले।

बड़े बीजीपी लीडर्स क्यों ले रहे प्रकाश मुनि का आर्शीवाद

भाजपा के नेताओं ने चुनावी तैयारी के बीच गुरु का आर्शीवाद लिया है। अब जानिए कि प्रकाश मुनि का प्रकाश कितने बड़े वर्ग पर फैला है। प्रकाश मुनि कबीर पंथ के इस वक्त सबसे बड़े गुरु हैं। कबीर के विचारों और आदर्शों को मानने वाले इस समुदाय के छत्तीसगढ़ के लाखों परिवार प्रकाश मुनि को भगवान की तरह पूज्य मानते हैं। रायपुर के करीब दामाखेड़ा में कबीर पंथियों की तीर्थ स्थल है। दामाखेड़ा में ही आश्रम में प्रकाश मुनि रहते हैं। दामाखोड़ा को कबीरपंथियों के आस्था का सबसे बड़ा केंद्र माना जाता है।

96 लाख लोग कबीर पंथी से जुड़े हैं

दामाखेड़ा में कबीर मठ की स्थापना 1903 में कबीरपंथ के 12वें गुरु अग्रनाम साहब ने की थी। माना जाता है कि देश में कुल 96 लाख लोग कबीर पंथी हैं। सभी प्रकाश मुनि का बेहद आदर करते हैं उनके प्रवचन सुनते हैं। पिछले विधानसभा चुनाव के वक्त प्रचार करने आए तबके भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने भी दामाखेड़ा जाकर प्रकाश मुनि के दर्शन किए थे।

बड़े बदलाव की चर्चा

ओम माथुर की इन बैठकों के बाद प्रदेश की भाजपा में संगठनात्मक और सियासी बदलाव देखने को मिलने वाले हैं। आने वाले दिनों में इनका एलान होगा। सरकार को घेरने भाजपा ने कुछ नए आंदोलन तय किए हैं, जून में बड़े प्रदर्शनों के साथ कांग्रेस के खिलाफ प्रचार किया जाएगा। भाजपा के कोर ग्रुप, चुनाव और घोषणा पत्र समिति में भी नेताओं को बदला जाएगा।

माथुर का टारगेट

प्रदेश प्रभारी ओम माथुर ने शनिवार की शाम प्रदेश भाजपा कार्यालय में प्रमुख पदाधिकारियों की मैराथन बैठक ली। उन्होंने राज्य की राजनीतिक स्थिति में भाजपा की चुनावी संभावनाओं पर बिंदुवार विचार विमर्श किया गया तथा सुनिश्चित विजय का लक्ष्य प्राप्त करने रणनीतिक मंथन किया गया। बैठक में भाजपा प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ,प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, सांसद विजय बघेल, संतोष पांडे, राज्यसभा सदस्य सरोज पांडे, धरमलाल कौशिक, गौरीशंकर अग्रवाल, विष्णु देव साय, विक्रम उसेंडी, महामंत्री संगठन पवन साय, विजय शर्मा, केदार कश्यप, ओपी चौधरी, विधायक पुन्नूलाल मोहिले, शिवरतन शर्मा,सौरभ सिह,भूपेंद्र सवन्नी,संजय श्रीवस्तब,लक्ष्मी वर्मा,अनुराग सिंहदेव,अखिलेश सोनी उपस्थित थे।

बैठक में भाजपा प्रदेश प्रभारी ओम माथुर ने सभी वरिष्ठ नेताओं से बस्तर प्रवास सहित अन्य स्थानों के दौरे पर अनुभव साझा करते हुए कहा कि हर जगह पार्टी कार्यकर्ता विजय का लक्ष्य हासिल करने पूर्ण समर्पण के साथ जुटे हुए हैं। इस प्रवास में हर जगह कार्यकर्ताओं में उत्साह दिखाई दिया। भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है और हमें अपने कार्यकर्ताओं की शक्ति पर भरोसा है। सभी नेताओं को कार्यकर्ताओं का मैदानी मार्गदर्शन करना है। यह कार्य सुनियोजित तरीके से चल रहा है और हम निश्चित विजय के मार्ग पर आगे बढ़ रहे हैं।

'मन की बात' के विरोध में 'महंगाई पर बात'

कांग्रेस विधायक ने सिर पर सिलेंडर उठाकर किया विरोध प्रदर्शन

रायपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रेडियो वार्ता मन की बात के 100 एपिसोड पुरे होने पर जहां बीजेपी ने पूरे प्रदेशभर में इसे सुनाने के लिए बड़ा आयोजन किया वहीं कांग्रेस नेताओं ने महंगाई पर बात कर इसका विरोध किया। संसदीय सचिव विकास उपाध्याय ने राजधानी के 20 वार्डों में रैली निकालकर महंगाई पर लोगों से चर्चा की और सिलेंडर सिर पर उठाकर प्रदर्शन किया।

कांग्रेस ने मनकी बात के विरोध में रैली निकाली। संसदीय सचिव और विधायक विकास उपाध्याय और शहर कांग्रेस अध्यक्ष गिरिश दुबे ने सिर पर सिलेंडर उठाकर विरोध प्रदर्शन किया।कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महिलाओं के साथ राशन, तेल, पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों के विरोध में माला पहनकर और थाली बजाकर महंगाई का विरोध किया।

संसदीय सचिव और रायपुर पश्चिम के विधायक विकास उपाध्याय ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी आज 100वें बार जनता से अपने मन की बात कर रहे हैं, लेकिन जनता के मन की बात वो सुन नहीं रहे हैं। महंगाई के मुद्दे से लोगों का ध्यान भटकाकर मन की बात कह रहे हैं।

बीजेपी के नेता आम आदमी तकलीफ पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। इसीलिए पूरे देश में जनता महंगाई की मार झेल रही है। रायपुर में कांग्रेसी गोकुल नगर हनुमान मंदिर से रैली निकालकर कबीर चौक, विवेकानंद आश्रम से अग्रसेन चौक से, आमापारा और फिर डंगनिया, गुढ़ियारी, खमतराई बाजार, मुर्रा भट्टी चौक, एकता नगर चौक, दुर्गा चौक गुढ़ियारी, शीतला मंदिर कोटा पहुंची।

यहां से रैली पहाड़ी चौक, हीरापुर बाजार चौक, पेट्रोल पम्प टाटीबंध, सात दुकान के पास डीडी नगर, रेलवे फाटक सरस्वती नगर, पं. रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी गेट के अलावा शीतला पारा रायपुरा बाजार चौक और सरोना में भी रैली निकाली गयी और धरना प्रदर्शन किया गया। विकास उपाध्याय ने कहा कि आज पूरे भारत देश के कोने-कोने में बढ़ती महंगाई के खिलाफ आमजनों को जागरूक करने एक छोटी सी मुहिम कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ खुद आम नागरिकों ने किया।

अब ईडी की रडार में बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद?

ईडी की जांच के दायरे में आ सकती है अंबा प्रसाद, ईडी ने पुलिस विभाग से मांगी अहम जानकारी

हजारीबाग, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। बड़कागांव की कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की रडार में हैं ? चर्चा तेज है कि ईडी अंबा प्रसाद के खिलाफ कार्रवाई की रणनीति तैयार कर रही है। ईडी राज्य के कई भ्रष्ट नेता और भ्रष्ट अधिकारियों पर कार्रवाई कर रही है। सूत्रों की माने, तो ईडी एक लिखित शिकायत को आधार बनाते हुए अंबा प्रसाद पर कार्रवाई की तैयारी में है। खबर है कि विधायक अंबा प्रसाद के खिलाफ रांची जोनल आफिस में मनी लॉन्ड्रिंग की शिकायत की गयी है। शिकायत के आधार पर ईडी के डिप्टी डायरेक्टर स्तर के अधिकारी ने पुलिस से पत्राचार कर अंबा प्रसाद के खिलाफ चल रहे मामलों की सूची मांगी है।

ईडी ने पुलिस विभाग को लिखा पत्र

इस पत्र में ईडी ने पूछा है कि अंबा प्रसाद के खिलाफ कोई प्रिडिकेटिव आफेंस का कोई केस दर्ज है। पुलिस ने इस संबंध में पूरी जानकारी ईडी को उपलब्ध कराई गयी है। अंबा प्रसाद के खिलाफ जिन जिन कांडों की सूची तैयार की गयी है उनमें केरेडारी, बड़कागांव व कटकमदाह में दर्ज मामले सामने हैं। केरेडारी कांड संख्या 37/18 में अंबा प्रसाद समेत पांच छह लोगों को आरोपी बनाया गया था। इस केस में पुलिस ने चार्जशीट दायर कर दी है। बड़कागांव की कांड संख्या 113/21 में अंबा समेत 11 नामजद पर केस दर्ज है।पुलिस ने ईडी को लिखे पत्र में बताया है कि कुछ मामलों में अभी जांच चल रही है।कटकमदाग थाना का केस 96/21 में विधायक को आरोपी बनाया गया है, इस मामले की अबतक जांच चल रही है। कटकमदाग में ही दर्ज कांड संख्या 217/21 में विधायक समेत चार नामजद हैं।

ईडी की कार्रवाई के सवाल पर विधायक अंबा प्रसाद ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उन्होंने बातचीत में कहा है कि जब नोटिस आयेगा या कार्रवाई होगी तभी इस मामले में कोई टिप्पणी की जा सकती है। मुझे इस संबंध में बिल्कुल भी जानकारी नहीं है कि ईडी क्या कर रही है। ईडी की कार्रवाई पर टिप्पणी जानकारी के आधार पर ही होगी।

सीएम सोरेन बोले: झारखंड में भी 'किस' जैसे संस्थान खोलने पर सरकार करेगी विचार

रांची, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। ओडिशा दौरे के दौरान शनिवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ विश्व प्रसिद्ध पुरी के जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने भगवान जगन्नाथ से झारखंड और झारखंडवासियों की सुख-समृद्धि और स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना की। पूजा के बाद उन्होंने भगवान का भोग ग्रहण किया। इससे पूर्व मंदिर प्रबंधन की ओर से पारंपरिक तरीके से उनका स्वागत किया गया और प्रतीक चिह्न के तौर पर श्री जगन्नाथ मंदिर की तस्वीर भेंट की गई।

पुरी में मुख्यमंत्री ने स्थानीय

मीडिया से संवाद में कहा- कल मुझे किस (कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज) के समारोह में शामिल होने का मौका मिला, इस संस्थान के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंता यहां गरीब और वंचित आदिवासी समुदाय के 40 हजार से ज्यादा बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देकर उनका उज्ज्वल भविष्य गढ़ रहे हैं। वे जिस तरह इनोवेटिव और क्रिएटिव कार्य कर रहे हैं, इसे जानने-समझने और देखने यहां आया। इस दौरान वहां पढ़ रहे बच्चों से संवाद कर बहुत कुछ सीखने को मिला। हमारी इच्छा है कि डॉ. सामंता के साथ मिलकर झारखंड के बच्चों के लिए भी इसी तरह का संस्थान स्थापित करें, ताकि हम अपने यहां के आदिवासी बच्चों को बेहतर शिक्षा दे सकें और वे हर क्षेत्र में कामयाब बनें।

मुख्यमंत्री ने कहा- समाज के हर वर्ग को सामाजिक सुरक्षा मिले, यह सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि चाहे वह सरकारी कर्मी हो या फिर बुजुर्ग अथवा दिव्यांग, परित्यक्ता अथवा एकल महिला। हर किसी को सामाजिक सुरक्षा कवच देने के लिए यूनिवर्सल पेंशन स्कीम और एनपीएस को लागू कर सरकार ने ऐतिहासिक कदम उठाने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पेंशन किसी के भी बुढ़ापे की लाठी होती है। यह उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत करता है और सरकार उन्हें इसका लाभ देने के लिए सदैव से प्रयासरत रही है।

पंजाब के पूर्व सीएम परवेज इलाही की कम नहीं हो रही मुश्किलें

अब 2 अरब रुपये की रिश्वत लेने का केस दर्ज

इस्लामाबाद, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी परवेज इलाही लगातार मुश्किलों में ही फंसते ही जा रहे हैं। आतंकवाद के आरोप के बाद पूर्व सीएम के खिलाफ पुलिस ने एक और मामला दर्ज किया है। आतंकवाद के आरोपों बाद उन पर भ्रष्टाचार में शामिल होने का आरोप लगा है। भ्रष्टाचार निरोधक प्रतिष्ठान (एसीई) गुजरांवाला ने एक स्रोत रिपोर्ट का हवाला देते हुए इलाही के खिलाफ मामला दायर किया है। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री पर एक विकास योजना के अनुबंध के लिए 2 अरब रुपये की रिश्वत लेने का आरोप लगाया गया है। इलाही के अलावा ठेका कंपनी के मालिक हाजी तारिक, एसडीओ हाईवे गुजरात और पूर्व में गिरफ्तार सोहेल असगर चौधरी को भी मामले में नामजद किया गया है। इससे पहले, पंजाब पुलिस ने पीटीआई अध्यक्ष के आवास पर देर रात छापेमारी के बाद आतंकवाद के आरोप में मामला दर्ज किया था। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक, लाहौर के गालिब मार्केट पुलिस स्टेशन में पूर्व मुख्यमंत्री सहित 50 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। प्राथमिकी आतंकवाद विरोधी अधिनियम 1997 की धारा 7 को लागू करती है, जिसके तहत पूर्व सीएम के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। धारा 7 के तहत इसमें हत्या के प्रयास, दंगा और सरकारी अधिकारियों पर हमले से संबंधित 13 अन्य आरोप शामिल हैं। शिकायत में दावा किया गया कि इलाही पुलिस की छापेमारी से पहले ही फरार हो गया था। पुलिस ने कार्रवाई शुरू करने से पहले जहूर इलाही रोड को दोनों तरफ से सील कर दिया था। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के मुताबिक, शुरुआत में छापेमारी करने वाली टीम ने पहले इलाही की लीगल टीम से बातचीत की थी, जिसमें टीम ने उन्हें सूचित किया कि इलाही को अदालत से सुरक्षा जमानत मिल गई है।

अमेरिका ने चीन को दी सख्त चेतावनी

दक्षिण चीन सागर में बंद करे 'भड़काऊ' हरकतें, नहीं तो हमले को हो जाए तैयार

वॉशिंगटन, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका ने ड्रैगन से दक्षिण चीन सागर में भड़काऊ और असुरक्षित आचरण रोकने का आह्वान किया है। अमेरिका के विदेश विभाग ने एक बयान में कहा, हम बीजिंग से उत्तेजक और असुरक्षित आचरण से बचने का आह्वान करते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका इस तरह की हरकतों को बारीकी से ट्रैक और मॉनिटर कर रहा है। अमेरिका का यह बयान फिलीपींस द्वारा चीन के तट रक्षक पर आक्रामक रणनीतिक्र का आरोप लगाने के बाद आया है, जो फिलीपींस के कब्जे वाले सेकंड थॉमस शोल के करीब फिलीपीन तट रक्षक गश्ती के दौरान हुई एक घटना के बाद आया है। ये इसके तट से 105 समुद्री मील (195 किमी) दूर स्थित पिछले परिवर्तनों के लिए एक फ्लैशपॉइंट है।

चीन बोला- फिलीपीन ने चीनी जल में घुसपैठ की

बता दें कि फरवरी में, फिलीपींस ने कहा था कि एक चीनी जहाज ने अपने पुनः आपूर्ति जहाजों में से एक में सैन्य-ग्रेड लेजर निर्देशित किया था। वहीं चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि फिलीपीन के जहाजों ने चीनी जल में घुसपैठ की और जानबूझकर उत्तेजक कदम उठाए। इसने कहा, 23 अप्रैल को, दो फिलीपीन तट रक्षक जहाजों ने चीन की अनुमति के बिना रेनाई रीफ के पानी में घुसपैठ की। उनमें से एक ने चीनी तट रक्षक पोत पर पास आकर जानबूझकर उत्तेजक कदम उठाए। नियम के अनुसार, चीनी तट रक्षक पोत ने खतरनाक तरीके से फिलीपीन पोत को चकमा देने और टक्कर से बचने के लिए समय पर रिस्पॉन्स करके चीन की क्षेत्रीय संप्रभुता और समुद्री व्यवस्था को बरकरार रखा। चीनी पक्ष का एक्शन पेशेवर और संयमित था। निंग ने एक मीडिया कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा।

फिलीपींस के साथ खड़ा है अमेरिका

अमेरिका के विदेश विभाग ने कहा कि दक्षिण चीन सागर में नौवहन की स्वतंत्रता पर पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) के तटरक्षक बल के लगातार उल्लंघन के मामले में अमेरिका फिलीपींस के साथ खड़ा है। विदेश विभाग ने बयान में कहा, ये जहाज अपने विशेष आर्थिक क्षेत्र के भीतर नियमित गश्त करते हैं, मीडिया में हाल ही में प्रकाशित इमेजरी और वीडियो फिलीपीन जहाजों के पीआरसी उत्पीड़न और डराने-धमकाने को दिखाते हैं।

तो हमला करने को मजबूर होगा अमेरिका

संयुक्त राज्य अमेरिका अपने फिलीपीन सहयोगियों के साथ नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यवस्था को बनाए रखने के लिए खड़ा है और पुष्टि करता है कि प्रशांत क्षेत्र में कोई भी सशस्त्र हमला, जिसमें दक्षिण चीन सागर शामिल है, फिलीपीन सशस्त्र बलों, सार्वजनिक जहाजों, या विमानों पर हुआ तो कोस्ट गार्ड, 1951 यूएस फिलीपींस म्यूचुअल डिफेंस ट्रीटी के अनुच्छेद आईवी के तहत अमेरिका आपसी रक्षा प्रतिबद्धताओं को लागू करेगा।

कनाडा में कार चोरी के आरोप में 119 गिरफ्तार

इनमें 47 पंजाबी, पुलिस अभियान में 556 गाड़ियां बरामद

जालंधर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। कनाडा में पुलिस ने 47 पंजाबियों समेत 119 लोगों को गिरफ्तार कर 556 कारें बरामद की हैं। इन कारों की कीमत 17 करोड़ बताई गई है। गिरफ्तार लोगों में पंजाबियों में एक 58 वर्षीय बजुर्ग भी शामिल हैं। साल 2019 के बाद से कनाडा के टोरंटो में बढ़ती कार चोरी की घटनाओं से पुलिस काफी परेशान थी। इसको लेकर जमीनी स्तर पर अभियान चलाया जा रहा था। कनाडा की आरसीएमपी ने सीसीटीवी कैमरों की मदद से इन लोगों को ट्रेस किया है। नंवबर 2022 में इस मामले की पड़ताल शुरू की गई थी। इस मामले में 119 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। पुलिस ने जिन लोगों को गिरफ्तार किया है उसमें कनाडा के कैलेडॉन निवासी निर्मल ढिल्लों (47), वुडब्रिज निवासी सुखविंदर गिल (40), ब्रैंप्टन में रहने वाले जगजीत भिंडर (40), टोरंटो के इकबाल हेयर (50), ब्रैम्पटन के 38 वर्षीय प्रदीप ग्रेवाल,टोरंटो के 31 वर्षीय जितेन पटेल, 32 वर्षीय वरिंदर कैला, ब्रैंप्टन के 26 साल के गुरवीन रनौते, मिसीसागा के 29 साल के रमनप्रीत सिंह, ब्रैंप्टन के 45 साल केसुच्चा चौहान, 23 वर्षीय गगनदीप सिंह, ब्रैम्पटन के 36 वर्षीय संदीप तक्खर, 29 वर्षीय सतविंदर ग्रेवाल, 25 वर्षीय प्रिंसदीप सिंह, कैमब्रिज के 28 वर्षीय अमृत क्लेर, टोरंटो के 23 वर्षीय अजय कुमार, 58 वर्षीय खेमनाथ सिंह, ब्रैम्पटन के स्टीवन सिंह, 26 वर्षीय इंकलाब सिंह, 35 वर्षीय हरप्रीत सिंह, ब्रैम्पटन के 36 वर्षीय मनप्रीत गिल,44 वर्षीय मनदीप सिंह तूर, मिसिसॉगा के 23 वर्षीय दिलप्रीत सिंह, ब्रैम्पटन के 33 वर्षीय त्रिदेव वर्मा, 31 वर्षीय जोगा सिंह, ब्रैम्पटन के 32 वर्षीय दिलप्रीत सैनी, ब्रैम्पटन के 37 वर्षीय मनप्रीत गिल, गौरवदीप सिंह, जसदीप जांडा (25), ब्रैम्पटन के 28 वर्षीय हर्षदीप सिंह, ब्रैम्पटन निवासी 27 वर्षीय रवि सिंह व नवजोत सिंह, दिलजोत ढिल्लों (24), नियाग्रा फॉल्स के 42 वर्षीय सुनील, टोरंटो के खविंदर सिंह (42), अलमबीर सिंह(23), टोरंटो के जसराज सिंह (18), 18 साल के महकश सोहल, ब्रैम्पटन के अमनजोत संधू (19), ब्रैम्पटन के 36 वर्षीय मनप्रीत गिल,जसदीप सिंह (25) शामिल हैं।

सिडनी में भारतीय मूल का शख्स निकला सीरियल रेपिस्ट

लोगों ने की कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग

सिडनी, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय के नामचीन सदस्य बालेश धनखड़ को सिडनी में पांच कोरियाई महिलाओं को नशीला पदार्थ देकर उनसे साथ रेप करने का दोषी पाया गया था। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया में रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों ने बालेश धनखड़ की निंदा की और इसे घोर अपराध बताया। फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ न्यू साउथ वेल्स के प्रवक्ता डॉ. यदु सिंह ने कहा कि बालेश धनखड़ ने जो किया वह निंदनीय और गलत था। मैं उनकी कड़ी निंदा करता हूं। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय की अच्छी प्रतिष्ठा है, जिसे इस घटना से कलंकित किया गया है।

भारतीय समुदाय के वरिष्ठ लोगों ने की निंदा

डॉ। यदु सिंह ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय इस तरह के निम्न जीवन का पक्ष या समर्थन नहीं करता है। हम उम्मीद करते है कि अदालत उसे लंबे समय के लिए जेल की सजा देगी। इंडियन ऑस्ट्रेलियन टेक्नोलॉजी फोरम के संस्थापक प्रशांत सिंह ने कहा कि धनखड़ के अपराध से भारतीय ऑस्ट्रेलियाई समुदाय सदमे में है। कोई व्यक्ति इतना नीचे कैसे गिर सकता है। कोई इतना जघन्य अपराध कैसे कर सकता है। यह काम एक ऐसे समुदाय की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है जिसने इस देश में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रशांत सिंह ने कहा कि हमारे दिल पीड़ितों और उनके परिवारों के लिए समर्पित है। भारतीय समुदाय पीड़ितों की किसी भी तरीके से मदद करने के लिए तैयार है। हम इसके लिए कुछ भी करेंगे।

बालेश धनखड़ को 39 अन्य आरोपों में दोषी ठहराया गया

सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड अखबार की खबर के अनुसार बालेश धनखड़ को सिडनी के ड्राउनिंग सेंटर में स्टेट कोर्ट ने इस हफ्ते सोमवार को दोषी करार दिया। बालेश धनखड़ पर इसके अलावा 39 आरोपों में दोषी ठहराया गया है। उसने रेप करने के दौरान उसे रिकॉर्ड भी किया। इसके लिए उसने अलार्म घड़ी के पीछे कैमरा छिपा कर रखा था। पुलिस ने अक्टूबर 2018 में धनखड़ के अपार्टमेंट की तलाशी ली, तो उन्हें महिलाओं के साथ यौन संबंध बनाने के 47 वीडियो मिले। इनमें से कुछ वीडियो में महिलाएं बेहोश थी और कई दर्द से तड़प रही थी। आरोपी ने हर एक पीड़िता के नाम पर वीडियो फोल्डर बना के रखी हुई थी।

आपराधिक गिरोह चला रहा भारतीय मूल का शख्स ड्रग्स तस्करी-मनी लॉन्ड्रिंग का दोषी

लंदन, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। ब्रिटेन की एक अदालत ने मादक पदार्थों की तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में भारतीय मूल के अपराध गिरोह के सरगना को आठ साल 10 महीने के लिए जेल की सजा सुनाई गई है। यूके की राष्ट्रीय अपराध एजेंसी (एनसीए) ने बताया कि उसके अधिकारियों ने साबित किया है कि दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड के सर्रे का रहने वाला 45 वर्षीय राज सिंह एक संगठित अपराध समूह चलाता था और क्लास ए ड्रग्स और हथियारों को खरीदने और बेचने के लिए 41 वर्षीय वकास इकबाल के साथ काम करता था। दोनों ने मिलकर मनी लॉन्ड्रिंग कनाडा में केटामाइन भेजने की तैयारी कर रहे थे। गिल्डफोर्ड क्राउन कोर्ट ने फरवरी में सिंह जिसका पूरा नाम राजिंदर सिंह बस्सी है, को क्लास ए की कोकीन, क्लास बी की केटामाइन जैसे प्रतिबंधित पदार्थों की आपूर्ति करने की साजिश और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में दोषी ठहराया था।

बातचीत सही दिशा में आगे बढ़ने के संकेत, पक्ष-विपक्ष में अगले हफ्ते बन जाएगी चुनाव की तारीख पर सहमति

इस्लामाबाद, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान चुनाव की तारीख पर सहमति बनाने के लिए सत्ताधारी गठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) और प्रमुख विपक्षी दल पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के बीच बातचीत सही दिशा में आगे बढ़ने के संकेत हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर दोनों पक्षों के बीच शुरू हुई बातचीत शुक्रवार को भी जारी रही और अब इसका अगला दौर मंगलवार को होगा।

पाकिस्तानी मीडिया में आई खबरों के मुताबिक बातचीत पटरी पर है और मंगलवार को दोनों पक्षों में सहमति बन सकती है। रिपोर्टों के मुताबिक दोनों पक्षों के नेताओं ने आम चुनाव के समय के बारे में सहमति बनाने के सवाल को अपने बाकी मतभेदों से अलग रखा है। इससे बातचीत का माहौल बेहतर बन रहा है। बातचीत जारी रहने के बीच ही शुक्रवार रात पंजाब की पुलिस ने

प्रांत में पीटीआई के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री परवेज इलाही के निवास पर छापा मारा। यह छापा भ्रष्टाचार के आरोप में मारा गया, लेकिन इलाही वहां नहीं मिले। बताया जाता है कि पुलिस इलाही को गिरफ्तार करना चाहती थी। छापा आठ घंटों तक चलता रहा। पीटीआई के प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की है। पर्यवेक्षकों के मुताबिक इस कार्रवाई से माहौल फिर बिगड़ सकता है।

अब देखने की बात होगी कि इससे बढ़ी कड़वाहट का मंगलवार को बातचीत के अगले दौर पर क्या असर पड़ता है। शुक्रवार को बातचीत का दूसरा दिन था। शुक्रवार को भी संसद भवन के अंदर दोनों पक्षों ने बंद कमरे में बातचीत की। दो घंटों की वार्ता के दोनों पक्ष बाहर आए और पत्रकारों को बताया कि अगली बातचीत मंगलवार को होगी। संभव है कि उस दिन बातचीत का आखिरी दौर हो और उसके बाद बातचीत के नतीजे का एलान कर दिया जाएगा। दोनों पक्ष बातचीत के नतीजे को लेकर आशान्वित नजर आए। सूत्रों के मुताबिक बातचीत के दौरान पीटीआई के नेताओं ने जोर डाला कि नेशनल असेंबली के साथ-साथ सिंध और बलूचिस्तान प्रांत की असेंबलियों को भी मई में भंग कर दिया जाए और उसके बाद एक दिन में नेशनल असेंबली और चारों प्रांतों की असेंबलियों के चुनाव कराए जाएं।

पीटीआई ने कहा कि असेंबलियां भंग करने का काम मई के अंत तक पूरा हो जाना चाहिए, ताकि अगस्त तक सारे चुनाव संपन्न हो जाएं। पीटीआई ने कहा कि अगर सरकार एक दिन में सारा चुनाव कराना चाहती है, तो उसे अगले वर्ष का बजट टाल देना चाहिए। बैठक में शामिल हुए एक नेता ने अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून को बताया कि चुनाव की तारीख के साथ-साथ बजट का मुद्दा भी दोनों पक्षों के बीच गतिरोध का कारण बना हुआ है। लेकिन उस नेता ने कहा कि अब तक बातचीत सद्भावना के माहौल में हुई है, जिससे बातचीत के कामयाब रहने की संभावना बढ़ गई है। सरकारी पक्ष का कहना है कि असेंबलियों को तुरंत भंग करना संभव नहीं है।

'नींद आ रही है, गोली मत चलाओ'

सिर्फ इतना कहने पर सिरफिरे ने 5 लोगों को गोलियों से भूना

टेक्सास, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका एक बार फिर से गोलियों की तड़तड़ाहट से हिल उठा है। इस बार मामला काफी हैरान कर देने वाला है। एक व्यक्ति ने पांच लोगों की हत्या सिर्फ इसलिए कर दी, क्योंकि उन्होंने सिर्फ उसे गोलियां चलाने से मना किया था।

ये घटना यूएस के टेक्सास ह्यूस्टन शहर के नजदीक एक इलाके में सामने आई है। यहां एक व्यक्ति अपने पड़ोसी के घर राइफल लेकर गया और उसने वहां मौजूद लोगों को गोलियों से भून डाला। इस गोलीबारी में एक आठ साल के बच्चे समेत पांच लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी अपने घर के आंगन में गोलियां चला रहा था। इस वजह से उसके घर के बगल में रहने वाला परिवार सो नहीं पा रहा था। जब परिवार के सदस्यों ने आरोपी को गोलीबारी नहीं करने को कहा था, तो वह भड़क उठा। उसने अपनी राइफल उठाई और अपने पड़ोसी के घर में घुसकर सभी को मौत के घाट उतार दिया। अमेरिका में लगभग हर हफ्ते कोई न कोई बड़ी गोलीबारी की घटना देखने को मिल रही है। इससे एक बार फिर से बंदूकों पर लगाम लगने की बात होने लगी है। सैन जैसिंटो काउंटी के पुलिस अधिकारी ग्रेग कैपर्स ने कहा कि हत्यारे की पहचान 38 साल के फ्रांसिस्को ओरोपेजा के तौर पर हुई है। उसने ह्यूस्टन से 72 किलोमीटर दूर क्लीवलैंड कस्बे में गोलीबारी की है। फिलहाल उसकी तलाश की जा रही है।

अलास्का हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मारे गए 3 सैनिकों की हुई पहचान, ट्रेनिंग के दौरान हुआ था बड़ा हादसा

सिएटल, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी सेना ने उन तीन सैनिकों की पहचान की है जो ट्रेनिंग से लौटते समय अलास्का में दो हेलीकॉप्टरों की टक्कर में मारे गए थे। हेलीकॉप्टर डोनेली ट्रेनिंग एरिया में एक मिशन से फोर्ट वेनराइट की ओर जा रहे थे। इसी दौरान हीली से लगभग 80 किमी पूर्व में दोपहर 1 बजकर 39 मिनट पर हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गए।

दो महीनों के भीतर 12 सैनिकों की मौत

बता दें कि अलास्का और केंटकी में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं में पिछले महीने के भीतर 12 सैनिकों की मौत हुई है। इसी को देखते हुए अमेरिकी सेना ने 28 अप्रैल को घोषणा की कि उसने ट्रेनिंग के लिए विमानन इकाइयों को जमींदोज कर दिया है। सेना

ने एक बयान में कहा कि 'महत्वपूर्ण मिशनों में भाग लेने वालों को छोड़कर, जब तक वे आवश्यक ट्रेनिंग पूरा नहीं कर लेते, सेना के सभी एविएटर्स को इस कदम से हटा दिया जाता है।'

दुर्घटना में मारे गए ये 3 अधिकारी

दुर्घटना में मारे गए अधिकारियों में न्यूयॉर्क के 39 वर्षीय मुख्य वारंट अधिकारी 3 क्रिस्टोफर रॉबर्ट एरामो वनोंटा, कोलोराडो के 28 वर्षीय मुख्य वारंट अधिकारी 2 काइल डी। मैककेना और 32 वर्षीय वारंट ऑफिसर 1 स्टीवर्ट डुआन वेमेंट शामिल थे। वहीं, चौथा सैनिक घायल हो गया था, जिसे फेयरबैंक्स मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

तीन सर्वश्रेष्ठ जवानों की मौत पर मनाया गया शोक

दुर्घटना में मारे गए अधिकारियों पर शोक जताते हुए 1-25वें एबी कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल मैथ्यू सी। कार्लसन ने कहा कि हमारे तीन सर्वश्रेष्ठ जवानों की मौत पर शोक मना रहे है। सैनिकों के परिवारों द्वारा महसूस की गई पीड़ा की तुलना किसी से नहीं की जा सकती है। हमारे विचारों, प्रार्थनाओं और कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पूरी टीम एक साथ आई है।'

घटना की हो रही जांच

अधिकारियों ने एक ईमेल में कहा, फोर्ट नोवोसेल, अलबामा स्थित अमेरिकी सेना लड़ाकू तैयारी केंद्र की एक सुरक्षा जांच टीम सुरक्षा जांच का नेतृत्व कर रही है। बयान में कहा गया है कि रक्षा निर्देश विभाग और सेना के नियम जांचकर्ताओं को कारणों, विश्लेषण या आंतरिक सिफारिशों से संबंधित किसी भी जानकारी को जनता को जारी करने से रोका गया हैं।

पुतिन के खिलाफ हो सकता है 'सैन्य विद्रोह'? रूसी कमांडर ने दी चेतावनी

मॉस्को, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। रूस के कमांडर इगोर गिरकिन ने चेतावनी दी है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ सैन्य विद्रोह हो सकता है और यह विद्रोह वैगनर ग्रुप कर सकता है। दरअसल रूस की प्राइवेट आर्मी वैगनर ग्रुप के प्रमुख येवेगेनी प्रिगोझिन ने हाल ही में धमकी दी है कि वह यूक्रेन के बाखमुत से अपने सैनिकों को मोर्चे से हटा सकता है। प्रिगोझिन का आरोप है कि उसके सैनिकों को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की तरफ से कोई मदद नहीं मिल रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रूसी कमांडर इगोर गिरकिन ने बताया कि प्रिगोझिन, रूसी रक्षा मंत्रालय की सार्वजनिक रूप से आलोचना कर चुके हैं। इगोर ने कहा कि जैसा कि प्रिगोझिन कह रहे हैं कि वह मोर्चे से अपने जवानों को हटा लेंगे, अगर वह हाई कमांड से बात किए बिना ऐसा करते हैं तो यह सीधे तौर पर सैन्य विद्रोह माना जाएगा। इगोर ने ये भी कहा कि अगर प्रिगोझिन मोर्चे से अपने सैनिकों को हटा लेता है तो यह रूस के लिए विनाशकारी साबित हो सकता है। वैगनर ग्रुप प्रमुख खुलेआम रूस के सैन्य नेतृत्व की आलोचना कर रहा है। बता दें कि जिस येवेगेनी प्रिगोझिन पर आरोप लग रहा है कि वह पुतिन के खिलाफ सैन्य विद्रोह कर सकता है, वह कभी पुतिन का खास रहा है। रूस के कट्टरपंथियों में प्रिगोझिन अपनी कट्टर छवि को लेकर काफी लोकप्रिय है। यूक्रेन युद्ध के इतना लंबा खिंचने की वजह से भी पुतिन को आलोचना झेलनी पड़ रही है। ऐसे में प्रिगोझिन एक शक्तिशाली नेता के रूप में उभर रहा है। रूस यूक्रेन युद्ध में अब बाखमुत में भीषण लड़ाई छिड़ी हुई है। बाखमुत में शुरुआती बढ़त के बाद रूसी सेना कमजोर पड़ती दिख रही है।

छतों पर स्नाइपर्स, भीड़ के लिए ड्रोन, किंग चार्ल्स की ताजपोशी के लिए भव्य तैयारी, अकेले सुरक्षा पर खर्च होंगे अरबों रुपए

लंदन, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। ब्रिटेन के किंग चार्ल्स तृतीया का राज्याभिषेक होने वाला है। इसमें करीब 26 अरब (250 मिलियन पाउंड) खर्च होने की खबर है। इसमें से करीब 16 अरब रुपए (150 मिलियन पाउंड) उनकी सुरक्षा में खर्च होंगे। बाकी का खर्च राज्याभिषेक की तैयारी और तीन दिनों तक चलने वाले समारोह में होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक बड़े अधिकारियों के लिए एक स्पेशल एयर ट्रैफिक कंट्रोल शेड्यूल तैयार किया गया है और लैंडिंग वाली जगह पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। दरअसल माना जा रहा है कि क्लाइमेट चेंज को लेकर प्रदर्शन प्राइवेट जेट के अराइवल पर भी असर डाल सकता है। इसी के चलते सुरक्षा के खास इंतजाम किए गए हैं।

भीड़ पर नजर रखेंगे ड्रोन

इसके अलावा एक्टिविस्ट भी इस आयोजन में

किसी तरह का खलल ना डल सकें, इसके लिए खास इंतजाम किए गए हैं। इसके तहत छतों पर स्नाइपर तैनात किए जाएंगे। बड़ी संख्या में सशस्त्र अधिकारियों की तैनाती होगी। इसके अलावा पुलिस ड्रोन की मदद से भीड़ पर नजर रखी जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक स्पेशल फोर्स भी स्टैंड बाय में रहेगी जिसमें ब्लू थंडर 2 हेलीकॉप्टरों के साथ यूके काउंटर टेररिज्म डिफेंस मैकेनिज्म शामिल होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक राज्याभिषेक के लिए की गई सुरक्षा व्यवस्था में करीब 16 अरब रुपए खर्च किए जा रहे हैं। रकम इससे ज्यादा भी हो सकती है। हर चीज पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। हजारों लोग काम में जुटे हुए हैं। कई लोग ओवरटाइम काम कर रहे हैं। राज्याभिषेक में शामिल होने वाले दूसरे देशों के अधिकारियों को सुरक्षित देश में लाना और फिर उनकी सारी व्यवस्था के लिए ही एक बड़ा ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इनमें से ज्यादातर अधिकारी एयरफील्ड से पुलिस की देखरेख में लाए जाएंगे। रिपोर्ट में सिक्योरिटी एक्सपर्ट के हवाले से बताया गया है कि राज्याभिषेक वाले दिन पूरे लंदन में केमिकल, बायोलजिकल, रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर यूनिट होंगे। इसके अलावा एंबुलेंस सर्विस भी काम पर रहेगी।

भारत के 'ऑपरेशन कावेरी' के बाद अमेरिका ने भी सूडान से निकालने शुरू किए अपने नागरिक, बसों से पहुंचे 'पोर्ट सूडान

वॉशिंगटन, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। सूडान में जारी हिंसा के बीच अपने आम नागरिकों को वहां से बाहर निकालने के लिए अमेरिका द्वारा चलाए गए अभियान के तहत सैकड़ों अमेरिकी लोग सैन्य ड्रोन की निगरानी में पूर्वी अफ्रीकी देश के बंदरगाह पर पहुंचे। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि सड़क के जरिए लोगों को बाहर निकालने के अभियान पर सेना ने अमेरिकी मानवरहित विमान के जरिए नजर रखी और बस के काफिले में 200 से 300 अमेरिकियों को अपेक्षाकृत सुरक्षित स्थल 'पोर्ट सूडान' पहुंचाया गया। सूडान में फंसे अमेरिकियों को

बाहर निकालने के लिए अमेरिका ने शुरुआत में कोई भी अभियान चलाने से इनकार कर दिया था और उसने इसे बहुत खतरनाक बताया था, जिसके कारण वहां रह रहे अमेरिकी परिवारों ने अपने देश के प्रशासन की निंदा की थी। अमेरिकी विशेष अभियान बलों ने सूडान में अपने दूतावास और अन्य अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों को 22 अप्रैल को हवाई मार्ग के जरिए हिंसाग्रस्त देश से बाहर निकाला था, लेकिन वहां रह रहे हजारों अमेरिकी नागरिकों के लिए कोई अभियान नहीं चलाया गया था, जिनमें से कई के पास दोहरी नागरिकता है, जबकि दर्जनों अन्य देश सूडान से वायु, थल या जल मार्ग से अपने नागरिकों को बाहर निकालने के लिए निकासी अभियान चला रहे हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने बताया कि काफिले के जरिए अमेरिकी नागरिकों, अमेरिका द्वारा नियुक्त स्थानीय लोगों और सहयोगी देशों के नागरिकों को बंदरगाह लाया गया। उन्होंने कहा, ''हम अमेरिकी नागरिकों को फिर से सचेत करते हैं कि वे सूडान की यात्रा नहीं करें।'' अधिकारियों ने बताया कि अमेरिकी नागरिक जेद्दा में डॉक पर पहुंचेंगे, जहां अमेरिकी वाणिज्यदूतावास अधिकारी उनका इंतजार कर रहे होंगे, लेकिन 'पोर्ट सूडान' में कोई अमेरिकी कर्मचारी नहीं है। बता दें कि संकटग्रस्त सूडान में फंसे अपने लोगों को निकालने के भारत के अभियान 'ऑपरेशन कावेरी' के तहत 365 लोगों का नया जत्था नई दिल्ली पहुंचा।

नए जिलों पर छा सकता है संकट?

जनगणना शुरू होने से पहले सीमा निर्धारण जरूरी

नोटिफिकेशन के लिए 30 जून तक समय

जयपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्य सरकार के पास बजट में घोषित 19 नए जिलों की सीमा तय कर नोटिफिकेशन जारी करने के लिए 30 जून तक का ही समय है। सेंसस ऑपरेशंस राजस्थान के डायरेक्टर बिष्णु चरण मलिक के अनुसार, जनसंख्या निदेशालय केंद्र सरकार के सभी राज्य सरकारों को निर्देश हैं कि जनसंख्या इकाइयों यानी ग्राम पंचायत, तहसील से लेकर जिला तक की प्रशासनिक सीमाओं का निर्धारण 30 जून तक पूरा कर लिया जाए।

यह समय सीमा केंद्र की जनगणना (2021) के तहत जारी गाइडलाइन के तहत है। सीमाएं फ्रीज करने के 3 माह बाद ही जनगणना शुरू की जा सकती है।

यदि केंद्र जनगणना की तैयारी करता है तो नए जिलों की घोषणा को जमीन पर उतारने की राज्य के पास चुनौती खड़ी रहेगी।

वहीं, नए जिलों को जमीन पर लाने की सरकार की तैयारी कहां तक पहुंची है, इसकी जानकारी

अभी राजस्व मंत्री तक को नहीं है।

राजस्व मंत्री रामलाल जाट बोले- इस बारे में मुख्यमंत्री व राज्य स्तरीय कमेटी के अध्यक्ष रामलुभाया को ही पता है। वहीं रामलुभाया बोले- नए जिलों की घोषणा हो गई, अब आगे क्या रहेगा, यह सरकार से पूछना चाहिए।

बता दें कि सीएम ने 17 मार्च को प्रदेश में एक साथ 19 नए जिलों की घोषणा कर सबको चौंका दिया था। सियासी संकट के समय साथ देने वाले मंत्री-विधायकों की मांग पूरी करते हुए आधे जिले राजनीतिक आधार पर बनाए थे। इसी कारण ज्यादातर जिलों में सीमा निर्धारण को लेकर विवाद खड़ा है।

वहीं 10 से ज्यादा और नए जिलों की मांग को लेकर प्रदेश में धरना-प्रदर्शन चल रहे हैं। जयपुर व जोधपुर को दो जिलों में बांटने पर भी विरोध है।

बड़ा सवाल यह है कि अगर केंद्र ने इस टाइमलाइन के अनुसार जनगणना शुरू करवा दी तो राज्य सरकार अपने चुनावी वादे को किस तरह पूरा करेगी। हालांकि सरकार से जुड़े लोगों का कहना है कि जनगणना कब शुरू होगी अभी यह तय नहीं है। वहीं सरकारी सूत्रों की मानें तो सरकार एक कमेटी बनाकर इसका इंटरनल सर्वे करवा रही है।

दो माह में यह सब करना है सरकार को

नए जिलों का प्रशासनिक सीमा निर्धारण : जिन जिलों को तोड़कर नए जिले बनाए गए हैं, उनके मदर डिस्ट्रिक्ट प्रशासन से ड्राफ्ट तैयार होना है कि नए जिले में कौनसा उपखंड, कौनसी तहसील, पंचायत व राजस्व गांव शामिल होंगे।

राजस्व विभाग से संशोधन-पुष्टि : जिलों के प्रस्ताव राजस्व विभाग को जाएंगे। जिनमें जरूरी संशोधन के साथ प्रशासनिक सीमा तय कर नोटिफिकेशन होगा।

वित्त विभाग की मंजूरी : जिलों के लिए जरूरी ऑफिस, स्टाफ, वाहन सहित रिसोर्सेज व इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए बजट मंजूरी।

केंद्रीय मंत्री शेखावत के खिलाफ केस

गहलोत को रावण कहा था; सभा में भड़काऊ भाषण देने का आरोप

चित्तौड़गढ़, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को रावण कहने पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के खिलाफ केस दर्ज हो गया है। कांग्रेस नेता और राजस्थान धरोहर प्राधिकरण बोर्ड के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह जाड़ावत ने शेखावत पर मामला दर्ज कराया है।

चित्तौड़गढ़ के सदर थाने में दर्ज कराए मामले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सरकार की छवि खराब करने, भड़काऊ बयान देने, राजनीति का रावण कहने सहित कई आरोप लगाए गए हैं।

जाड़ावत ने कहा कि देश के सम्मानित नेता के खिलाफ सार्वजनिक स्थान पर की गई टिप्पणी से वह आहत हुए हैं।

जाड़ावत की शिकायत पर सदर थाना पुलिस ने केंद्रीय मंत्री के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। यह रिपोर्ट सीआईडी सीबी जयपुर भेजी जाएगी।

शेखावत के खिलाफ सद्भाव बिगाड़ने, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने, मा न हा नि , समाज में घृणा फैलाने समेत 7 धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

27 अप्रैल को चित्तौड़गढ़ में भाजपा जनाक्रोश रैली की सभा में संबोधन के दौरान केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा था- 'राजस्थान में राजनीति के इस रावण अशोक गहलोत को समाप्त करना चाहते हो तो भुजाएं उठाओ। राजस्थान में राम राज्य की स्थापना के लिए संकल्प कीजिए।'

जाड़ावत ने पुलिस शिकायत में कहा कि शेखावत ने अपने संबोधन में सार्वजनिक मंच से भीड़ में उग्रता पैदा करने, लोगों को उत्प्रेरित करने का गंभीर अपराध किया, जिसे मंच पर उपस्थित अन्य नेताओं ने भी समर्थन किया है।

गजेंद्र सिंह के भाषण का वीडियो भी दिया

राज्य सरकार के खिलाफ अनर्गल बातें कहीं और झूठे आंकड़े पेश कर समाज में सरकार की छवि खराब करने की कोशिश की। केंद्रीय मंत्री ने सार्वजनिक रूप से सीएम गहलोत को राजनीति का रावण से संबोधित करते हुए अपमानित कर उनकी छवि को खराब करने का काम किया है।

पेन ड्राइव में वीडियो पुलिस को सौंपा

जाड़ावत ने कहा कि गांधीवादी विचारधारा वाले व्यक्ति के बारे में गलत टिप्पणी करने से कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इसे अपना भी अपमान माना।

इस दौरान अन्य वक्ताओं ने भी मुख्यमंत्री और राज्य सरकार के बारे में गलत उद्बोधन दिए, जो कि भारतीय दण्ड संहिता में गंभीर अपराध है। जाड़ावत ने शेखावत के भाषण का वीडियो भी पुलिस को दिया है।

'समलैंगिक विवाह एक अप्राकृतिक सिचुएशन'

विहिप अध्यक्ष बोले- सुप्रीम कोर्ट समझती है कुछ होना चाहिए तो संसद में दें; कानूनी आदेश से न्याय उचित नहीं

जयपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। विश्व हिंदू परिषद(विहिप) के राष्ट्रीय अध्यक्ष आर एन सिंह ने समलैंगिकता को अप्राकृतिक बताया। कहा कि जिस प्रकार की तत्परता सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिकता (सेम सेक्स मैरिज) पर दिखाई है। मुझे नहीं लगता कि इतनी तत्परता से इस पर कोई फैसला देना चाहिए। समलैंगिक विवाह एक अप्राकृतिक सिचुएशन है। इसको बढ़ावा नहीं देना चाहिए। सिंह शनिवार सुबह 10.30 बजे श्री रामदास सेवा संस्थान 'ज्योति सदन' की नई बिल्डिंग के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होने आए थे।

डॉ आर एन सिंह ने कहा- समाज का कोई भी अंग इसको मानने वाला नहीं है। अगर सुप्रीम कोर्ट समझती है कि इस पर कुछ

होना चाहिए तो निवेदन करना चाहूंगा कि इसे विधायिका (संसद) में दें। देश के लोग आपस में चर्चा करके कोई निर्णय लेंगे। वही समाज हित में होगा। इस तरह से कोई कानूनी आदेश के हिसाब से न्याय करना उचित नहीं है। विहिप इसका विरोध करती है।

उन्होंने कहा कि सेम सेक्स मैरिज को कानूनी मान्यता दिए जाने की मांग उनका मौलिक अधिकार न होकर वैधानिक अधिकार हो सकता है। जो केवल संसद द्वारा कानून बनाकर ही संरक्षित किया जा सकता है। संसद पहले ही ट्रांसजेंडर (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम 2019 को लागू कर चुकी है। इसलिए इस समुदाय का कहना कि उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है। उन्हें मूल अधिकार नहीं किए गए हैं, गलत है।

पाक विस्थापित हिंदुओं के साथ गलत हुआ

सिंह ने कहा कि 24 अप्रैल को जोधपुर के गंगाणा और चोखा क्षेत्र में जेडीए की ओर से पाकिस्तान से विस्थापित हिंदुओं के 40 घर तोड़ दिए। जबकि अधिकतर विस्थापित एक व्यक्ति की जमीन पर उसकी सहमति से कच्ची झोपड़ी (टीनशेड) बनाकर रह रहे थे। इस कार्रवाई को जिस तेज गति से किया गया, वह भी संदेह पैदा करती है।

इन विस्थापितों के मकान तोड़ने वाले वीडियो पाकिस्तान के सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। राजस्थान सरकार की तुष्टीकरण की नीति स्पष्ट हो रही है। क्योंकि जहां यह कार्रवाई की गई, वहां पर एक समुदाय के लोगों की ओर से किए अतिक्रमण को नहीं हटाया गया। हम मांग करते हैं कि इस घटना की निष्पक्ष जांच करवाई जाए।

पाकिस्तान में हिंदू अपनी बहन-बेटियों की इज्जत बचाने के लिए धार्मिक वीजा लेकर भारत आता है। उनके झोपड़ों को बुलडोजर से तोड़ना राजस्थान सरकार की हिंदू विरोधी मानसिकता को उजागर करता है। 52 महीने के कार्यकाल में भी राजस्थान सरकार की ओर से हिंदू त्योहारों पर निकलने वाली शोभायात्राओं की अनुमति नहीं दी। शोभायात्रा के आयोजकों पर मुकदमे दर्ज कर उनको गिरफ्तार किया।

राजस्थान बॉर्डर पर हरियाणा पुलिस-बदमाशों के बीच मुठभेड़

हरियाणा से किडनैप कर अलवर लाए; 10 राउंड फायरिंग, पेट्रोल पंप सेल्समैन को लगी गोली

बहरोड़, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली-जयपुर नेशनल हाईवे पर रविवार अल सुबह बदमाशों और हरियाणा पुलिस के बीच फायरिंग हो गई। फायरिंग के दौरान एक गोली राजस्थान बॉर्डर से सटे पेट्रोल पंप के सेल्समैन को लग गई। इधर, फायरिंग की घटना के बाद राजस्थान पुलिस की ओर से भी बॉर्डर पर अलर्ट किया गया और जाब्ता तैनात किया गया।

घटना राजस्थान बॉर्डर से सटे हरियाणा के कसौला थाना क्षेत्र के खेड़ा जयसिंहपुर में सुबह 5 बजे की है। घायल सेल्समैन को हरियाणा के रेवाड़ी हॉस्पिटल ले जाया गया।

हरियाणा से किडनैप कर राजस्थान में छिपाकर कर रखा

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी में सामने आया कि बदमाश हरियाणा के जींद जिले से किसी व्यक्ति का अपहरण कर चुके थे। जिसे अलवर जिले के बहरोड़ और नीमराना के आसपास छिपाकर रखा हुआ है। हरियाणा की जींद पुलिस बदमाशों का पीछा कर रही थी। उन्होंने रेवाड़ी जिले के कसोला पुलिस को इसकी सूचना दी। स्कॉर्पियो गाड़ी के नंबर के आधार पर पुलिस ने पीछा करना शुरू कर दिया।

बदमाश दिल्ली से जयपुर हाईवे से राजस्थान सीमा की ओर भाग रहे थे। तभी राजस्थान बॉर्डर से सटे कसौला में पुलिस ने हाईवे पर नाकाबंदी कर बदमाशों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन वे नाकाबंदी तोड़ते हुए भागने लगे। पुलिस की ओर से बार-बार रोकने का प्रयास करने और चेतावनी देने के बावजूद भी जब बदमाश नहीं रुके तो स्कॉर्पियो गाड़ी के टायर पर पुलिस ने गोली मार दी।

गोली लगते ही पेट्रोल पंप पर पहुंची गाड़ी, 10 राउंड फायरिंग की

पुलिस की फायरिंग में स्कॉर्पियो का संतुलन बिगड़ गया और डिवाइडर से टकराते हुए हाईवे को पार करते हुए इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप पर पहुंच गई। इसी दौरान बदमाशों ने जब अपने आप को पुलिस से घिरा हुआ देखा तो उन्होंने फायरिंग करना शुरू कर दिया। इस दौरान 10 राउंड फायरिंग हुई। तभी पेट्रोल पंप सेल्समैन देवराज उठकर टॉयलेट में जा रहा था। इसी दौरान बदमाशों की ओर से चली गोली सेल्समैनके कान के पास लगी। हरियाणा पुलिस ने बॉर्डर से लगते हुए आसपास के गांवों में बदमाशों को पकड़ने के लिए सर्च अभियान शुरू किया गया है।

विस्थापितों के मामले पर कार्रवाई की मांग, सीएम को शिकायत

सोढा का आरोप, दलालों की जेडीए अधिकारियों, पुलिस से मिलीभगत

जोधपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। गंगाना में पाक विस्थापितों के अवैध कब्जे तोड़ने को लेकर सीमांत लोक संगठन के अध्यक्ष हिंदू सिंह सोढा ने सीएम अशोक गहलोत को पत्र लिखा है। पत्र में पाक विस्थापितों की बस्ती के मामले की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि पाक विस्थापितों के साथ ठगी के मामले में दलालों के साथ ही उनके तार पुलिस और जेडीए के अधिकारियों कर्मचारियों से भी जुड़े हुए हैं।

हिंदू सिंह ने बताया कि पाकिस्तान से प्रताड़ित होकर जो लोग यहां शरण लेने के लिए आए उन्हें दलालों ने षड्यंत्र रच कर अपने जाल में फंसा लिया और इनसे पैसे ऐंठ लिए। इन दलालों के खिलाफ पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की। आवाज उठाने वालों का मामला दबा दिया जाता है। इन लोगों की जेडीए और पुलिस के अधिकारियों कर्मचारियों से भी मिलीभगत है।

पाक विस्थापितों को सस्ते दामों पर जमीन बेचने की बात करने वाले कई दलाल सक्रिय हैं जिनकी जेडीए से लेकर पुलिस में भी सांठगांठ है। इसलिए यह लोग 70 हजार से 1 लाख रुपए में प्लॉट देकर भोले भाले लोगों को कब्जा सौंप देते हैं और कागज मांगने पर कागज नहीं देते हैं। यदि कोई विरोध करके पुलिस में शिकायत भी दर्ज करवाता है तो उसके मामले को दबा दिया जाता है।

इसलिए यह लोग दलालों के झांसे में आ गए और इसके बाद जेडीए की कार्रवाई के बाद यह फिर बेघर हो गए। इस मामले में पूरे उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए जिसमें दोषी दलाल, भूमाफिया और उन को संरक्षण देने वाले पुलिस, जेडीए और राजस्व विभाग के कर्मचारियों अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। जिससे ठगी के शिकार हुए पाक विस्थापितों को न्याय मिल सके।

अपने पत्र में उन्होंने सीएम अशोक गहलोत से पाक विस्थापितों के लिए आरक्षित विनोबा भावे नगर में रिजर्व प्राइस भी कम करने की मांग की। कहा सरकार विस्थापितों के लिए अलग से पुनर्वास की योजना बनाएं और पहले से विस्थापितों के लिए आरक्षित विनोबा भावे नगर आवासीय योजना में रिजर्व प्राइस कम की जाए। जिससे पाकिस्तान से आने वाले गरीब लोग भी यहां पर मकान लेकर रह सकें।

राजस्थान में बारिश के साथ गिरे ओले

जयपुर में तेज बरसात, जैसलमेर में दुकानों में घुसा पानी; 20 जिलों में अलर्ट, बिजली गिरने की आशंका

जयपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में एक बार फिर मौसम में बदलाव हुआ। जयपुर समेत 5 जिलों में बारिश हुई। नागौर और बूंदी में ओले गिरे। बरसात के बाद तापमान में 13.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हुई है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में प्रदेश के 20 जिलों में आंधी के साथ बारिश होने की संभावना जताई है। चार जिलों में बिजली गिरने के साथ ओलावृष्टि की आशंका है। प्रदेश में रविवार सुबह से ही कई जिलों में बादल छाए रहे। सुबह बूंदी में बारिश के साथ ओले गिरे। टोंक और लाडनूं में भी तेज बरसात हुई। दोपहर 1.30 बजे जयपुर में बारिश हुई। इस दौरान हवा भी चली।

जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार

जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, जैसलमेर, नागौर, चूरू, सीकर, झुंझुनूं, दौसा, भीलवाड़ा, अजमेर, टोंक, बूंदी, कोटा, धौलपुर, करौली, बारां, पाली, अलवर, सवाई माधोपुर में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने के साथ बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही चूरू, बूंदी, सवाईमाधोपुर और टोंक में आकाशीय बिजली गिरने के साथ ही ओलावृष्टि भी हो सकती है।

टोंक के निवाई में रविवार सुबह अचानक मौसम बदल गया। सुबह से ही तेज हवा का दौर शुरू हुआ। इसके कारण क्षेत्र का मौसम ठंडा हो गया। सुबह करीब 11.30 बजे शहर में जमकर बारिश हुई। वहीं, बूंदी में भी बारिश के साथ ओले गिरे। लाडनूं में भी करीब आधे घंटे तक बारिश हुई। बारिश के बाद बस स्टैंड पर पानी भर गया। करीब 10.45 बजे हल्की बारिश शुरू हो गई। जो करीब आधे घंटे तक हुई।

वहीं, शनिवार को जैसलमेर में सबसे ज्यादा बारिश हुई। जैसलमेर शहर में शनिवार शाम सात बजे तेज हवा के साथ बारिश शुरू हुई। इसके बाद तूफानी बारिश से जगह-जगह पानी भर गया। मौसम विभाग के अनुसार शहर में 2.5 इंच (59 एमएम) बारिश रिकॉर्ड की गई। बारिश से कई इलाकों मे पानी भर गया। दुकानों में पानी घुस गया और सड़कों पर नदी बहने लगा। नगौर में शनिवार शाम करीब पांच बजे मौसम पलटने के साथ बारिश का दौर शुरू हुआ। देर रात तक रुक-रुक कर बारिश हुई। जिले के डेह सहित आसपास गांवों में ओले भी गिरे। आम रास्तों और खेतों में जगह-जगह पानी भर गया। जायल क्षेत्र में ओलों की चादर खेत और सड़क पर बिछ गई।

दो युवक-दो घोड़ी जिंदा जलने का मामला

अजमेर डिस्कॉम एमडी ने एसई से मांगी तथ्यात्मक रिपोर्ट, 5-5 लाख का मुआवजा जारी

अजमेर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ जिले के कपासन थाना क्षेत्र के गांव रामथली में करंट के कारण दो युवक समेत दो घोड़ी जिंदा जलने के मामले में अजमेर डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक एन.एस. निर्वाण ने चित्तौड़गढ़ अधीक्षण अभियंता से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है। साथ ही मृतक दोनों युवकों को पांच-पांच लाख रुपए व दो घोड़ी के 30-30 हजार रुपए मुआवजा राशि जारी कर दी है। शांतिलाल शादियों के दौरान निकलने वाली बिंदौरी में घोड़ी लेकर जाता था। शुक्रवार को शांतिलाल अपने छोटे भाई कैलाश (25) को साथ लेकर गांव पांछली में बिंदौली कार्यक्रम में दो घोड़ी लोडिंग टेम्पो में लेकर गए थे। टेम्पो गांव हथियाना निवासी किशन खटीक का था और किशन ही चला रहा था। इनके साथ में हथियाना निवासी शिवलाल पुत्र बंशीलाल तेली भी था। वह ड्राइवर के साथ गया था। पांछली गांव में बिंदौली निकालने के बाद सभी सुबह 3 बजे टेम्पो से वापस लौट रहे थे। रास्ते में रामथली के पास 11 केवी लाइन का तार फॉल्ट होने के कारण टूट कर नीचे गिरा हुआ था। अंधेरा होने की वजह से तार दिखाई नहीं दिया और टेम्पो उसकी चपेट में आ गया।

करंट का झटका लगते ही ड्राइवर किशन ने टेम्पो को रोका। तब तक वाहन में करंट फैल चुका था। वाहन में करंट फैलते ही शांतिलाल (28) कैलाश (25) और शिवलाल जान बचाने के लिए बाहर की तरफ भागे, लेकिन ड्राइवर बाहर नहीं निकल पाया।

चाकू की नोंक पर महिला से रेप

जयपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर में पड़ोसी युवक के महिला से रेप करने का मामला सामने आया है। पति से मिलने के बहाने घर आए आरोपी पड़ोसी ने चाकू की नोंक पर रेप किया। अश्लील वीडियो बनाकर महिला को ब्लैकमेल कर देहशोषण कर रुपए ऐंठे। गांधी नगर थाने में पीड़िता ने आरोपी पड़ोसी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मामले की जांच SHO (गांधी नगर) सुरेन्द्र यादव कर रहे है। पुलिस ने बताया कि जेएलएन मार्ग गांधी नगर निवासी 33 साल की महिला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। शिकायत में बताया कि आरोपी पड़ोसी युवक ने उसे साथ रेप किया। जनवरी 2023 में वह घर पर अकेली थी। दोपहर करीब 11 बजे पड़ोसी युवक घर आया। पड़ोसी होने के कारण उसे घर के अंदर आने दिया। बातचीत के दौरान उसने पति से मिलने आने की कहा। पति के बाहर जाने की बताने पर पीने के लिए पानी मांगा। पानी लेने किचन में जाने पर आरोपी ने मेन गेट लॉक कर दिया। पीछे-पीछे किचन में आकर चाकू की नोंक पर मारने की धमकी दी। चाकू की नोंक पर आरोपी पड़ोसी ने उसके साथ रेप किया। डरा-धमकाकर उसका अश्लील वीडियो भी बना लिया।

पिंजरे में कैद हुआ तेंदुए का शावक

सलूंबर में तेंदुए की फैमिली का मूवमेंट, लोगों में दहशत का माहौल

उदयपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। उदयपुर के सलूंबर में तेंदुए का एक शावक वन विभाग के पिंजरे में कैद हो गया। सलूंबर के कब्रिस्तान के पास वन विभाग ने तीन दिन पहले तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया, जिसमें नर शावक आ गया। जिसकी उम्र 6 से 8 माह बताई जा रही है। माना जा रहा है कि इस क्षेत्र में तेंदुए की एक फैमिली का मूवमेंट है। फिलहाल शावक पकड़ में आ चुका है लेकिन उसकी फैमिली को पकड़ने के लिए भी वन विभाग प्रयास में जुटा है।

क्षेत्रीय वन अधिकारी जितेन्द्र सिंह के नेतृत्व में टीम शावक को लेकर क्षेत्रीय कार्यालय लेकन पहुंची। बताया जा रहा है कि शावक की मां को ट्रेंकुलाइज करने के लिए शावक का पेंथरा ही काम में लिया जाएगा। रविवार शाम को फिर से शावक को कब्रिस्तान ले जाया जाएगा। उसकी मां को भी किसी तरह से पकड़ा जा सके। बता दें, कुछ दिनों से तेंदुए का मूवमेंट होने से लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। तीन दिन पहले शहर के बेड़वास स्थित अलख नयन मंदिर के पास कॉलोनी में घर से डॉग का शिकार करने के बाद वन विभाग ने पास की पहाड़ी पर पिंजरा लगाया है। बता दें, 27 अप्रैल के हेमेन्द्र सिंह के मकान के अंदर रात करीब 12:30 बजे तेंदुए ने उनके पालतू डॉग का शिकार कर लिया था। घर की दीवार कूदकर तेंदुए डॉक को जबड़े में भरकर बाहर ले आया। जिससे डॉग की मौत हो गई। ये घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। इसके बाद कॉलोनी वासियों में दहशत का माहौल है।

आचार्य श्री महाश्रमणजी का पदाभिषेक समारोह आयोजित

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिकन्दराबाद तेरापंथ सभा के तत्वावधान में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी का 14वां पदाभिषेक समारोह, रामकोट, श्री जैन सेवा संघ के विशाल प्रांगण में मनाया गया। इस अवसर पर आराध्य की अभ्यर्थना में समुपस्थित श्रावक परिवार को सम्बोधित करते हुए साध्वी श्री डॉ मंगल प्रज्ञा जी ने कहा कि आज का दिन का पदाभिषेक दिवस पर हम तेरापंथ का भाग्योदय के रूप में मना रहे है। उन्होंने कहा कि आगम साहित्य में पढ़ा-सत्य उपस्थित हुआ। आचार्य श्री महाक्रमण जी धातु और भाव पुरुषक के समन्वयात्मक दिव्यपुरुष के रूप में तेरापंथ के आर्य-सिंहासन पर विराजित है। जिनका अन्तःकरण यानि तेजस शरीर शक्तिशाली है। कार्यक्रम में साध्वी डॉ. राजुल प्रभा जी ने मंगलाचरण किया। तेरापंथ सभाध्यक्ष बाबुलाल बैद, तेरापंथ सभा के परामर्शक लक्ष्मीपत बैद, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष प्रकाश भंडारी, तेरापंथ प्रोफेशनल फॉरम के अध्यक्ष पंकज संचेती, तेरापंथ महिला मंडल मंत्री श्रीमती श्वेता सेठिया, युवक परिषद के उपाध्यक्ष प्रमोद जी भंडारी, वरिष्ठ श्रावक लक्ष्मीपत डुंगरवाल ने अपने हार्दिक भावों से, प्रांजल विशिष्ट विचारों से अभिवन्दना की। कार्यक्रम का कुशल संचालन साध्वी डॉ. चैतन्य प्रभा जी ने किया। आभार ज्ञापन सहमंत्री राकेश सुराणा ने किया।

सामाजिक कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित करने के लिए मन की बात : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उन लोगों को प्रोत्साहित करना है जो समाज सेवा कर रहे हैं।

किशन रेड्डी ने स्थानीय निवासियों के साथ सनतनगर विधानसभा क्षेत्र में मन की बात कार्यक्रम की 100वीं कड़ी देखने के बाद मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि 100 से अधिक देशों के करोड़ों लोगों ने इस कार्यक्रम को देखा। उन्होंने कहा कि पीएम देश के लोगों की समाज सेवा, सामाजिक परिवर्तन और प्रगति के बारे में बताएंगे। उन्होंने कहा कि पीएम अपने कार्यक्रम में सभी सामाजिक कार्यकर्ताओं की तारीफ कर उनका हौसला बढ़ा रहे है।

किशन रेड्डी ने कहा कि बिल गेट्स जैसे बिजनेस मैग्नेट ने भी मन की बात कार्यक्रम की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मणिपुर की एक लड़की के उल्लेख से उनके व्यवसाय में वृद्धि हुई और कहा कि वह लड़की अब दूसरों को नौकरी दे रही है। उन्होंने कहा कि पीएम हर महीने के आखिरी रविवार को कार्यक्रम आयोजित करेंगे और कहा कि मोदी कार्यक्रम के साथ हर परिवार के करीब आ गए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, उद्योगपतियों, स्वयं सहायता समूहों, श्रमिक संघों और छात्रों ने कार्यक्रम देखा और कहा कि वे भी पीएम को अपने परिवार के सदस्य के रूप में मान रहे हैं।

मर्ज किए गए गांवों के विकास के लिए खर्च होंगे 147 करोड़ रुपये : मेयर

करीमनगर, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मेयर वाई. सुनील राव ने कहा कि निगम नए मर्ज किए गए गांवों के डिवीजनों के विकास पर विशेष ध्यान दे रहा है और 147 करोड़ रुपये खर्च करके विभिन्न विकास कार्यों को करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजे जा चुके हैं, उन्होंने कहा कि राशि जारी होने के बाद काम शुरू कर दिया जाएगा। 120 करोड़ रुपये से अन्य विकास कार्यों के लिए भी टेंडर प्रक्रिया शुरू की गई।

करीमनगर नगर निगम की आम सभा की बैठक में भाग लेते हुए, सुनील राव ने कहा कि गर्मियों में पानी की आपूर्ति में आने वाली परेशानियों को दूर करने के लिए एक समर एक्शन प्लान को सफलतापूर्वक लागू किया गया है। उन्होंने निकट भविष्य में विलय किए गए गांवों में पेयजल आपूर्ति के लिए कदम उठाने का आश्वासन दिया।

5.70 करोड़ रुपये से पेयजल पाइपलाइन बिछाने का काम पहले ही किया जा चुका है और 50 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। वर्तमान में, रेकुर्ती, सीतारामपुर और अरेपल्ली के कुछ इलाकों में पानी की आपूर्ति की जा रही थी। आने वाले दिनों में ठेगलगुट्टापल्ली, सदाशिवपल्ली, अलुगुनूर और वल्लमपहाड़ में लंबित कार्यों को पूरा कर पीने के पानी की आपूर्ति की जाएगी।

इस बीच, एक पार्षद कमलजीत कौर ने अन्य महिलाओं के साथ मुख्य सब्जी बाजार क्षेत्र सहित करीमनगर शहर के विभिन्न हिस्सों में सार्वजनिक शौचालयों का उपयोग करने के लिए महिलाओं से भारी शुल्क वसूलने के विरोध में मीटिंग हॉल के बाहर धरना दिया। उसने आरोप लगाया कि अधिकारी दो रुपये की अनिवार्य दर के बदले शौचालय का उपयोग करने के लिए एक महिला से 10 रुपये वसूल रहे हैं।

अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमेटी ने की बैठक

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरेज डेटा कमेटी का गठन होने के पश्चात् कमेटी की साप्ताहिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में लगभग 10 -12 अभिभावकों द्वारा उनके लड़के तथा लड़कियों के बायोडेटा उपलब्ध करवाए जाते हैं, हमें अग्रबंधुओं के बायोडेटा प्राप्त हो रहे हैं अभी हमारे पास बालकों के 23 से 45 वर्ष तक उम्र के, डिग्री से लेकर प्रोफेशनल कोर्स तक पढ़ाई के तथा व्यवसाय के अतिरिक्त नोकरी करने वाले ज़ीरो बजट से लेकर अधिकतम बजट वालों के बायोडेटा उपलब्ध है। कुछ बायोडेटा अमेरिका, दुबई, ऑस्ट्रेलिया आदि विदेश में कार्यरत बालकों के भी उपलब्ध है।

सभी अग्रबंधुओं के विवाह योग्य बालक एवं बालिकाओं के अभिभावकों से आग्रह है कि वे उनके बायोडेटा लाकर उनके उपयुक्त जोड़े हेतु बालकों के बायोडेटा देख कर पसंद करें ताकि उनके विवाह सम्बन्ध हेतु कोशिश की जा सके। बैठक में अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमिटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल, वाइस चेयरमेन दीनबंधु अग्रवाल, सदस्यगण लाड़ली मोहन धानुका तथा नवीन अग्रवाल, अग्रवाल समाज के सहमंत्री सतीश अग्रवाल, फ़िज़ियोथेरफ़िस्ट बालकृष्ण सुरेखा उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज, तेलंगाना कोत्तापेट शाखा के द्वि-वार्षिक चुनाव आयोजित

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना कोत्तापेट शाखा की एजीएम एवं द्वि-वार्षिक चुनाव आयोजित किये गये। शाखा के मानद मंत्री ललित कुमार बंसल ने बताया कि सर्वप्रथम महाराज श्री अग्रसेन जी की पुष्प-अर्पण के साथ पूजा अर्चना की गई। आगे मंच का संचालन वर्तमान कोषाध्यक्ष राजगोपाल अग्रवाल ने किया।

अध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल ने सभी उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया और कोत्तापेट शाखा द्वारा फरवरी 2022 में हुई शाखा की स्थापना से अब तक के कार्यकाल में शाखा द्वारा किए गए कार्यक्रम का ब्योरा सभा में रखा, जिसमें अनाथ आश्रम एवं वृद्धाश्रम में जरूरी सामान का वितरण, निर्जला एकादशी पर दूध शरबत का वितरण, कोत्तापेट शाखा का स्थापना दिवस समारोह, कांवड़ यात्रा स्वागत, स्वतंत्रता दिवस समारोह, अग्र रथ यात्रा का स्वागत, अग्रसेन जयंती पर अन्नदान, माता की चौकी एवं अन्नकूट प्रसाद, सर्दी में कंबल वितरण, होली मिलन समारोह, इत्यादि शामिल हैं। शाखा द्वारा इतने अल्प समय में इतने सारे कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक करने पर सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने तालियों के साथ प्रोत्साहन दिया। उसके उपरांत कोषाध्यक्ष राजगोपाल अग्रवाल ने 31 मार्च 2023 तक का लेखा जोखा और इसकी विस्तृत जानकारी सभा को दी और सभा ने इसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया।

इसके बाद केंद्रीय समिति सदस्य अशोक जिंदल ने सभा को संबोधित करते हुए आने वाले समय में भी शाखा द्वारा कई कार्यों को करने के लिए सभी से तन-मन-धन से शामिल होने के लिए अनुरोध किया। मानद मंत्री ललित कुमार बंसल ने सभी को धन्यवाद दे कर सभा को समाप्त किया। इसके बाद चुनाव अधिकारी मनीष अग्रवाल ने शाखा के द्विवार्षिक चुनाव के बारे में जानकारी दी कि 2023-25 के पदाधिकारियों का चुनाव निर्विरोध हुआ। नए पदाधिकारियों के रूप में अध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष अरुण गोयल, मानद मंत्री राजगोपाल अग्रवाल, सह मंत्री ललित कुमार बंसल, कोषाध्यक्ष राजेश अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य अशोक जिंदल, कार्यकारिणी सदस्य उषा अग्रवाल बनाये गये। मनीष अग्रवाल एवं अशोक अग्रवाल को शाखा के सलाहकार के रूप में चयनित किया गया।

महिलाओं के लिए मुफ्त सिलाई प्रशिक्षण केंद्र शुरू

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। उमामहेश्वर मंदिर, न्यू बोइनपल्ली पेदातोकट्टा में आज एक मुफ्त सिलाई प्रशिक्षण केंद्र शुरू किया गया। कैंटोनमेंट बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पना प्रताप के मार्गदर्शन में यी सिलाई प्रशिक्षण केंद्र खोला गया। अपने संबोधन में जम्पाना प्रताप ने कहा कि उन्होंने सिलाई प्रशिक्षण के लिए ट्रेनर की व्यवस्था की है और वे छह महीने तक प्रशिक्षण देंगे। स्थानीय महिलाओं को इस सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का लाभ लेने की सलाह दी जाती है। वे चाहते हैं कि महिलाएं सिलाई सीखें और आर्थिक रूप से आगे बढ़कर परिवारों की सहारा बनें। जम्पाना प्रताप ने आश्वासन दिया कि सिलाई सीखने वाले और सिलाई का काम स्वयं करने वालों को सिलाई मशीन खरीदने के लिए आधे पैसे की आर्थिक सहायता दी जाएगी। वीआर अस्पताल के एमडी नंदकिशोय ट्रेनर को छह माह का वेतन देने आगे आए। कार्यक्रम में नंदकिशोर. प्रभु कुमार गौड़, भाग्यशाली लक्ष्मी, यादम्मा, बस्ती के अध्यक्ष बाबू राव, श्रीनिवास, नरेश, नवीन, शशि, वरप्रसाद, सतीश ने भाग लिया।

वाईएसआरसीपी के क्षेत्रीय समन्वयक के पद से इस्तीफा देंगे श्रीनिवास रेड्डी

अमरावती, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री बालिनेनी श्रीनिवास रेड्डी ने पार्टी के क्षेत्रीय समन्वयक के पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है। चित्तूर, नेल्लोर और तिरुपति के लिए वाईएसआरसीपी समन्वयक के रूप में कार्यरत श्रीनिवास रेड्डी ने पार्टी कार्यालय को अपना इस्तीफा भेज दिया। पिछले साल कैबिनेट से हटाए जाने के बाद से कथित तौर पर वह नाखुश थे। वरिष्ठ नेता को यह भी शक था कि पार्टी के भीतर कुछ नेता उनके खिलाफ काम कर रहे हैं।

बालिनेनी श्रीनिवास रेड्डी प्रकाशम जिले के एक प्रमुख नेता हैं और मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी द्वारा पिछले साल उन्हें कैबिनेट से हटा देने के बाद से वह नाखुश थे और विधायक के रूप में छोड़ने की योजना बनाने की भी सूचना मिली थी।

श्रीनिवास रेड्डी, जिन्होंने वाई.एस. के मंत्रिमंडल में मंत्री के रूप में कार्य किया था। अविभाजित आंध्र प्रदेश में राजशेखर रेड्डी, जगन रेड्डी द्वारा उन्हें छोड़ देने और अपने से कनिष्ठ कई अन्य लोगों को बनाए रखने पर नाराज थे। जगन आदिमलापु सुरेश, जो उसी जिले से हैं, को कैबिनेट में बनाए रखने पर नाराज थे।

हालांकि, मुख्यमंत्री ने उन्हें शांत किया और उन्हें पार्टी का क्षेत्रीय समन्वयक नियुक्त किया। हालांकि, पार्टी में उचित सम्मान नहीं मिलने से श्रीनिवास रेड्डी नाखुश थे।

वैजाग किडनी रैकेट मामले में छह गिरफ्तार

विशाखपट्टणम, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने सिटी किडनी रैकेट का भंडाफोड़ किया है और इस सिलसिले में छह बिचौलियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ़्तार किए गए लोगों में पेंडुर्ती के तिरुमाला अस्पताल के डॉ. परमेश्वर राव और कामराजू, श्रीनू, शेखर, एलिना और कोंडम्मा शामिल हैं, जिन्होंने वित्तीय समस्याओं का सामना करने वाले परिवारों को निशाना बनाया। शहर के पुलिस आयुक्त त्रिविक्रम वर्मा के अनुसार, तिरुमाला अस्पताल में अवैध रूप से गुर्दे की सर्जरी की गई थी। विनय कुमार और वासुपल्ली श्रीनिवास राव की सर्जरी की गई और दो डॉक्टरों ने नरला वेंकटेश्वर राव के साथ इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो पहले किडनी रैकेट में कैद थे। सीपी ने यह भी कहा कि मामले में और गिरफ्तारियां होने की संभावना है।

नामपल्ली बाल वीर हनुमान मंदिर में 6 जुलाई को आयोजित होने वाले एक शाम गौमाता के नाम भजन संध्या एवं गौ कवि सम्मेलन की बैठक में भाग लेते हुए पूज्य महामंडलेश्वर प्रभु दासजी महाराज, ठाकुर जयपाल सिंह नयाल, सुंदर अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, पारिख साहब, ऊषा अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, पायल अग्रवाल।

आंध्र प्रदेश के कुछ जिलों में बेमौसम बारिश की संभावना

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारत मौसम विज्ञान विभागने आंध्र प्रदेश के कुछ जिलों में बेमौसम बारिश के लिए अलर्ट जारी किया है जो फसलों को नुकसान पहुंचा सकती है। यह भी कहा गया है कि राज्य में 2 मई तक भारी बारिश, बिजली चमकने के साथ ओलावृष्टि और तेज हवाएं चलेंगी। रायलसीमा में एक या दो स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। एनसीएपी और यनम में अलग-अलग स्थानों पर 40-50 किमी प्रति घंटे की गति के साथ बिजली और तेज हवाओं के साथ ओलावृष्टि के साथ आंधी की संभावना है। आईएमडी ने अपने बुलेटिन में कहा, एनसीएपी और यानम, एससीएपी और रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बिजली और तेज हवाओं के साथ तूफान आने की संभावना है।

श्री रामदेव कीर्तन संगम मंदिर ट्रस्ट, रामदेवरा दरबार शिवराम पल्ली के तत्वावधान में बालाजी मंदिर के गोपुरम का कार्य चालू होने पर पूजा अर्चना करते हुए श्याम सुंदर गिल्डा, कमल जाजू, धर्मचंद भंसाली जगदीश अग्रवाल, वेंकटेश, धर्माराम ढाका, राजेश करवा, सुरेश महाराज, बनवारी महाराज, राकेश महाराज, पिंटू महाराज, कौशलेश महाराज, जनार्दन महाराज, अनिल महाराज, अरविंद शर्मा, पं. जगन्नाथ, चिरंजीलाल शर्मा, पंकज शर्मा।

पोन्नम ने धान खरीद पर सार्वजनिक बहस के लिए मंत्री कमलाकर को चुनौती दी

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सांसद पोन्नम प्रभाकर ने आज राज्य के नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर को तेलंगाना में चल रही धान खरीद पर सार्वजनिक बहस के लिए आगे आने की चुनौती दी। उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री खरीद प्रक्रिया पर राज्य के लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। मंत्री के इस दावे का जिक्र करते हुए कि उन्होंने अब तक 5 लाख मीट्रिक टन की खरीद की है, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 27 अप्रैल, 2023 तक केवल 4.81 लाख मीट्रिक टन ही खरीद पाई थी। उन्होंने कहा कि अभी तक राज्य के 11 जिलों में अभी तक खरीद प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है और राज्य के छह जिलों में एक लाख मीट्रिक टन से कम और आठ जिलों में 2000 मीट्रिक टन से कम खरीद हो सकी है. उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार द्वारा समय पर धान की खरीद न कर पाने की वजह से राज्य भर में हो रही बारिश से किसानों के धान को नुकसान पहुंचा है जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि आईकेपी केंद्रों पर बिक्री के लिए रखे धान के खराब होने से किसान खूब रो रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अभी तक किसानों को किसी भी प्रकार के मुआवजे की घोषणा नहीं की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अविभाजित करीमनगर जिले में 4 लाख मीट्रिक टन के अपने लक्ष्य के मुकाबले 2267 मीट्रिक टन धान की खरीद करने में सक्षम थी, जिसका प्रतिनिधित्व कोई और नहीं बल्कि राज्य नागरिक आपूर्ति मंत्री कर रहे थे। उन्होंने मंत्री से इस मुद्दे पर राज्य के लोगों को गुमराह नहीं करने को कहा।

पीएम नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के सौ दिन पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल, अमर सिंह, सुरेश तोल्दी, राजू यादव, रामकृष्ण, राजू यादव, रघु कामले, रेणुका, कल्पना शर्मा, संदीप व अन्य।

सीआईडी ने तेदेपा के पूर्व एमएलसी आदिरेड्डी अप्पाराव व बेटे को गिरफ़्तार किया

राजमंड्री, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के अधिकारियों ने आज राजमहेंद्रवरम में तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के पूर्व एमएलसी आदिरेड्डी अप्पाराव और उनके बेटे तेदेपा के राज्य कार्यकारी सचिव आदिरेड्डी वासु को गिरफ्तार कर लिया। यह पता चला है कि गिरफ्तारी जगदीश्वरी और जगज्जननी चिटफंड मामले में की गई है और दोनों से वर्तमान में राजमहेंद्रवरम सीआईडी कार्यालय में पूछताछ की जा रही है। टीडीपी नेता पट्टाभिराम ने सीआईडी पर अविनाश रेड्डी से ध्यान हटाने के लिए उनका इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए गिरफ्तारियों की निंदा की है। गिरफ्तारी ने स्थानीय टीडीपी पार्टी के माध्यम से सदमे की लहरें भेजीं, टीडीपी नेताओं ने सीआईडी कार्यालय के बाहर विरोध किया, दावा किया कि गिरफ्तारियां राजनीति से प्रेरित हैं।

आंध्र प्रदेश के स्कूलों में आज से ग्रीष्मकालीन अवकाश

अमरावती, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के सरकारी और निजी स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां कल से शुरू होंगी। स्कूल शिक्षा आयुक्त एस सुरेश कुमार ने एक आधिकारिक बयान जारी कर कहा है कि इस शैक्षणिक वर्ष का अंतिम कार्य दिवस 30 अप्रैल है। इसलिए आंध्र प्रदेश के स्कूल 1 मई से 12 जून, 2023 तक बंद रहेंगे। सरकारी और निजी स्कूल 12 जून को फिर से खुलने वाले हैं।

इस बीच, बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन आंध्र प्रदेश ने 26 अप्रैल को इंटरमीडिएट प्रथम और द्वितीय वर्ष के परिणाम घोषित किए। अग्रिम पूरक परीक्षाएं 24 मई से 1 जून तक निर्धारित हैं, और व्यावहारिक परीक्षाएं 5 मई से 9 मई तक आयोजित की जाएंगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

तेलंगाना स्वाभिमान का ...

केसीआर ने गर्व से घोषणा की कि तेलंगाना वर्तमान में समावेशी विकास के साथ आगे बढ़ रहा है तथा आईटी में बेंगलुरु को पीछे छोड़ रहा है। यदाद्रि का पुनर्निर्माण राज्य के पुनर्निर्माण प्रयासों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

केसीआर ने कहा कि नया सचिवालय तेलंगाना के पुनर्निर्माण का प्रमाण है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सचिवालय की प्रतिष्ठित संरचना के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले आर एंड बी मंत्री, श्रमिकों और राजमिस्त्रियों, कड़ी मेहनत करने वाले सभी क्षेत्रों के पेशेवरों, अविश्वसनीय मॉडल प्रदान करने वाले आर्किटेक्ट्स, अथक काम करने वाली ठेका एजेंसियों तथा उनके इंजीनियरों को बधाई दी।

खड़गे पर अपने ...

लेकिन उनका एक्सीडेंट हो गया और वह अस्पताल से अभियान चला रहे हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाने पर लेकर सामने से हमले की अगुवाई कर रहे हैं।

एक सार्वजनिक रैली में, खड़गे ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना एक जहरीले सांप से की और लोगों को चेतावनी दी कि वे उनके द्वारा दिए गए प्रलोभन में न आएं। इस बयान से विवाद छिड़ गया। बाद में, खड़गे ने अपने बयान को वापस ले लिया और कहा कि उनका मतलब उस विचारधारा को लक्षित करना था, जिसका पीएम मोदी प्रतिनिधित्व करते हैं और उनके साथ कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है।

हाल ही में बीजेपी ने कलबुर्गी नगर निगम में जीत हासिल की थी। भगवा पार्टी ने इतिहास में पहली बार स्वतंत्र रूप से निगम पर कब्जा किया और 12 साल बाद वहां सत्ता में आई। मोदी ने जीत का उल्लेख किया और एक सार्वजनिक रैली में भाषण के दौरान खड़गे की निंदा की।

राजनीतिक विश्लेषक बी. समीउल्ला ने बताया कि यह देखना होगा कि खड़गे अपने गृह राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव में मोदी का किस तरह मुकाबला करेंगे। अगर वह अपनी पार्टी के लिए महत्वपूर्ण संख्या में सीटें जीतने में कामयाब होते हैं, तो यह उनकी सफलता में एक और उपलब्धि हो जाएगी। लेकिन अगर वह हार जाते हैं, तो उनके नेतृत्व के बारे में कई सवाल उठेंगे।

समीउल्ला ने कहा कि अगर कांग्रेस चुनाव में हार जाती है, तो शासन करने के मामले में वह मुख्य रूप से उत्तर भारतीय पार्टी बन जाएगी। पार्टी के लिए कर्नाटक दक्षिण भारत की कड़ी है। इसलिए कांग्रेस आक्रामक और ताकतवर रणनीति के साथ राज्य में आई है। एआईसीसी सक्रिय रूप से मिशन को अंजाम दे रही है। उन्होंने कहा कि खड़गे यह जानते हैं और सभी प्रयास कर रहे हैं।

कलबुर्गी के वरिष्ठ पत्रकार आर आर मनूर ने बताया कि खड़गे का इस क्षेत्र में काफी प्रभाव है। उन्होंने पांच दशकों तक अपनी साफ-सुथरी छवि बनाए रखी है और उन पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं है। उन्होंने राज्य और केंद्र सरकारों में शक्तिशाली पदों पर कार्य किया है।

आखिरी बॉल पर तीन रन बनाकर जीता पंजाब

200+ डिफेंड करते हुए पहली बार हारी चेन्नई, 5वें नंबर पर आई

चेन्नई, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग-16 के 41वें मुकाबले में चेन्नई सुपरकिंग्स को सांसो थाम देने वाले रोमांचक मुकाबले में चार विकेट से हराया है। चेन्नई की टीम 200 या इससे अधिक का स्कोर डिफेंड करते हुए पहली बार हारी है। यह पंजाब की चेन्नई पर 13वीं जीत है, दोनों के बीच अब तक 28 मैच हुए हैं।

चेपक मैदान पर चेन्नई ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए चेन्नई ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 200 रन बनाए। 201 रन का टारगेट पंजाब के बल्लेबाजों ने 20 ओवर में 6 विकेट पर हासिल कर लिया।

आज सुपर संडे है। दिन का दूसरा मुकाबला मुंबई और राजस्थान के बीच शाम 7:30 बजे से वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा।

ऐसे गिरे पंजाब के विकेट...

पहलाः 5वें ओवर की दूसरी बॉल पर तुषार देशपांडे ने धवन को पथिराना के हाथों कैच कराया। दूसराः नौवें ओवर की तीसरी बॉल पर प्रभसिमरन को धोनी ने जडेजा की बॉल पर स्टंप किया। तीसराः 11वें ओवर की दूसरी बॉल पर जडेजा ने अथर्व

तायड़े को कॉट एंड बोल्ड किया। चौथाः 16वें ओवर की पांचवीं बॉल पर तुषार देशपांडे ने लिविंगस्टोन को गायकवाड के हाथों कैच कराया। पांचवांः पथिराना ने 18वें ओवर की पहली बॉल पर सैम करन को बोल्ड कर दिया। छठाः 19वें ओवर की चौथी बॉल पर देशपांडे ने जितेश शर्मा को शेख रशीद के हाथों कैच कराया।

पावरप्ले में पंजाब ने गंवाया धवन का विकेट

पावरप्ले में पंजाब ने 62 रन बनाने में एक विकेट गंवा दिया। छठे ओवर की दूसरी बॉल पर धवन 28 रन पर देशपांडे का शिकार बने।

यहां से चेन्नई की पारी...

चेपक में टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए चेन्नई ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 200 रन बनाए। ओपनर डेवोन कॉन्वे ने 92 रन पारी खेली, जबकि ऋतुराज गायकवाड 31 बॉल पर 37 और शिवम दुबे 17 बॉल में 28 रन बनाकर आउट हुए। आखिर में धोनी ने लगातार दो छक्के लगाकर स्कोर 200 तक पहुंचाया। पंजाब के लिए अर्शदीप सिंह, सिकंदर रजा, राहुल चाहर और सैम करन ने एक-एक विकेट लिया।

कॉन्वे ने जमाया सीजन का 5वां अर्धशतक

डेवेन कॉन्वे ने मौजूदा सीजन में 5वां अर्धशतक जमाया। उन्होंने 30 बॉल में फिफ्टी पूरी की। यह कॉन्वे के IPL करियर का 7वां अर्धशतक है। उन्होंने 52 बॉल पर 176.92 के स्ट्राइक रेट से नाबाद 92 रनों की पारी खेली। कॉन्वे ने इस पारी में 16 चौके और एक छक्का जमाया।

डेवेन कॉन्वे और ऋतुराज गायकवाड ने चेन्नई को मजबूत शुरुआत दिलाई। इन दोनों के बीच 58 बॉल पर 86 रनों की साझेदारी हुई। इस साझेदारी को सिकंदर रजा ने तोड़ा।

चेन्नई ने धमाकेदार शुरुआत की। डेवेन कॉन्वे और ऋतुराज गायकवाड ने मिलकर छह ओवर में 57 रन जोड़े। अहम बात यह कि टीम ने कोई विकेट नहीं गंवाया।

ऐसे गिरे चेन्नई के विकेट...

पहलाः 10वें ओवर की चौथी बॉल पर सिकंदर रजा ने ऋतुराज गायकवाड को जितेश शर्मा के हाथों स्टंप कराया। दूसरा : 14वें ओवर की आखिरी बॉल पर अर्शदीप सिंह ने शिवम दुबे को शाहरुख के हाथों कैच कराया।

तीसराः 17वें ओवर की पहली बॉल पर राहुल चाहर ने मोइन अली को जितेश शर्मा के हाथों स्टंप कराया।

चौथाः 20वें ओवर की पहली बॉल पर सैम करन ने जडेजा को लिविंगस्टोन के हाथों कैच कराया।

सात्विक-चिराग एशियन बैडमिंटन के गोल्ड से एक कदम दूर

मेंस डबल्स कैटेगरी में 61 साल बाद चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंची भारतीय जोड़ी

दुबई, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। सात्विक और चिराग की स्टार जोड़ी ने एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप में इतिहास रच दिया है। यह जोड़ी चैंपियनशिप की मेंस डबल्स कैटेगरी के फाइनल में पहुंची है। सेमीफाइनल में भारतीय जोड़ी को वॉकओवर मिला।

टूर्नामेंट के 61 साल के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब कोई भारतीय जोड़ी मेंस डबल्स कैटेगरी के फाइनल में पहुंची है। दुबई में शनिवार को सात्विक साईराज और चिराग शेट्टी ने सेमीफाइनल में ताइवान की ओलिंपिक चैंपियन जोड़ी ली यांग और वान ची लिंग के खिलाफ वॉकओवर मिल गया।

पहले सेट में जीते सात्विक-चिराग, दूसरे में मिला वॉकओवर

सात्विक-चिराग ने पहले सेट में ताइपे यानी ताइवान की जोड़ी को 21-18 से हराया और दूसरे सेट में 14-13 से पीछे चल रहे थे, तभी ची-लिन शॉट रिटर्न करते हुए चोटिल हो गए। ची-लिन और यांग की जोड़ी को रिटायर होना पड़ा। इस कारण सात्विक-चिराग

1961 के बाद फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय जोड़ी बन गई।

क्वार्टरफाइनल में इंडोनेशिया की जोड़ी को हराया

भारतीय जोड़ी ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया के मोहम्मद अहसान और हेंड्रा सेतियावान की जोड़ी को सीधे गेम में 21-11, 21-12 में हराया था।

अन्य भारतीय टूर्नामेंट से बाहर

सात्विक-चिराग के अलावा टूर्नामेंट में खेल रहे अन्य भारतीय शटलर्स पहले ही बाहर हो गए है। शुक्रवार को सिंगल्स कैटेगरी में पीवी सिंधु और एचएस प्रणौय क्वार्टर फाइनल मुकाबले हार गए। साथ ही मिक्स्ड डबल्स में रोहन कपूर और सिक्की रेड्डी भी हार कर बाहर हो गए थे।

पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया

जमान के 180 रन के बदौलत दूसरे वनडे में 337 रन के टारगेट को हासिल किया

रावलपिंडी, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। रावलपिंडी में खेले गए दूसरे वनडे मैच में पाकिस्तान ने फखर जमान की 180 रन की नाबाद पारी की बदौलत न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया। इसके साथ ही पाकिस्तान पांच वनडे मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। पहले खेलते हुए न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में 336/5 का स्कोर बनाया, जवाब में पाकिस्तान ने 48.2 ओवर में 337/3 का स्कोर बनाकर मुकाबला अपने नाम किया।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पहला झटका 33 रन के स्कोर पर लगा। ओपनर विल यंग 19 रन बनाकर छठे ओवर में आउट हुए। उसके

बाद चैड बोवेस और डैरिल मिचेल ने न्यूजीलैंड की पारी को संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 86 रन की पार्टनरशिप हुई। बोवेस 119 रन के स्कोर पर आउट हुए। उन्होंने 51 गेंदों पर 51 रन बनाए।

मिचेल और टॉम लाथम के बीच 183 रन की पार्टनरशिप

वहीं बोवेस के आउट होने के बाद मिचेल ने टॉम लाथम के साथ न्यूजीलैंड की पारी को संभाले रखा और स्कोर 300 रन के पार पहुंचाया। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 183 रन की साझेदारी हुई। मिचेल ने 119 गेंदों में 129 रन बनाए। मिचेल 302 रन के स्कोर पर आउट हो गए। वहीं लाथम ने 85 गेंदों में 98 रन बनाए। मार्क चैपमैन सिर्फ 1 रन ही बना पाए। जेम्स नीशम 17 और हेनरी निकोल्स 6 रन बनाकर नाबाद रहे। इस तरह न्यूजीलैंड ने 5 विकेट खोकर 336 रन बनाए।

337 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी रही। फखर जमान और इमाम उल हक की ओपनिंग जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 66 रन जोड़ा।

वहीं उसके बाद फखर ने बाबर आजम के साथ पाकिस्तान की पारी को संवारा। दोनों ने मिलकर पाकिस्तान की पारी को 201 रन के स्कोर तक पहुंचाया। बाबर और फखर के बीच 135 रनों की बड़ी साझेदारी हुई। बाबर ने 66 गेंदों पर 65 रन बनाए।

बाबर के आउट होने के बाद अब्दुल्लाह शफीक भी 7 रन बनाकर आउट हो गए। उसके फखर ने मोहम्मद रिजवान के चौथे विकेट के लिए 119 रन की पार्टरनशिप की। फखर ने सीरीज में अपना दूसरा और पिछली तीन वनडे पारियों में अपना तीसरा शतक पूरा किया। उन्होंने 144 गेंदों में 17 चौके और छह छक्के की मदद 180 रनों की नाबाद पारी खेली। वहीं रिजवान भी 41 गेंदों में 54 रन बनाकर नाबाद रहे।

क्रीज पर धोनी का क्रेज...कमाई-व्यूअरशिप में कोहली से भी आगे

आईपीएल में सबसे ज्यादा डिजिटल व्यूअरशिप तब-तब आई जब-जब माही का बल्ला बोला

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। करीब 3 साल पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह चुके महेंद्र सिंह धोनी की कुल संपत्ति (1,022 करोड़ रु.) 2020 के बाद पहली बार विराट कोहली (998 करोड़ रु.) से ज्यादा हो गई है। टीम इंडिया को टी20 वर्ल्ड चैंपियन, वनडे वर्ल्डकप चैंपियन और 4 बार चेन्नई को आईपीएल चैंपियन बनाने वाले 41 वर्षीय धोनी का क्रेज अब भी वैसा ही है।

यही वजह है कि मौजूद आईपीएल में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अब तक की सबसे ज्यादा व्यूअरशिप (2.4 करोड़) उस वक्त दर्ज की गई, जब धोनी बेंगलुरू के होम ग्राउंड (चिन्नास्वामी स्टेडियम) पर बेंगलुरू के ही खिलाफ क्रीज पर थे। यही नहीं, डिजिटल पर दूसरी सबसे बड़ी व्यूअरशिप (2.2 करोड़) भी तभी आई, जब धोनी राजस्थान के खिलाफ क्रीज पर थे। कोलकाता हो या जयपुर, हर जगह दर्शकदीर्घा में पीली जर्सी पहने धोनी के फैंस सबसे ज्यादा दिखे।

संपत्ति... तीन साल के बाद कोहली को पीछे छोड़ ऐसे आगे बढ़े धोनी। आईपीएल; आज 1000 मैच पूरे करने वाली पहली क्रिकेट लीग बन जाएगी। आईपीएल में कुल 998 मैच हो चुके हैं। रविवार को 2 मैचों के साथ 1000 हो जाएंगे। बिग बैश (552 मैच), पीएसएल (252), सीपीएल (357) जैसी लीग आसपास भी नहीं हैं। धोनी का कार्स24, स्पोर्ट्स स्टार्टअप रन एडम, कंटेंट प्लेटफॉर्म रिगी और खाताबुक एप जैसी जगह निवेश।

कोहली का मुंबई, द. अमेरिका में रेस्त्रां है। रेज कॉफी और गो डिजिट इंश्योरेंस आदि में निवेश।

खेल... आईपीएल में टीम, बोर्ड और स्पॉन्सर ऐसे करते हैं कमाई

स्पॉन्सरशिप : 50% हिस्सा बीसीसीआई और 50% आईपीएल की टीमों को दिया जाता है।

टीम स्पॉन्सर्स : 100% राशि अलग-अलग

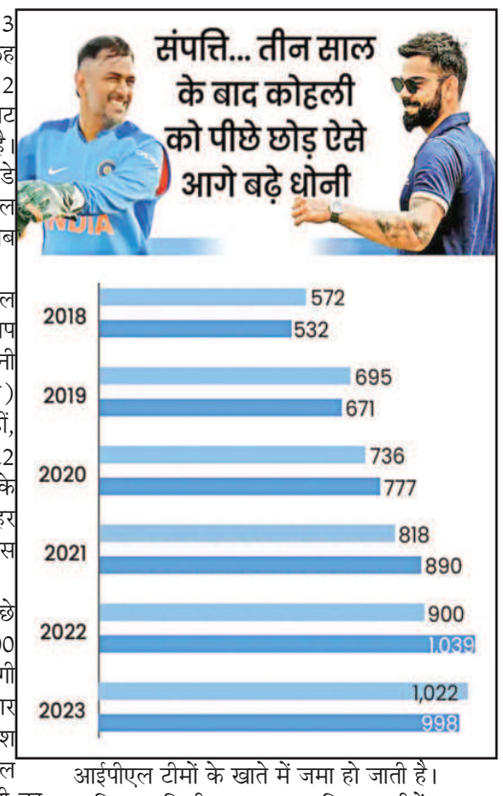

आईपीएल टीमों के खाते में जमा हो जाती है।

टिकट बिक्री : 80% हिस्सा टीमें, 10% बीसीसीआई और 10% स्पॉन्सर्स रखते हैं।

मीडिया राइट्स : 50% बीसीसीआई और 50% हिस्सा आईपीएल टीमों को मिलता है।

विज्ञापन राजस्व : 80% हिस्सा टीमें, 10% बीसीसीआई और 10% टीम स्पॉन्सर्स लेते हैं।

फ्रेंचाइज नीलामी : लीग में आने वाली नई टीम पूरी राशि बीसीसीआई को सुपुर्द करती है।

प्राइज मनी : 50% टीम मालिक को व 50% विजेता टीम के खिलाड़ियों को दी जाती है।

36 साल के हुए रोहित शर्मा, बीसीसीआई व क्रिकेटर्स द्वारा इस तरह दी जा रही बधाई

खेल डेस्क, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा अपना 36वां जन्मदिन मना रहे हैं। उनके इस खास दिन पर बधाइयों का दौर जारी है।

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा अपना 36वां जन्मदिन मना रहे हैं। 30 अप्रैल 1987 को नागपुर में जन्मे रोहित शर्मा ने अपने करियर में वो सबकुछ हासिल किया जो क्रिकेट खेलने वाले हर खिलाड़ी की चाह होती है।

उनके इस खास दिन पर बीसीसीआई, फैंस, पूर्व क्रिकेटर्स व आईपीएल की टीमों द्नारा खास अंदाज में बधाई दी जा रही है।

मुंबई इंडियंस ने शेयर किया वीडियो, हरभजन सिंह ने भी दी बधाई

वहीं भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के 36वें जन्मदिन पर उन्हें कई लोग बधाईयां दे रहे हैं। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने भी सोशल मीडिया पर रोहित को बधाई दी है। मैं आपके अच्छे भाग्य और सफलता की कामना करता हूं। आपके लिए और भारतीय क्रिकेट के लिए नई उपलब्धियों से भरा एक और साल हो। हमेशा खुश रहो भाई। जन्मदिन मुबारक हो। इसके अलावा मुंबई इंडियंस को पांच बार चैंपियन बनाने वाले रोहित शर्मा के लिए उनकी के खिलाड़ियों ने भी जमकर बधाई दी। मुंबई इंडियंस द्वारा एक वीडियो शेयर किया गया है जिसमें सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन, कैमरुन ग्रीन समेत अन्य उन्हें खास अंदाज में बधाई देते नजर आ रहे हैं।

104 किलो के वैशाख को कोच ने रिजेक्ट किया था

अब विराट के साथ आईपीएल खेल रहे, 145+ की स्पीड से करते हैं गेंदबाजी

बेंगलुरु, खेल डेस्क, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। विजयकुमार वैशाख...इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का तेजी से उभरता हुआ तेज गेंदबाज। वैशाख ने डेब्यू मैच में 20 रन देकर 3 विकेट लेकर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। वे रजत पाटीदार के चोटिल होने के बाद टीम में शामिल हुए थे।

26 साल के वैशाख अपनी सटीक लेंथ गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। वे लगातार 145+ केएमपीएच की स्पीड से बॉलिंग कर सकते हैं। इस समय वे अपना आईपीएल ड्रीम जी रहे हैं। इस सफलता को हासिल करने के लिए उन्होंने खुद को ट्रांसफॉर्म कर डाला। 7 साल पहले वैशाख 104 किलो वजनी थे। उनके दोस्त उन्हें बबली (मोटू) कहकर चिढ़ाते थे। कोच रमन्ना ने यहां तक कह दिया था कि तुम कभी तेज गेंदबाज नहीं बन सकते हो। वैशाख का जुनून देखिए उन्होंने खुद को पूरी तरह बदल डाला।

दिल्ली-हैदराबाद मैच - हैरी ब्रूक का लगभग कैच ऑफ द सीजन

मार्श का डबल विकेट मेडन, जीरो पर बोल्ड हुए वार्नर

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग के रोमांचक मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने दिल्ली कैपिटल्स को 9 रन से हरा दिया। अरुण जेटली स्टेडियम में हैदराबाद ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग की और 20 ओवर में 6 विकेट पर 197 रन बना दिए। जवाब में दिल्ली 6 विकेट पर 188 रन ही बना सकी। मैच में एनरिक नॉर्त्या ने आसान सा कैच छोड़ा।

मिचेल मार्श ने डबल विकेट मेडन ओवर फेंका। हैरी ब्रूक ने कैच लेने के लिए बेहतरीन एफर्ट लगाया और भुवनेश्वर कुमार ने डेविड वार्नर को जीरो पर बोल्ड किया। मैच के ऐसे ही टॉप मोमेंट्स इस खबर में हम जानेंगे।

नॉर्त्या ने छोड़ा आसान कैच

पहली पारी में 7वें ओवर की पांचवीं गेंद कुलदीप यादव ने फुलर लेंथ फेंकी। ऐडन मार्करम ने बड़ा शॉट खेला, लेकिन बॉल लॉन्ग ऑन पर फील्डर एनरिक नॉर्त्या के पास चली गई। नॉर्त्या ने कैच लेने की कोशिश की, लेकिन बॉल उनके हाथ से छूट गई। मार्करम इस जीवनदान का फायदा नहीं उठा सके और 10वें ओवर की तीसरी गेंद पर 9 रन बनाकर आउट हो गए।

हैदराबाद ने भी दूसरी पारी में आसान से मौके गंवाए, जिस कारण मैच आखिरी ओवर तक गया।

मार्श ने फेंका डबल विकेट मेडन फेंका

दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाज मिचेल मार्श ने पहली पारी का 10वां ओवर मेडन फेंका। इस ओवर में उन्होंने 2 विकेट भी लिए। ओवर की दूसरी गेंद पर ऐडन मार्करम को कैच आउट कराने के बाद उन्होंने चौथी ही गेंद पर हैरी ब्रूक को भी कैच आउट करा दिया। ब्रूक अपना खाता भी नहीं खोल सके।

मार्श ने इससे पहले राहुल त्रिपाठी का विकेट लिया था, उन्होंने अपने 4 ओवर का स्पेल 27 रन देकर 4 विकेट के साथ खत्म किया और हैदराबाद को 200 रन का आंकड़ा पार नहीं करने दिया।

भुवनेश्वर ने वॉर्नर को डक पर बोल्ड किया

198 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी दिल्ली को पहले ही ओवर में बड़ा झटका लगा। हैदराबाद के भुवनेश्वर कुमार ने कैपिटल्स के कप्तान डेविड वॉर्नर को जीरो पर बोल्ड कर दिया। वॉर्नर ने सीजन में हैदराबाद के खिलाफ पिछले मैच में फिफ्टी लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई थी, लेकिन इस बार वे कुछ खास नहीं कर सके और उनकी टीम 9 रन से मैच हार गई।

हैरी ब्रूक का लगभग कैच ऑफ द सीजन

दूसरी पारी में 10वें ओवर की पहली बॉल मयंक मारकंडे ने गुड लेंथ पर गूगली फेंकी। मिचेल मार्श ने लॉन्ग ऑन की बड़ा शॉट लगाया। गेंद बाउंड्री के पार चली ही गई थी कि हैरी ब्रूक ने जम्प कर एक हाथ से गेंद पकड़ ली। उन्होंने छक्का होने से पहले गेंद को बाउंड्री के अंदर फेंक दिया, ले कि न बॉल को दूसरी बार में पकड़ नहीं कर सके।

अगर वे इस कैच को पूरा कर लेते तो यह कैच ऑफ द सीजन की लिस्ट में टॉप पर होता। मार्श ने इस जीवनदान का फायदा उठाया और फिफ्टी लगाई। हालांकि वह 14वें ओवर में 63 रन बनाकर आउट हुए और अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके।

मयंक मारकंडे का शानदार डाइविंग कैच

दूसरी पारी के 12वें ओवर में मयंक मारकंडे ने अपनी ही बॉलिंग पर शानदार कैच पकड़ा। ओवर की दूसरी गेंद उन्होंने गुड लेंथ पर फेंकी। सॉल्ट ने सामने शॉट खेला, गेंद मयंक के पास आई, उन्होंने दाएं तरफ डाइव लगाई और शानदार कैच पकड़ लिया। सॉल्ट 59 रन बनाकर आउट हुए।

सॉल्ट के विकेट के बाद दिल्ली ने लगातार विकेट गंवाए। टीम ने अगले 4 ओवर में 3 और विकेट खो दिए और अंत में टारगेट से 9 रन पीछे रह गई।

2024 शंखनाद

सभी को आज गुजरात स्थापना दिवस पर बधाई

तेलंगाना-आन्ध्र प्रदेश के गुजराती समाज की आन-बान और शान

श्री जिग्नेश दोशी

को लगातार 15वीं बार
दि गुजराती सोशयल वेलफेयर सोसाइटी
के निर्विरोध अध्यक्ष बनने पर

हार्दिक बधाई

कामयाबी के हर शिखर
पर आपका नाम होगा..
आपके हर कदम पर
दुनिया का सलाम होगा..
हिम्मत से करना
हर मुश्किल का सामना,
देखना एक दिन
वक्त भी आपका गुलाम होगा..

मन की बात @100

100वें एपिसोड पर हार्दिक बधाई

हमें आशा ही नहीं, पूर्ण विश्वास है कि आपके नेतृत्व में समाज एवं सोसाइटी और भी आगे बढ़ेंगे एवं उत्तरोत्तर प्रगति करेंगे।
इन्हीं शुभकामना के साथ...

दि गुजराती सोशयल वेलफेयर सोसाईटी

"जय श्री कृष्ण"

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.